महानगर नई दिल्ली शनिवार 4 अप्रैल, 2020, रु. 5.00 (12 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com epaper.jansatta.com facebook.com/jansatta twitter.com/jansatta

तबलीग से 14 राज्यों में फैला संक्रमण

647 लोग संक्रमित, 960 विदेशी तबलीगियों के नाम काली सूची में

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 3 अप्रैल।

दिल्ली स्थित निजामुद्दीन इलाके में तबलीगी जमात के धार्मिक आयोजन में हिस्सा लेने वालों के जरिए देश के 14 राज्यों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। तबलीगी जमात में शामिल लोगों के जरिए कुल 647 लोग संक्रमित हुए हैं। ये लोग असम, अंडमान निकोबार, दिल्ली, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, बाकी पेज 8 पर

कोरोना खतरे से आगाह करेगा 'आरोग्य सेतु'

केंद्र सरकार ने देश के नागरिकों को कोरोना के संक्रमण के खतरे का आकलन करने की सुविधा से लैस करते हुए मोबाइल ऐप 'आरोग्य सेतु' शुरू किया है।

तबलीगी सहित दो लोगों की मौत

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 अप्रैल।

निजामुद्दीन मरकज के एक और मरीज सहित शुक्रवार को कोरोना से राजधानी में दो लोगों की मौत हो गई। शुक्रवार को मौत हो गई है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने डिजिटल प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि अब दिल्ली में कोरोना संक्रमण के कुल 386 मामले हैं और 24 घंटे में दिल्ली में 91 मरीज बढ़ गए हैं। संक्रमण से मरने वालों की संख्या अब बढ़कर छह हो गई है। दो मरीज वेंटिलेटर पर हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया बाकी पेज 8 पर

इन लोगों ने जो भी किया वो जघन्य, लगेगा रासुका : योगी

जनसत्ता संवाददाता
लखनऊ/गाजियाबाद, 3 अप्रैल।

गाजियाबाद में नर्सों के साथ अभद्रता करने के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बेहद सख्त तेवर अख्तियार कर चुके हैं। उन्होंने अभद्रता करने वाले तबलीगी जमात के कोरोना संक्रमितों के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत कार्रवाई करने की बात कही है। योगी ने कहा कि किसी भी हाल में इस तरह की घटना बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बेहद नाराज नजर आ रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, ये न कानून को मानेंगे और न ही ये व्यवस्था को मानेंगे। दरअसल ये मानवता के शत्रु हैं। महिला स्वास्थ्यकर्मियों के साथ इन लोगों ने जो भी किया वो जघन्य अपराध है। इन पर रासुका लगाया जा रहा बाकी पेज 8 पर

विशेष पन्ना राजकाज पेज 7 पर

राष्ट्रपति ने कहा, जमात और जमावड़े ने बढ़ाई समस्या

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 3 अप्रैल।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने आनंद विहार में प्रवासी मजदूरों के एकत्र होने और निजामुद्दीन मरकज में तबलीगी जमात के लोगों के शामिल होने पर चिंता व्यक्त करते हुए शुक्रवार को कहा कि इन दो घटनाओं ने कोरोना वायरस के खिलाफ हमारे प्रयासों को धक्का पहुंचाया है। राष्ट्रपति भवन के बयान में यह बात कही गई है।

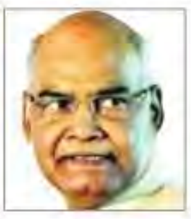

राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति का राज्यों-केंद्रशासित प्रदेशों के राज्यपालों, उपराज्यपालों व प्रशासकों के साथ संवाद

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने शुक्रवार को राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के राज्यपालों, उपराज्यपालों व प्रशासकों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिग के जरिए संवाद किया। राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि देश बंदी के दौरान कोई भूखा नहीं रहे और वायरस को फैलने से रोका भी जाना चाहिए।

बयान के अनुसार, संवाद के दौरान इस बात पर एक राय थी कि इस अदृश्य दुश्मन से लड़ाई में किसी प्रकार की लापरवाही या आत्मसंतुष्टि का कोई स्थान नहीं है। इस संदर्भ में कोविंद ने देश के कुछ हिस्सों में डाक्टरों, स्वास्थ्यकर्मियों और पुलिसकर्मियों पर हमलों की घटनाओं पर चिंता जताई। राष्ट्रपति ने कहा कि संक्रमण से मुकाबला करने में देश के लोगों ने अपूर्व साहस, अनुशासन और एकजुटता का प्रदर्शन किया है।

उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों को भोजन और अन्य जरूरी सामग्री मिल रही है, ऐसे में सामाजिक दूरी के संकल्प का पूरी तरह से पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने हालांकि आनंद विहार में प्रवासी मजदूरों के एकत्र होने और निजामुद्दीन मरकज में तबलीगी जमात के लोगों के शामिल होने की दो घटनाओं को लेकर कहा कि इससे कोरोना के खिलाफ प्रयासों को धक्का पहुंचा है।

वहीं, उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने अपने ट्वीट में बाकी पेज 8 पर

प्रधानमंत्री की अपील : अप्रैल 5, रात 9 बजे, 9 मिनट के लिए

कोरोना के अंधकार में जलाएं रोशनी की एक लौ

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 3 अप्रैल।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से अपील की है कि वे रविवार पांच अप्रैल को रात नौ बजे अपने घरों की बालकनी में खड़े रहकर नौ मिनट तक मोमबत्ती, दीया, टॉर्च या मोबाइल की फ्लैशलाइट जलाएं। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से पहले अपने पूरे घर की बत्तियां बुझा दें।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना विषाणु को पराजित करने की देश की 'सामूहिक शक्ति' को प्रदर्शित करने के लिए लोग रोशनी करें। उन्होंने शुक्रवार को अपने 11 मिनट से ज्यादा के वीडियो संदेश में लोगों से कहा कि इस दौरान सामाजिक दूरी की 'लक्ष्मण रेखा' को नहीं लांघें, क्योंकि कोरोना की शृंखला को बाकी पेज 8 पर

कांग्रेस ने छोड़ा हाथ, आप का मिला साथ

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 3 अप्रैल।

कोरोना संक्रमण से लड़ाई में सामूहिकता का इजहार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दीया जलाने की अपील की कांग्रेस व अन्य विपक्षी पार्टियों ने तीखी आलोचना की है। पार्टियों के नेताओं ने प्रधानमंत्री के संबोधन को निराशाजनक बताते हुए कहा कि कामकाजी वर्ग, कारोबारी और मजदूर निराश हुए। हालांकि आम आदमी पार्टी ने कहा कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में वह केंद्र सरकार के साथ है। पार्टी के बाकी पेज 8 पर

केंद्र ने 4.07 करोड़ महिलाओं के जनधन खाते में 500-500 रुपए डाले

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (भाषा)।

केंद्र ने कोरोना वायरस के चलते लागू राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन को देखते हुए देश की 4.07 करोड़ गरीब महिलाओं के जनधन खाते में राहत पैकेज के रूप में शुक्रवार को 500-500 रुपए की पहली किस्त जमा की।

अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा जारी राशि अप्रैल के पहले हफ्ते के अंत तक महिलाओं के 20.39 करोड़ बाकी पेज 8 पर

राज्यों को जारी होंगे 11,092 करोड़

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (भाषा)।

10 दिन

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए शुक्रवार को सभी राज्यों को राज्य आपदा जोखिम प्रबंधन कोष (एसडीआरएफएफ) के तहत पृथक केंद्र बनाने तथा अन्य सुविधाओं के वास्ते 11,092 करोड़ रुपए की राशि जारी करने को मंजूरी दी।

गृह मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान मुख्यमंत्रियों को दिए गए आश्वासन के बाद इस निधि को स्वीकृति दी गई है। मंत्रालय के एक बयान के अनुसार गृह बाकी पेज 8 पर

विश्व में कोरोना संक्रमित 10 लाख और मृतक 50,000 के पार

वाशिंगटन, 3 अप्रैल (एएफपी)।

कोरोना वायरस का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है और दुनियाभर में इससे संक्रमित लोगों की संख्या 10 लाख के पार चली गई है और 50,000 लोग जान गंवा चुके हैं। अभी तक एक दिन में सबसे अधिक मौत की संख्या अमेरिका से सामने आई है।

आधी से ज्यादा दुनिया के लॉकडाउन जैसे हालात में रहने के बावजूद यह विषाणु तेजी से फैल रहा है और अमेरिका, स्पेन व ब्रिटेन में हालात बेहद खराब हो गए हैं। इस वैश्विक महामारी से अर्थव्यवस्था भी चरमरा रही है। नए आंकड़ों के अनुसार, 66.5 लाख अतिरिक्त अमेरिकियों ने पिछले सप्ताह बेरोजगारी लाभ के लिए हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही मार्च के पिछले दो हफ्तों में एक करोड़ लोग अपनी नौकरी गंवा चुके हैं।

अब तक एक दिन में सबसे अधिक मौतों की संख्या अमेरिका से सामने आई

अर्थशास्त्रियों ने आगाह किया कि हालात और बिगड़ने वाले हैं। वित्तीय रेटिंग एजेंसी फिच ने अनुमान जताया कि अमेरिका और यूरोजोन की अर्थव्यवस्थाएं इस तिमाही में 30 फीसद तक सिकुड़ेंगी। विश्व नेताओं ने इस संकट से निपटने के लिए बड़े वित्तीय सहायता पैकेजों की घोषणा बाकी पेज 8 पर

देश में 2,547 लोग संक्रमित, 62 की मौत

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 3 अप्रैल।

देश में कोरोना विषाणु संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 2,547 हो गए हैं और इस महामारी से 62 लोगों की मौत हो चुकी है। चौबीस घंटे में संक्रमितों की संख्या में 478 की बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक 2,322 संक्रमितों का उपचार किया जा रहा है जबकि 162 लोग ठीक हो चुके हैं। कुल संक्रमितों में 55 विदेशी नागरिक हैं।

मंत्रालय की ओर से शुक्रवार शाम छह बजे जारी आंकड़ों के मुताबिक शुक्रवार को तेलंगाना में चार, महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण के कारण तीन, गुजरात और पंजाब में एक-एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हुई। देश में अभी तक सर्वाधिक 16 लोगों की मौत महाराष्ट्र में हुई है। इसके अलावा गुजरात में आठ, तेलंगाना में सात, मध्य प्रदेश में छह, पंजाब में पांच, दिल्ली में चार, कर्नाटक में तीन, पश्चिम बंगाल में तीन, जम्मू-कश्मीर में दो, उत्तर प्रदेश में दो और केरल में दो लोगों की मौत हो चुकी है। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, बिहार और हिमाचल प्रदेश में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है।

162 संक्रमित लोग ठीक हो चुके हैं

55 विदेशी नागरिक हैं कुल संक्रमितों में

16 लोगों की मौत महाराष्ट्र में हुई है जो देश में अभी तक सर्वाधिक है

भारत में संक्रमितों की संख्या
गुरुवार : 2069
शुक्रवार : 2547

चौबीस घंटे में 478 बढ़ी संक्रमितों की संख्या

कोरोना विषाणु संक्रमण के सर्वाधिक मामले भी महाराष्ट्र में सामने आए हैं। महाराष्ट्र में संक्रमण के 335, तमिलनाडु में 309 और केरल में 286 मामले सामने आए हैं। दिल्ली में इस वायरस से 219, राजस्थान में 167, आंध्र प्रदेश में 132 और कर्नाटक में 124 लोग संक्रमित हैं। उत्तर प्रदेश में अभी तक 172 लोग कोरोना विषाणु से संक्रमित हैं और तेलंगाना में 158 लोग संक्रमित हैं।

मध्य प्रदेश में 104, गुजरात में 95 और जम्मू-कश्मीर में 75 और पश्चिम बंगाल में 63 मामले सामने आए हैं। पंजाब में अभी तक 48, हरियाणा में 49, बिहार में 29, चंडीगढ़ में 18, असम में 16 और लद्दाख में 14 मामले सामने आ चुके हैं। इसके अलावा अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में 10, उत्तराखंड में 10, छत्तीसगढ़ में नौ, गोवा में छह, हिमाचल प्रदेश में छह, ओड़ीशा में पांच और पुदुचेरी में पांच लोग कोरोना विषाणु से संक्रमित हैं। झारखंड व मणिपुर में संक्रमण के दो-दो मामले सामने आए हैं और मिजोरम व अरुणाचल प्रदेश में एक-एक व्यक्ति संक्रमित है।

इंदौर में स्वास्थ्य कर्मियों पर हमला करने वालों पर रासुका

इंदौर, 3 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना विषाणु से संक्रमित के एक स्थानीय मरीज के संपर्क में आए लोगों को ढूंढने गए स्वास्थ्य कर्मियों के दल पर पथराव में शामिल छह लोगों को पुलिस ने शुक्रवार को हिरासत में लिया। छत्रीपुरा पुलिस थाने के प्रभारी करणी सिंह शक्तावत ने बताया कि गुरुवार को इस मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया था। जिला प्रशासन ने इनमें से चार लोगों- मोहम्मद मुस्तफा (28), मोहम्मद गुलरेज (32), शोएब (36) और मजीद (48) को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत रीवा के केंद्रीय जेल भेजने के आदेश दिए हैं। उन्होंने बताया कि इसके अलावा जांच में मिले सुरागों के आधार पर छह लोगों को हिरासत में लिया गया है। इनसे पूछताछ की जा रही है।

छत्रीपुरा पुलिस थाने के प्रभारी ने बताया कि गुरुवार को इस मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया था।

अधिकारियों ने बताया कि शहर के टाटपट्टी बाखल इलाके में बुधवार को पथराव की घटना में दो महिला डॉक्टरों के पैरों में चोटें आई थीं। दोनों महिला डॉक्टर कोरोना वायरस के खिलाफ अभियान चला रहे स्वास्थ्य विभाग के पांच सदस्यीय बाकी पेज 8 पर

दरअसल

तेंदुए, हाथी से लेकर बिलाव तक आ रहे नजर | **जंगल से आए शरणार्थी** | हालांकि विशेषज्ञों ने कहा, यह स्थिति ठीक नहीं

इंसान घरों में और सड़कों पर घूम रहे जानवर

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना वायरस प्रकोप पर लगाम लगाने के मद्देनजर देश भर में प्रभावी लॉकडाउन के चलते नगर वासियों को प्रदूषण से राहत मिली है। एक तरफ जहां हवा साफ है, सड़कों पर शोरगुल शांत है, चिड़ियों की चहचहाहट फिर से सुनाई दे रही है वहीं तेंदुए, हाथी से लेकर हिरण तक और यहां तक कि बिलाव जैसे जंगली जानवरों के भी शहरी भारत के कई हिस्सों में नजर आने की खबरें भी सामने आ रही हैं।

कोविड-19 वैश्विक महामारी के चलते जहां इंसान घरों के भीतर रहने को मजबूर हैं वहीं पक्षी और जानवर उन इलाकों में फिर से नजर आने लगे हैं जो कभी उनके ही हुआ करते थे। यह सोचना सुखद है कि प्रकृति अपने घाव भर रही है- खासकर 24 मार्च से प्रभावी हुए अभूतपूर्व बंद के बाद से। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यह सब अच्छी खबर नहीं है क्योंकि शहरी केंद्रों में जंगली जानवरों का नजर आना जारी है। इसी हफ्ते की शुरुआत में चंडीगढ़ की सड़कों पर एक तेंदुआ घूमता नजर आया था।

देशबंदी के बाद से नोएडा के टीजीआइपी मॉल के पास एक नीलगाय को सड़क पार करते देखा गया, हरिद्वार में सांभर हिरण को सैर करते, गुड़गांव के निवासियों ने गलेरिया मार्केट में मोरों को पकड़ा और केरल के कोझिकोड में बिलाव दिखने और वायनाड में हाथी देखे जाने की खबरें सामने आई हैं।

लॉकडाउन के बाद से नोएडा के टीजीआईपी मॉल के पास एक नीलगाय को सड़क पार करते देखा गया, हरिद्वार में सांभर हिरण को सैर करते, गुड़गांव के निवासियों ने गलेरिया मार्केट में मोरों को पकड़ा और केरल के कोझिकोड में बिलाव दिखने और वायनाड में हाथी देखे जाने की खबरें सामने आई हैं।

पर्यावरणविद् वंदना शिवा ने इसकी तुलना प्रवासी मजदूरों के शहरों से गांवों की तरफ पलायन से करते हुए कहा, 'जंगल से शरणार्थी' शहरों की तरफ आ रहे हैं क्योंकि 'हमने उनके घरों में घुसपैठ की है।' शिवा ने कहा, 'हमने अन्य जीवों से उनके घर व भोजन छीन लिए हैं। वन्यजीव जिनका घर जंगल हैं, उनका शहरी इलाकों में आना अच्छा संकेत नहीं है। अब विस्थापित जानवर, जंगलों से शरणार्थी शहरों में आने का साहस जुटा रहे हैं जब सड़कों से गाड़ियां और इंसान नदारद हैं।' उन्होंने कहा, 'श्रमिकों की तरह, जो गांव से शहर आए और अब दोबारा गांव जा रहे हैं उसी तरह जानवर भी शहरी इलाकों बाकी पेज 8 पर

www.readwhere.com

कोरोना संकट के दौरान 'जनहित याचिका की दुकानें' बंद की जाएं : केंद्र

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (भाषा)।

केंद्र ने कोरोना वायरस महामारी के कारण 21 दिन के लॉकडाउन के मद्देनजर बेरोजगार हुए श्रमिकों के पारिश्रमिक के भुगतान के लिए सामाजिक कार्यकर्ताओं की जनहित याचिकाओं का शुक्रवार को जोरदार विरोध किया और कहा कि इस अप्रत्याशित आपदा से देश के उबरने तक इस तरह की 'पेशेवर पीआइएल की दुकानें' बंद की जानी चाहिए।

सरकार ने कहा, 'वातानुकूलित कार्यालय में बैठकर वस्तुस्थिति के बारे में पुख्ता जानकारी के बगैर ही जनहित याचिकाएं तैयार करना 'जनसेवा' नहीं है जो इनमें से (कार्यकर्ताओं को) किसी को भी मौजूदा वैश्विक संकट के दौर में जनहित में मुकदमे में बहस का अधिकार देती हो।' न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति दीपक गुप्ता के पीठ के समक्ष नागरिक अधिकारों से सरोकार रखने वाले कार्यकर्ता हर्ष मंदर, अंजली भारद्वाज और स्वामी अग्निवेश की याचकाओं पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई के दौरान सरकार ने यह आपत्ति जताई। न्यायालय ने इन याचिकाओं पर सरकार से जवाब मांगा है।

इन जनहित याचिकाओं में 21 दिन के लॉकडाउन की घोषणा के बाद बड़ी संख्या में कामगारों के बेरोजगार होने और शहरों से उनके पलायन से उत्पन्न स्थिति की ओर न्यायालय का ध्यान आकर्षित करते हुए इनके लिए जीने के मौलिक अधिकार को लागू कराने का अनुरोध किया गया है। सालिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार ने कोविड-19 के संक्रमण को यथासंभव न्यूनतम संख्या तक सीमित करने के लिए अभूतपूर्व काम किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस संकट की वजह से नागरिकों को हो रही परेशानियों को कम करने के लिए विभिन्न स्तरों पर समय रहते अनेक कदम उठाए हैं।

मेहता ने इन याचिकाओं का विरोध करते हुए कहा कि देश इस समय एक अनजान और खतरनाक वायरस की अप्रत्याशित चुनौती से जूझ रहा है और उसके सारे अधिकारी अनेक नियंत्रण कक्षों के जरिए दिन रात काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी याचिकाकर्ता ने गरीबों, जरूरतमंदों या फिर इस वायरस से संक्रमित लोगों की सेवा करने की परवाह नहीं की है, इसलिए इन्हें कभी भी जनभावना से सरोकार रखने वाले नागरिक नहीं माना जा सकता।

केंद्र ने किया न्यायालय से आग्रह

नागरिक अधिकारों से सरोकार रखने वाले कार्यकर्ता हर्ष मंदर, अंजली भारद्वाज और स्वामी अग्निवेश की याचकाओं पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई के दौरान सरकार ने यह आपत्ति जताई। न्यायालय ने इन याचिकाओं पर सरकार से जवाब मांगा है।

मेहता ने कहा कि जब तक देश और दुनिया इस अप्रत्याशित आपदा से उबर नहीं जाती, इस तरह की पेशेवर पीआइएल दुकानों पर ताला लगा देना चाहिए क्योंकि इनमें किसी का भी गरीबों और कोरोना वायरस से जूझ रहे हजारों जरूरतमंद मरीजों से कोई लेना देना नहीं है।

सालिसीटर जनरल ने कहा कि सही मायने में काम करने वाले गैर सरकारी संगठन और जनभावना रखने वाले नागरिक सरकारी अधिकारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर निचले स्तर पर काम कर रहे हैं और वे मरीजों और चिकित्सकों की अपनी अपनी तरह से मदद कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस जानलेवा वायरस से सरकार की जंग के बीच में इस तरह की जनहित याचिकाएं दायर करना समूचे देश के लिए घातक साबित हो सकता है। मेहता ने कहा कि कई राज्यों के महाधिवक्ताओं ने उनसे संपर्क करके अपनी समस्या साझा की है कि इस वायरस की चुनौतियों से लड़ने में व्यस्त सरकारी अधिकारियों का कीमती वक्त वकीलों के चैंबरों से दायर होने वाली निरर्थक याचिकाओं के जवाब तैयार करने में बर्बाद हो रहा है।

सालिसीटर जनरल ने कहा कि अधिकारियों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने दिया जाए। उन्होंने उम्मीद जताई की देश में सारी संवैधानिक अदालतें मौजूदा अप्रत्याशित परिस्थितियों में ऐसी याचिकाओं पर विचार करते समय चौकन्ना रहेंगी ताकि इस महामारी से निबटने के लिए युद्ध स्तर पर किए जा रहे केंद्र और राज्य सरकारों के कामों में किसी प्रकार की बाधा नहीं आए।

डब्लूएचओ, आइएमएफ ने कहा, आजीविका बचाने के लिए जीवन बचाना जरूरी

जिनेवा, 3 अप्रैल (एएफपी)।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आइएमएफ) ने शुक्रवार को कहा कि कोरोना वायरस महामारी के बीच आजीविका बचाने के लिए जरूरी है कि पहले मानव जीवन को बचाया जाए।

डब्लूएचओ के महानिदेशक टेड्रॉस एडहनोम गेब्रेयेसुस और आइएमएफ की प्रमुख क्रिस्टालीना जॉर्जिवा ने कहा कि आर्थिक गतिविधियों को फिर शुरू करने के लिए पहले कोविड-19 संक्रमण पर काबू पाना जरूरी है। हालांकि, इसके साथ उन्होंने स्वीकार किया कि सही संतुलन बैठाना आसान नहीं होगा। दोनों ने इस महामारी को मानवता के लिए एक घना अंधेरा करार दिया। कोरोना वायरस की वजह से वैश्विक अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी इस समय किसी न किसी तरह के लॉकडाउन की वजह से घर से काम कर रही है। दुनियाभर में इस महामारी से अब तक 50,000 से अधिक लोगों की जान गई है। 10 लाख से अधिक लोग इससे संक्रमित हैं।

ब्रिटेन के समाचार पत्र 'द डेली टेलीग्राफ' में एक संयुक्त लेख में टेड्रॉस और जॉर्जिवा ने लिखा है कि दुनिया कोविड-19 पर काबू पाने के लिए कदम उठा रही है। विभिन्न देशों ने इस वायरस को और फैलने से रोकने के लिए अपने समाज व अर्थव्यवस्था को 'रोक' दिया है। उन्होंने कहा, यह कहना सही नहीं होगा कि या तो जीवन बचाओ या आजीविका। पहली चीज वायरस पर काबू जरूरी है। आजीविका बचाने के लिए यह सबसे पहली जरूरत है।

घर बैठे लक्षणों की जांच करने के लिए महाराष्ट्र की ऑनलाइन पहल

मुंबई, 3 अप्रैल (भाषा)।

राज्य में कोविड-19 के 400 से अधिक मामले सामने आने के बाद महाराष्ट्र सरकार ने वायरस के खिलाफ लड़ाई तेज करते हुए एक ऐसी ऑनलाइन पहल शुरू की है, जिससे लोग घर बैठे स्वयं कोरोना के लक्षणों के आधार पर जांच कर सकते हैं। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार सरकार ने एक डिजिटल मंच तैयार किया है, जिसमें लोग घर बैठे ही अपने लक्षणों की जांच कर सकते हैं और किसी भी तरह की आशंका होने पर अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं।

राज्य सरकार ने अपोलो के साथ मिलकर एक ऑनलाइन पहल शुरू की है। विज्ञप्ति में कहा कि त्वरित चिकित्सा परामर्श और अन्य संबंधित संपर्कों की जानकारी भी लिंक पर उपलब्ध है।

तबलीगी जमात के 11 सदस्य पृथकता नियम तोड़कर मस्जिद से भागे

पुणे, 3 अप्रैल (भाषा)।

महाराष्ट्र के पुणे जिले की शिरूर तहसील में पृथकता की मुहर लगे तबलीगी जमात के 11 सदस्य एक मस्जिद से कथित रूप से भाग गए हैं। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार उनमें से किसी ने भी पिछले महीने दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में तबलीगी जमात द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शिरकत नहीं की थी, जो कि देश में कोरोना वायरस के प्रसार का प्रमुख स्रोत बनकर उभरा है। पुलिस ने कहा कि वह 22 फरवरी से पुणे जिले में थे।

पुणे (ग्रामीण) के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'वे मूलरूप से राजस्थान, मध्य प्रदेश और हरियाणा के रहने वाले हैं। उन 11 में से किसी ने भी निजामुद्दीन में हुए कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लिया था, लेकिन उन्हें एक अप्रैल को एहतियातन पृथक रहने के लिए मुहर लगाई गई थी।' उन्होंने कहा, 'वे 22 फरवरी को पुणे आए थे। छह मार्च तक वे शहर के नाना पेठ इलाके में थे और उसके बाद शिरूर में एक मस्जिद में चले गए थे।' अधिकारी ने कहा कि दिल्ली की घटना के बाद हमने उन 11 लोगों को मुहर लगाकर मस्जिद में पृथक रहने के लिए कहा था। उन्होंने कहा, 'जिस दिन उन्हें मुहर लगाई गई उसी दिन वे सभी किसी तरह एक वाहन में बैठकर फरार हो गए। आज जब हमारे लोग जांच के लिए गए तो वे नहीं मिले।' अधिकारी ने कहा उनके खिलाफ पृथकता नियम तोड़ने के लिए मामला दर्ज कर लिया गया है और तलाश शुरू कर दी गई है।

आजीविका

मुंबई में शुक्रवार को देशबंदी के दौरान मछली पकड़ते मछुआरे।

The Indian EXPRESS Classifieds
FROM ANYTHING TO EVERYTHING.

CLASSIFIED AD DEPOT (CAD)

Book classified ads at your nearest Express Group's authorised Classified Ad Depots

EAST

PATPARGANJ : CHAVI ADVERTISERS, Ph.: 9899701024, 22090987, 22235837, **PREET VIHAR :** AD BRIDGE COMMUNICATION, Ph.: 9810029747, 42421234, 22017210, **SHAKARPUR :** PARICHAY ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9350309890, 22519890, 22549890

WEST

JANAKPURI : TRIMURTI ADVERTISERS, Ph.: 9810234206, 25530307, **KAROL BAGH (REGHARPURA) :** K R ADVERTISERS, Ph.: 9810316618, 9310316618, 41547697, **KARAMPURA :** GMJ ADVERTISING & MARKETING PVT. LTD., Ph.: 9310333777, 9211333777, 9810883377, **NEW MOTI NAGAR :** MITTAL ADVERTISING, Ph.: 25178183, 9810538183, 9555945923, **MOTI NAGAR :** UMA ADVERTISERS, Ph.: 9312272149, 8800276797, **RAMESH NAGAR :** POSITIVE ADS, Ph.: 9891195327, 9310006777, 65418908, **TILAK NAGAR :** SHIVA ADVERTISERS, Ph.: 9891461543, 25980670, 20518836, **VIKAS PURI :** AAKAR ADVT. MEDIA Ph.: 9810401352, 9015907873, 9268796133

CENTRAL

CHANDNI CHOWK : RAMNIWAS ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9810145272, 23912577, 23928577, **CONNAUGHT PLACE :** HARI OM ADVERTISING COMPANY Ph.: 9811555181, 43751196

NORTH

TIS HAZARI COURT : SAI ADVERTISING, Ph.: 9811117748 **KINGWAY CAMP :** SHAGUN ADVERTISING, Ph.: 9818505505, 27458589, **PATEL CHEST (OPP. MORRIS NAGAR POLICE STATION) :** MAHAN ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9350304609, 7042590693, **PITAMPURA (PRASHANT VIHAR) :** PAAVAN ADVERTISER Ph.: 9311564460, 9311288839, 47057929

SOUTH

CHATTARPUR : A & M MEDIA ADVERTISING, Ph.: 9811602901, 65181100, 26301008, **KALKAJI :** ADWIN ADVERTISING, Ph.: 9811111825, 41605556, 26462690, **MALVIYA NAGAR :** POOJA ADVERTISING & MARKETING SERVICE, Ph.: 9891081700, 24331091, 46568866, **YUSUF SARAI :** TANEJA ADVERTISEMENT & MARKETING Ph.: 9810843218, 26561814, 26510090

NCR

FARIDABAD (NEELAM FLYOVER) : AID TIME (INDIA) ADVERTISING, Ph.: 9811195834, 0129-2412798, 2434654, **FARIDABAD (NIT, KALYAN SINGH CHOWK) :** PULSE ADVERTISING, Ph.: 9818078183, 9811502088, 0129-4166498, **FARIDABAD :** SURAJ ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9810680954, 9953526681, **GURGAON :** SAMBODHI MEDIA PVT. LTD., Ph.: 0124-4065447, 9711277174, 9910633399, **GURGAON :** AD MEDIA ADVERTISING & PR, Ph.: 9873804580, **NOIDA (SEC. 29) :** RDX ADVERTISING, Ph.: 9899268321, 0120-4315917, **NOIDA (SEC. 65) :** SRI SAI MEDIA, Ph.: 0120-4216117, **NOIDA (SEC. 58) :** JAI LAKSHMI ADVERTISERS, Ph.: 9873807457, 9911911719 **GHAZIABAD (HAPUR ROAD TIRAHA, NR GURUDWARA) :** TIRUPATI BALAJI ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9818373200, 8130640000, 0120-4561000

EDUCATION (IAS & PMT ACADEMIES)

FRIENDS PUBLICITY SERVICE 23287653, 23276901, 9212008155

For CAD enquiries please contact :
ROHIT JOSHI 9818505947, **ABHINAV GUPTA** 9910035901
For booking classified ads, please contact 011-23702148, 0120-6651215, E-mail : delhi.classifieds@expressindia.com

जनसत्ता क्लासीफाइड

व्यक्तिगत

Public-Notice
Be it known to General Public that my clients Ashok Kumar Soni S/O Gopi Ram Soni & Shyama Verma W/O Ashok Kumar Soni both R/O J-91, Arya Samaj Road, Uttam Nagar New D.-59, Have disowned and debarred their son Vishal Soni and daughter-in-law Ankita Verma from their movable and immovable properties/assets and has severed all links and connection with them. My clients shall not be held liable or responsible for the acts and deed done by their son and his wife in future. **R.K.Mittal (Advocate)** 208 Lawyers Chamber Building Rohini Court Delhi

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि मेसर्स फागू रिजॉर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड ने मेन जीटी रोड पर ग्राम-कुमकपुर, जिला-सोनीपत, हरियाणा के राजस्व क्षेत्र में स्थित वाणिज्यिक जल और मनोरंजन पार्क सीएलयू भूमि क्षेत्र पर निर्मित एरिया परिमाप 39354.5 वर्ग गज और 20238 वर्ग गज मापने वाले ग्रीन बेल्ट भूमि क्षेत्र के अनुसार फर्लिंग में खसरा नं 26//7, 6, 12P, 8, 19P, 18, 17/1, 13, 15/2, 26//16/1, 22/1P, 26//15/1,14,1, का मालिक एवं कब्जेदार होने का दावा किया है। निम्नलिखित मूल दस्तावेज यानी बिक्री विलेख दिनांक 16.11.1991, दस्तावेज नं. 1026 बिक्री विलेख दिनांक 25.05.1990, बिक्री विलेख दिनांक 12.10.1998, बिक्री विलेख दिनांक 22.05.1990, बिक्री विलेख दिनांक 14.12.1993, दत्तावेज नं. 4049 बिक्री विलेख दिनांक 26.07.1996, दस्तावेज नं. 1977 आग की घटना के कारण जल गया था, एक एफआईआर /एनसीआर नं 13239061072000048, दिनांक-24.03.2020 को किया गया है और अब मेसर्स फागू रिजॉर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड ने वित्तीय सहायता के लिए एक्सिस बैंक लिमिटेड के पास सम्पर्क किया है जिसके लिए उन्हें कथित सम्पत्ति को कथित बैंक के पास गिरवी रखना होगा। उक्त सम्पत्ति या उसके किसी भी भाग के संबंध में किसी भी व्यक्ति का कोई दावा होने पर, उस सूचना के दिनांक से 15 दिनों के भीतर नीचे दिए गए उल्लेखित पते पर दस्तावेजी साक्ष्य के साथ अधोहस्ताक्षरी को लिखित रूप में सूचित करने का अनुरोध किया जाता है, ऐसा न करने पर, ऐसे व्यक्तियों के दावे को मुक्त या परित्यक्त माना जाएगा और हमारा मुवक्किल उक्त संपत्ति पर ऋण के संवितरण और उसके संबंध में इसे बंधक रखने की प्रक्रिया करेगा।
Sunil Parsad (Advocate)
For Juris NextGen Law Offices
E-56, Greater Kailash Enclave Part-1
New Delhi-110048

"IMPORTANT"
Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

मेघालय भाजपा प्रमुख की मुख्यमंत्री से अपील, खोली जाएं शराब की दुकानें

शिलांग, 3 अप्रैल (भाषा)।

भाजपा की मेघालय इकाई के अध्यक्ष एर्नेस्ट मावरी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कॉनरेड के संगमा को पत्र लिखकर उनसे शराब की दुकानें खोले जाने की अनुमति देने की मांग की और कहा कि मद्यपान राज्य में 'जीने का एक तरीका' है। खासी हिल्स वाइन डीलर्स एवं वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव मावरी ने कहा कि शराब के दुकानदार अपनी दुकानें खोलने के भारी जनदबाव से जूझ रहे हैं और उनके पास ढेरों कॉल आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 25 मार्च को अकस्मात शराब की दुकानें बंद होने से लोगों की ओर से अपने हिस्से की शराब की मांग बढ़ गई है।

मावरी ने कहा कि यह तथ्य है कि मेघालय के ज्यादातर लोगों के लिए संयम के साथ मद्यपान जीवन शैली रही है। मावरी ने मुख्यमंत्री से शराब की दुकानों को अन्य जरूरी सामानों के साथ निर्धारित दिनों में खोले जाने की अनुमति देने की अपील की। राज्य सरकार ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की शिकायत पर शराब को घर तक पहुंचाने (होम डिलीवरी) की अनुमति गुरुवार रात को रद्द कर दी थी।

भुवनेश्वर और भद्रक 48 घंटे के लिए पूरी तरह से बंद

भुवनेश्वर, 3 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई तेज करते हुए ओड़ीशा सरकार ने शुक्रवार रात आठ बजे से अगले 48 घंटे तक भुवनेश्वर और भद्रक को पूरी तरह से बंद रखने की घोषणा की है। यह कर्फ्यू जैसी स्थिति होगी।

राज्य के शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी।

हालांकि, राज्य के अन्य हिस्सों में लागू लॉकडाउन जारी रहेगा, जिस दौरान लोगों के लिये किराने की दुकानें खुली रहेंगी और सब्जियां और दूध भी उपलब्ध रहेगा।

इस बीच, ओड़ीशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने मकान मालिकों से अपील की है कि वे गरीबों के प्रति करूणा दिखाएं और कम से कम तीन महीने तक मकान किराया टाल दें।

उन्होंने कहा कि इस सहृदयता से यह प्रदर्शित होगा कि ओड़ीशा के लोग ऐसे समय में एक दूसरे का ध्यान रखते हैं जब समूचे देश में लॉकडाउन है।

मुख्य सचिव ए के त्रिपाठी ने 48 घंटे के बंद के बारे में कहा कि आवश्यक वस्तुओं की दुकानें भी भुवनेश्वर और भद्रक में इस दौरान नहीं खुलेंगी।

केवल दवा की कुछ दुकानें ही खुली रहेंगी और कौन सी दवा दुकान खुली रहेंगी, इस बारे में स्थानीय प्रशासन फैसला लेगा।

ओड़ीशा में कोरोना विषाणु संक्रमण के अभी पांच मामले सामने आए हैं, जिनमें से चार भुवनेश्वर और एक भद्रक का है।

मुख्य सचिव ने कहा कि भुवनेश्वर और भद्रक जिला मुख्यालय शहरों में शुक्रवार रात आठ बजे से रविवार रात आठ बजे तक पूरी तरह से बंद रहेगा। उन्होंने कहा कि सामुदायिक स्तर पर संक्रमण रोकने के लिये यह कदम उठाने की जरूरत है।

लॉकडाउन के लिए जारी सभी पास भी भुवनेश्वर और भद्रक में संपूर्ण बंद के दौरान अमान्य रहेंगे।

अमदाबाद में कोरोना के 36 मरीजों की पहचान सार्वजनिक की गई

अमदाबाद, 3 अप्रैल (भाषा)।

अमदाबाद नगर निगम ने कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों का तेजी से पता लगाने के क्रम में शहर के सभी 36 कोविड-19 मरीजों के नाम-पता सार्वजनिक कर दिया है।

अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि कोविड-19 के तेजी से प्रसार के दृष्टिकोण से केंद्र द्वारा चिह्नित 10 'हॉट स्पॉट' में अमदाबाद भी है। अधिकारियों ने बताया कि निगम ने 29 मरीजों का नाम-पता मंगलवार को जबकि अन्य सात की पहचान शुक्रवार को सार्वजनिक की।

अमदाबाद जिले में अभी तक 38 लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है जिनमें से 36 अमदाबाद शहर के हैं। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि मरीजों का नाम सार्वजनिक करने से उनके संपर्क में आए और उससे संभवतः संक्रमित हुए लोगों का पता लगाने में मदद मिलेगी। निगम के स्वास्थ्य अधिकारी भाविन सोलंकी ने बताया, 'इससे लोगों का पता लगाने और उनकी जांच करने की प्रक्रिया में तेजी आएगी। इससे हमें संक्रमित व्यक्ति का तेजी से पता लगाने और ऐसे लोगों द्वारा संक्रमण फैलने से रोकने में मदद मिलेगी।'

दीये जलाए जाने संबंधी अपील का बॉलीवुड हस्तियों ने किया समर्थन

मुंबई, 3 अप्रैल (भाषा)।

बॉलीवुड की कई हस्तियों ने कोरोना विषाणु को पराजित करने की देश की 'सामूहिक शक्ति' को प्रदर्शित करने के लिए देशवासियों से पांच अप्रैल को रात नौ बजे अपने घरों की बालकनी में दीया जलाने संबंधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील का शुक्रवार को समर्थन किया और लोगों से पूरे दिल से एक इकाई के रूप में इस कार्य को करने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री ने शुक्रवार की सुबह लगभग 11 मिनट के अपने एक वीडियो संदेश में कोरोना विषाणु को पराजित करने की देश की 'सामूहिक शक्ति' को प्रदर्शित करने के लिए पांच अप्रैल को रात नौ बजे नौ मिनट के लिए अपने घरों की बालकनी में खड़े रहकर मोमबत्ती, दीया, टॉर्च या मोबाइल की फ्लैशलाइट जलाए जाने का अनुरोध किया है।

अर्जुन कपूर, भूमि पेडनेकर और हेमा मालिनी जैसी बॉलीवुड की हस्तियों ने अपने प्रशंसकों से इस पहल का समर्थन करने के लिए कहा है।

अर्जुन ने ट्वीट किया, 'माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना विषाणु के खिलाफ लड़ाई में एकजुटता दिखाने के लिए हमसे पांच अप्रैल की रात नौ बजे नौ मिनट के लिए घर की सभी लाइटें बंद करके मोमबत्तियां या दीए जलाने या मोबाइल की फ्लैशलाइट चालू करने का आग्रह किया है।' भूमि ने लिखा, 'आइए पांच अप्रैल को रात नौ बजे नौ मिनट के लिए एक बार फिर से सभी एकजुट हों। मथुरा से सांसद हेमा मालिनी ने सभी से सामूहिक रूप से दीया जलाने की अपील की। उन्होंने पोस्ट किया, 'आइए हम तक कोरोना विषाणु के खिलाफ इस लंबे और कठिन युद्ध में अपने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ होने की शपथ लें।'

मिस वर्ल्ड 2017 मानुषी छिल्लर ने कहा, 'फिर से एकजुट होने का समय। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महामारी के खिलाफ लड़ाई में एकजुटता दिखाने के लिए पांच अप्रैल की रात नौ बजे नौ मिनट के लिए घर की सभी बत्तियों को बंद करके घरों की बालकनी में खड़े रहकर मोमबत्ती, दीया, टॉर्च या मोबाइल की फ्लैशलाइट जलाएं जाने की अपील की है।'

कोरोना : मलेरिया रोधी दवा के प्रयोग से दिल के दौरे का खतरा

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (भाषा)।

अमेरिका के हृदय रोग विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि कुछ लोग कोविड-19 के इलाज के लिए मलेरिया रोधी दवा हाइड्रोक्सीक्लोरोकिन और एंटीबायोटिक एजिथ्रोमिसिन के इस्तेमाल का जो सुझाव दे रहे हैं उससे दिल की धड़कनों के आसामान्य रूप से खतरनाक स्तर तक पहुंचने का खतरा बढ़ सकता है।

ओरेगोन स्वास्थ्य व विज्ञान विश्वविद्यालय (ओएचएसयू) और इंडियाना विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने सुझाव दिया कि मलेरिया-एंटीबायोटिक दवाओं के संयोजन से कोविड-19 के मरीजों का इलाज कर रहे डॉक्टरों को दिल के निचले भाग में पैदा होने वाली असामान्य धड़कनों के लिए उन मरीजों पर नजर रखनी चाहिए।

उन्होंने बताया कि इस अवस्था से दिल का निचला हिस्सा तेजी और अनयिमित रूप से धड़कता है व इससे दिल का दौरा पड़ सकता है। अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी की कॉर्डियोलॉजी पत्रिका में प्रकाशित शोधपत्र में अनुसंधानकर्ताओं ने सैकड़ों दवाओं का जिक्र किया है जिससे दिल का दौरा पड़ने का खतरा बढ़ सकता है।

साथ ही उन्होंने कहा कि दोनों दवाओं का एक साथ ऐसे मरीजों के इलाज में इस्तेमाल करना जो पहले से ही खतरे में हैं या उनकी हालत खराब हैं, इससे उनमें खतरा और बढ़ सकता है।

www.readwhere.com

मौसम

तापमान **नई दिल्ली**

अधिकतम–31.6 डि.से. सूर्योदय– 6:09

न्यूनतम– 15.6 डि.से. सूर्यास्त– 18:40

'मरीजों को पृथक करने की सुविधा दी तो मिलेगी जीएसटी से राहत'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 अप्रैल।

कोरोना विषाणु संक्रमण के मरीजों के पृथक करने की सुविधा देने वाले होटलों को सरकार जीएसटी में राहत देगी। शुक्रवार को दिल्ली सरकार के व्यापार एवं कर विभाग ने दिशा निर्देश जारी किए हैं। दिल्ली में बढ़ रहे मामलों के बाद यह एतियात के तौर पर बड़ा कदम है। इस पहस से सरकारी एजंसियों के पास मरीजों के लिए क्वांटाइन के लिए अधिक जगह उपलब्ध होगी।

दिल्ली सरकार ने आपदा प्रबंधन नियम 2020 के तहत ये आदेश जारी किए हैं। आदेशों में कहा गया है कि अगर कोई व्यक्ति किसी भी कोरोना संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आता है तो वह खुद को 14 दिन के लिए क्वारंटाइन रखे। इस सुविधा के लिए जिन होटलों को चिन्हित किया है उन जगहों को इस सुविधा का लाभ होगा। ऐसे होटल मालिकों के लिए दिल्ली सरकार ने दिशा निर्देश जारी किए हैं।

होटल प्रति कमरें के हिसाब से शुल्क लेगा। इसके अतिरिक्त अन्य सेवाएं आपदा प्रबंधन विभाग के हिसाब से देगा। इन नियमों का सख्ती से पालन करेगा। इन प्रावधान का पालन होने के बाद सभी भुगतान 60 दिन में होटल को दिए जाएंगे।

एम्स के एक विभागाध्यक्ष समेत पांच अन्य डॉक्टरों में कोरोना के लक्षण

महिला डॉक्टर में कोरोना की पुष्टि, अस्पताल में कराया प्रसव

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 अप्रैल।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में कोरोना विषाणु से संक्रमित डॉक्टर की पत्नी में भी संक्रमण की पुष्टि हो गई है। यह महिला खुद डॉक्टर हैं और एम्स के ही एक विभाग में तैनात हैं। वह गर्भवती थीं। उनमें कोरोना की पुष्टि होने के बाद शुक्रवार शाम को आनन-फानन में उनकी सर्जरी कर डिलीवरी कराई गई। मां और बच्चा सामान्य बताए जा रहे हैं। वहीं, एम्स में ही एक विभागाध्यक्ष सहित पांच अन्य डॉक्टरों में भी विषाणु के लक्षण पाए गए हैं। सभी को पृथक रखा गया है और इलाज चल रहा है।

एम्स में कोरोना विषाणु संक्रमण की चपेट में आईं एक महिला डॉक्टर ने की पत्नी सहित छह और डॉक्टरों को भर्ती किया गया है। इनमें से डॉक्टर की पत्नी में कोरोना विषाणु की पुष्टि हो गई है। उनको नौ महीने का गर्भ था जिसकी आज ही डिलीवरी कराई गई। अस्पताल के मुताबिक, बच्चे में अभी तक कोरोना के कोई लक्षण नही दिखाई पड़े हैं। हालांकि उसकी भी जांच कराई जाएगी। इसके अलावा पांच और डॉक्टरों में कोरोना के लक्षण दिखाई दिए हैं जिसके बाद उन सभी को एम्स के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कराया गया है।

स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के रैन बसेरे में मरीज से बात करते डॉक्टर।

एम्स में जिस सीनियर रेजीडेंट को कल कोरोना संक्रमित पाया गया था उनकी पत्नी और भाई को भी इसके संक्रमण की पुष्टि हुई है। एम्स के चिकित्सकों का कहना है कि बच्चे में कुछ और भी दिक्कत थी। जिस वजह से ऑपरेशन करना पड़ा। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ डीके शर्मा ने कहा कि बच्चे में लक्षण तो नही दिखाई दिए हैं लेकिन फिर भी इसकी जांच कराई जाएगी। इसके अलावा पांच और रेजीडेंट डॉक्टरों में कोरोना के लक्षण दिखाई देने के बाद सभी को एम्स के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि यह सभी लोग पहले दिन संक्रमित पाए गए डॉक्टर के संपर्क में आए थे।

कैंसर संस्थान के दो नर्सिंग अधिकारी संक्रमित

जीबी पंत और लोकनायक अस्पताल की ओपीडी बंद

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 अप्रैल।

दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान के दो नर्सिंग अधिकारी भी कोरोना विषाणु से संक्रमित पाए गए और इसके साथ ही दिल्ली में स्वास्थ्य क्षेत्र के लोगों में संक्रमण के मामले बढ़कर नौ हो गए। इस बीच दिल्ली सरकार ने दिल्ली के सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल जीबी पंत और लोकनायक अस्पताल के बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) को बंद कर दिया है। इन दोनों अस्पतालों में इमरजंसी सेवाएं जारी रहेगी। फेरडेशन ऑफ रेजींडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने मांग की है कि दिल्ली में जितने भी अस्पतालों में कोरोना मरीजों के इलाज का केंद्र बनाया गया है उन सभी की ओपीडी बंद कर देनी चाहिए।

दिल्ली में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए दिल्ली सरकार के दो सबसे बड़े अस्पतालों की ओपीडी सेवाएं अगले आदेश तक के लिए बंद कर दी गई है। जिनमें जीबी पंत दिल्ली सरकार का सही से चल रहा एक मात्र सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल है। इसमें रेफर होकर ही रोजाना हजार मरीज आते है। न्यूरो साइंस मस्तिष्क रोग संबंधी इलाज के लिए यह बड़ा सेंटर है। इसके अलावा हार्ट व गैस्ट्रोलाजी संबंधी मामले भी इसी में देखे जाते हैं।

एलएनजेपी अस्पताल के चिकत्सा अधीक्षक डॉ जेसी पासी ने एक जारी आदेश में कहा है कि दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री के साथ हुई बैठक में तय कया गया है कि दोनों अस्पतालों की इमरजंसी सेवाएं चलती रहेगी। जिसमें एलएनजेपी में भूतल पर इमरजंसी वार्डर चलता रहेगा। एलएनजेपी अस्पताल के महिला व प्रसूति विभाग में भी मरीजों का इलाज जारी रहेगा। हालांकि यह पुरानी इमारत में जहां पहले महिला रोग विभाग था वहां होगा।

इसी तरह जीबी पंत के लिए कहा गया है कि यहां न्यू व हार्ट की इमरजंसी चलती रहेगी। जीबी पंत अस्पताल में जो मरीज एनएनजेपी से भेजे जाएंगे उनका भी इलाज किया जाएगा। लेकिन वह भी इमरजेंसी में ही। इन दोनों अस्पातालों के मिला कर अनुमानतः कुल करीब दस हजार लोग अपोडी में आते हैं लंबे इंतजार के बाद मरीज अपना इलाज करा पाते है। यहा आपरेशन की प्रतीक्षा सूची भी काफी बड़ी है। इसे देखते हुए पंत अस्पताल के फैकेल्टी एसोसिएशन में इसकी ओपीडी बंद किए जाने को लेकर विरोध भी है लेकिन इस पर अभी तक कोई खुल कर कुछ बोल नहीं रहा है। जबकि जनकपुरी सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल अभी तक पुरी तरह से चालू ही नहीं किया जा सका है।

बचाव देशबंदी के इस दौर में अपनों का खयाल रख रही हैं महिलाएं। दिल्ली के एक रैन बसेरे में एक मां अपने बच्चे को मास्क पहनाते हुए।

डॉ हर्षवर्धन ने किया दिल्ली के अस्पतालों का दौरा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 अप्रैल।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने शुक्रवार को दिल्ली के राममनोहर लोहिया व सफदरजंग अस्पतालों का दौरा किया। उन्होंने स्थिति का जायजा लेने के साथ ही कहा कि गनीमत है कि भारत में अभी यूरोप जैसे हालात नहीं हैं। उन्होंने डॉक्टरों व कर्मचारियों की तारीफ करते हुए कहा कि उन पर देश को गर्व है। उनका हौसला बढ़ाए रखने की बात भी कही। साथ ही तय किया गया कि सभी डॉक्टरों व कर्मचारियों में से एक तिहाई को ही एक समय में ड्यूटी पर लगाया जाए बाकी घर पर रहें। जब जरूरत हो तो उन्हें ड्यूटी पर बुलाया जाए। ताकि सभी को एक साथ संक्रमण का खतरा न होने पाए।

जम्मू-कश्मीर के निलंबित पुलिस अधिकारी दविंदर सिंह की पुलिस हिरासत बढ़ी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 अप्रैल।

दिल्ली की एक अदालत ने जम्मू कश्मीर के निलंबित पुलिस अधिकारी दविंदर सिंह को शुक्रवार को 10 अप्रैल तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया। इस साल के शुरू में हिज्बुल मुजाहिदीन के आतंकवादियों को एक वाहन में ले जाने के दौरान सिंह को श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग पर गिरफ्तार किया गया था।

दिल्ली पुलिस ने अदालत में दलील दी कि सिंह का तीन अन्य आरोपियों जावेद इकबाल, सैयद नवीद मुश्ताक एवं इमरान शफी मीर के साथ फिर आमना-सामना कराने की जरूरत है। जिसके बाद विशेष न्यायाधीश मनीष मरकान ने उसकी हिरासत की अवधि बढ़ा दी। इन तीन अन्य आरोपियों की संबद्ध भूमिकाओं का खुलासा होने के बाद उन्हें

इस साल के शुरू में हिज्बुल मुजाहिद्दीन के आतंकवादियों को एक वाहन में ले जाने के दौरान सिंह को गिरफ्तार किया गया था

गिरफ्तार किया गया था। पुलिस की एक अर्जी पर अदालत ने इकबाल, मुश्ताक और मीर की हिरासत भी 10 अप्रैल तक के लिए बढ़ा दी। पुलिस ने अदालत से कहा- हिरासत की अवधि बढ़ाने की जरूरत है ताकि अन्य लोगों की शिनाख्त की जा सके।

विधायक रखें राशन और भोजन वितरण पर निगरानी : मुख्यमंत्री

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 अप्रैल।

राशन और भोजन के वितरण की निगरानी का जिम्मा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के विधायकों को सौंपा है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने सभी विधायकों से वीडियो कान्फ्रेंस के जरिए विधाययकों से सरकारी योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि विधायक सुनिश्चित करें कि दिल्ली सरकार की सभी राशन की दुकानों पर लोगों को राशन मिले। इसके अतिरिक्त दिल्ली सरकार के रैन बसरों और स्कूलों में खाना पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि अपने क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे। अगर किसी को खाने की जरूरत हो तो विधायक ऐसे लोगों को भोजन वितरण केंद्र तक पहुंचाएं या उनके घर राशन का इंतजाम कराएं।

जानबूझकर राशन पहुंचाने में देरी पर दर्ज होगी प्राथमिकी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 अप्रैल।

राशन की दुकानों पर जानबूझकर राशन पहुंचाने वालों के खिलाफ दिल्ली सरकार प्राथमिकी दर्ज कराएगी। दिल्ली सरकार के खाद्य आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन ने राशन कर्मचारियों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने शुक्रवार के विभाग के कामकाज की समीक्षा की और अब तक राशन वितरण के लेकर रिपोर्ट ली। बैठक में खाद्य आपूर्ति विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे। मंत्री ने आदेश दिए हैं कि अप्रैल माह का राशन सभी लोगों को वक्त पर उपलब्ध होना चाहिए। इसके लिए सभी गोदाम से समय पर राशन भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह आम जनता की सेवा करने का मौका है।

दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी, पीएनजी की कीमतें सात फीसद तक घटीं

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (भाषा)।

वाहनों में इस्तेमाल होने वाली सीएनजी और पाइप के जरिए घरों की रसोई तक पहुंचने वाली गैस (पीएनजी) के दाम में शुक्रवार को सात फीसद तक की कटौती की गई। प्राकृतिक गैस के दाम घटने के बाद सीएनजी और पीएनजी कीमतों में यह कटौती की गई है।

राष्ट्रीय राजधानी और इसके आसपास के इलाकों में सीएनजी की खुदरा बिक्री करने वाली कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने कहा है कि दिल्ली में सीएनजी का दाम 3.20 रुपए घटाकर 42 रुपए किलो कर दिया गया है। इसके साथ ही दिल्ली से लगते नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में इसके दाम में 3.60 रुपए की कटौती की गई है। इन इलाकों में सीएनजी का दाम 47.75 रुपए किलो रह जाएगा। इससे पहले यह दाम 51.35 रुपए प्रति पर था। ताजा कटौती सात फीसद की है।

इंद्रप्रस्थ गैस ने घोषणा की कि दिल्ली में घरेलू पाइप गैस (पीएनजी) का दाम 1.55 रुपए घटकर 28.55 रुपए प्रति घनमीटर रह गया है। इसी प्रकार नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में रसोई की पाइप वाली गैस का दाम 1.65 रुपए घटकर 28.45 रुपए प्रति घनमीटर रह गया है। पिछले छह माह के दौरान सीएनजी के दाम में यह दूसरी कटौती की गई है। इससे पहले अक्तूबर 2019 में सीएनजी के दाम में दिल्ली में 1.90 रुपए और नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में 2.15 रुपए किलो की कटौती की गई थी।

अक्तूबर, 2019 में ही दिल्ली में पीएनजी के दाम में 90 पैसे प्रति घनमीटर और उत्तर प्रदेश के साथ लगते शहरों में 40 पैसे प्रति घनमीटर तक की कटौती की गई थी।

अब केंद्रों पर खाना ज्यादा है और खाने वाले कम : अरविंद केजरीवाल

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 अप्रैल।

पूर्णबंदी के बाद दिल्ली में लोगों को खाने की सुविधा दे रही दिल्ली सरकार ने दावा किया है कि अब सरकारी खाने के केंद्रों पर जरूरत से अधिक खाना उपलब्ध है। शुक्रवार को डिजिटल कॉन्फ्रेंस के जरिये मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बताया कि सभी केंद्रों पर 10 लाख लोगों के लिए भोजन का इंतजाम है, जबकि गुरुवार को सभी केंद्र पर 6.3 लाख लोगों ने रात का खाना खाया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली में आम जनता के लिए इस समय 1780 केंद्रों पर खाना सुबह-शाम दिया जा रहा है। अब तक की रपट बताती है कि अब खाना ज्यादा है और खाने वालों की संख्या कम है।

71 लाख को दे रहे हैं राशन : मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार 71 लाख लोगों को राशन दे रही है। लोगों को 7.5 किलो राशन मुक्त दे रहे हैं। अब तक 60 फीसद लोगों को राशन मिल भी चुका है। इसी प्रकार वरिष्ठ नागरिकों विधवाओं और विकलांगों को पांच हजार पेंशन के रूप में दे दिए हैं। जिनके पास राशन कार्ड नहीं हैं और और जो गरीब हैं उनको भी राशन देने की योजना है। अगले कुछ दिन में उनको भी राशन देना शुरू कर देंगे। उन्होंने कहा कि ऑटो टैक्सी , सार्वजनिक वाहन व निर्माण क्षेत्र के लोगों को पांच हजार रुपए दे रही हैं।

तो वहीं, दिल्ली के बच्चों से शनिवार को उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सीधी बात करेंगे। इसकी मदद से बच्चों के सवालों के जवाब देने की कोशिश की जाएगी। यह चर्चा दोपहर में तीन बजे होगी। दिल्ली के स्कूलों में 44 लाख बच्चे पढ़ते हैं।

'कम राशन दे रही है दिल्ली सरकार'

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और पांचों उपाध्यक्षों ने उपराज्यपाल और दिल्ली के मुख्यमंत्री को 15 दिन पहले लिखे पत्र को अमल में नहीं लाने का आरोप लगाते हुए दिल्ली सरकार पर गरीब लोगों के बीच ऊंट के मुंह में जीरा के समान सहायता का आरोप लगाया है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष पूर्व विधायक जय किशन ने बयान जारी कर कहा कि राशन कार्ड वालों को जो राशन दिया जा रहा है वो बेहद कम है।

शिकायत बंद के दौरान मिल रहे एक जैसे भोजन से ऊबे लोग

दाल मखनी, पनीर और रोटी की मांग

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 अप्रैल।

बंद के बाद से ही सरकार की ओर से दिए जा रहे खाने में दाल-चावल, राजमा चावल, छोले चावल, खिचड़ी आदि हर दिन लाखों लोगों को खिलाया जा रहा है। लोग लाखों की संख्या में इन केंद्र में खाना भी खा रहे हैं। लेकिन रोजाना एक जैसा खाना मिलने से लोग परेशान हैं। ज्यादातर पैकेट में चावल दिया जा रहा है। सबसे ज्यादा परेशान शुगर के मरीज हैं। अब लोग चाहते है कि उन्हें खाने में रोटी, सब्जी व पूरी भी मिले।

कोरोना संक्रमण के बाद देश में है। बंद की वजह से लोगों सो भूखा ना रहना पड़े, इसलिए दिल्ली सरकार समेत सभी राजनीतिक दल भी ऐसे परिवारों की मदद के लिए आगे आए हैं। जहां दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ सिविस डिफेंस के कर्मचारी भी इस काम का

पुलिसकर्मी जरूरतमंदों को खाना देते हुए।

जिम्मा संभाल रहे हैं । पूर्वी दिल्ली के दुर्गा पुरी चौक व यमुना विहार में खाना वितरण के दौरान यह समस्या सामने आई है। एक 60 वर्षीय बुजुर्ग अवधेश ने बताया दोनों समय यहां आने पर भरपेट भोजन मिल जाता है लेकिन परेशानी यह है कि उन्हें दोनों समय चावल खाने पड़ रहे हैं। बंद के बाद से ही दिल्ली सरकार के सभी केंद्र पर यह व्यवस्था है। सरकार को चाहिए कि कम से कम एक टाइम तो रोटी दें।

इस मामले में जब यमुना विहार में खाना वितरण कर रहे सिविल डिफेंस के कर्मचारियों से बात की गई तो उन्होंने बताया कि यह एक बड़ी परेशानी है। क्षेत्र में बड़ी संख्या में बुजुर्ग आते हैं, इनकी मांग रहती है कि रोटी दी जाए। संबंधित अधिकारियों को भी इस बात की जानकारी दी है। लेकिन जो खाना उन्हें वितरित करने के लिए दिया गया है। वे केवल उसे वितरित कर सकते हैं। हालांकि उन्होंने बताया कि लोगों की तरफ से मटर पनीर, दाल मखनी जैसी मांग आ रही हैं। सभी की मांग पूरा करना संभव नहीं है। इन जगहों पर खाना कम पड़ने जैसी परेशानियां भी सामने आ रही है।

विद्यार्थियों की सहायता के लिए बनाई गई वेबसाइट

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 3 अप्रैल।

कोरोना महामारी की वजह से देश भर में लगाई गई पूर्णबंदी की वजह से छात्रावासों के बंद होने के कारण विद्यार्थियों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद ने एक वेबसाइट का निर्माण किया है जिससे विद्यार्थियों की सहायता की जा सके। इस वेबसाइट का उद्घाटन केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने किया। विद्यार्थियों को पांच अप्रैल को रात नौ बजे नौ मिनट तक दीया, मोमबत्ती, टार्च, मोबाइल लाइट जलाने के लिए कहा गया है।

निशंक ने कहा कि विद्यार्थी को हो रही कठिनाई से हम सभी लोग बेहद दुखी हैं। इसी वजह से इस वेबसाइट के माध्यम से हम बंदी में फंसे विद्यार्थियों को हर प्रकार की

वेबसाइट का उद्घाटन केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने किया

सुविधा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस वेबसाइट के माध्यम से विद्यार्थियों को आवास संबंधी, खाने पीने संबंधी, परीक्षा संबंधी, परिवहन संबंधी, छात्रवृत्ति, आरोग्य संबंधी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस वेबसाइट की मदद के लिए 6500 कॉलेजों ने हाथ बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि हम विद्यार्थियों से आग्रह करेंगे कि वो इस वेबसाइट से जुड़कर अपनी समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द प्राप्त कर सकते हैं।

www.readwhere.com

मौसम

तापमान	नोएडा	गाजियाबाद	गुरुग्राम	फरीदाबाद
अधिकतम	30.1 डि.से.	30.1 डि.से.	30.0 डि.से.	30.5 डि.से.
न्यूनतम	15.4 डि.से.	15.4 डि.से.	15.2 डि.से.	15.4 डि.से.

संक्रमित मरीजों की संख्या 50

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 3 अप्रैल।

गौतम बुद्ध नगर में कोविड-19 का केंद्र बने सीज फायर कंपनी से जुड़े दो और लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। अब तक कुल 50 पुष्ट मरीज सामने आ चुके हैं। वहीं, शुक्रवार को दो मरीजों के स्वस्थ होने पर उन्हें घर भेजा गया है।

शुक्रवार को मिले दोनों संक्रमित पिता-पुत्र सीज फायर कंपनी के ऑडिटर जॉन के संपर्क में आए थे। ये सेक्टर-93बी स्थित लिंकन ग्रांड ओमेक्स सोसायटी में रहते हैं। पुष्टि के बाद सोसायटी को पांच अप्रैल शाम बांच बजे तक के लिए अस्थायी रूप से सील कर दिया गया है। इस दौरान वहां लोगों के प्रवेश और निकास एवं वाहनों के संचालन पर रोक रहेगी। इस दौरान सोसायटी को सैनेटाइज करने का काम किया जा रहा है। हालांकि संभावित होने के बाद ही स्वास्थ्य विभाग ने उन्हें पृथक कर दिया था। अब इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अब तक गौतम बुद्ध नगर में कुल 50 लोग कोविड-19 से संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से आठ सही होकर घर जा चुके और 42 सक्रिय का इलाज चल रहा है। जिले में भर्ती किसी भी संक्रमित मरीज को वेंटीलेटर की जरूरत नहीं पड़ी है।

604 में 243 ने पूरी की पृथक होने की अवधि

जिले में संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने या संदिग्ध लोगों के लिए शासन ने दो स्थानों पर पृथक केंद्र बनाए है। इन दोनों में अब तक 604 लोगों को पृथक रखा गया। इसमें 243 लोग अपनी पृथक रहने की अवधि पूरी कर चुके हैं, जबकि 361 लोगों पर अब भी स्वास्थ्य विभाग की निगरानी में है। ग्रेटर नोएडा स्थित डॉ. आंबेडकर एससी /एसटी हॉस्टल व सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल की नई इमारत पृथक केंद्र के लिए बनाई गई है। इसमें डॉ. आंबेडकर हॉस्टल में अब तक 323 लोगों को पृथक किया गया। इसमें 243 अपनी पृथक की अवधि पूर्ण कर घर जा चुके हैं, जबकि 80 लोग अब भी विभाग की निगरानी में हैं। इसी तरह जिला अस्पताल सेक्टर-39 में कुल 281 लोग पृथक किए गए। इसमें अब तक किसी ने भी अपनी पृथक में रहने की प्रक्रिया को पूर्ण नहीं किया है। 281 पर नजर रखी जा रही है।

रैन बसेरों में टीवी और किताबों की मिलेगी सुविधा

शहर में अलग-अलग स्थानों पर 20 रैन बसेरे (शेल्टर होम) में करीब 100 लोग रह रहे हैं। इन लोगों के लिए यहां टीवी की व्यवस्था कराई जाएगी। साथ ही पढ़ने के लिए किताबें भी दी जाएंगी। ये निर्देश शुक्रवार को इन स्थलों की व्यवस्था देखने पहुंची नोएडा की मुख्य कार्यपालक अधिकारी रितु माहेश्वरी ने दिए। उन्होंने सेक्टर-62 समेत कई रैन बसेरों की मौके पर जाकर स्थिति देखी। डॉक्टर से नियमित रूप से जांच कराने के निर्देश दिए। इन्हें नियमित रूप से दोपहर ओर शाम को भोजन के अलावा चाय और बिस्किट दिए जाएंगे। यहां रहने वालों को एक एक साबुन और सेनेटाइजर देने की निर्णय लिया गया है। सुबह शाम इन रैन बसेरों के शौचालय भी नियमित रूप से साफ किया जा रहा है।

95 लोगों ने किया पृथक होने का उल्लंघन, मामला दर्ज

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 अप्रैल।

कोरोना संक्रमण की वजह से जिन लोगों को होम क्वारंटाइन (एकांतवास) रहने के आदेश दिए गए हैं। वे तय नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। ऐसे 95 लोगों ने आदेश का उल्लंघन किया है। दिल्ली पुलिस ने यह रपट उपराज्यपाल अनिल बैजल की अध्यक्षता वाली बैठक में दी है। इनके खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। इस समय दिल्ली में 20408 लोग होम क्वारंटाइन है।

इन लोगों की निगरानी के लिए दिल्ली सरकार में तकनीक के माध्यम से इन लोगों की निगरानी शुरू की है। इसके माध्यम से ही ये उल्लंघन के मामले सामने आए हैं। इस बैठक में उप मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव समेत सभी विभागों के अधिकारी शामिल थे। उपराज्यपाल ने सभी विभागों को बंद का सख्ती से पालन करवाने, राशन की कच्ची दुकानों पर सोशल डिस्टेंसिंग करने और जरूरी खाद्य सामग्री का पर्याप्त बंदोबस्त करने और जरूरी सेवा में लगे कर्मचारियों के सुरक्षा के आदेश दिए हैं।

देशबंदी के उल्लंघन पर बेटे ने पिता के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 अप्रैल।

देश में लागू पूर्णबंदी और दिल्ली में धारा 144 के उल्लंघन के आरोप में एक बेटे ने ही अपने पिता के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली के वसंत कुंज दक्षिणी थाने में 30 साल के एक युवक ने अपने पिता पर पूर्णबंदी का पालन नहीं करने पर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने धारा 188 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस में दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक, एक ऑटोमोबाइल कंपनी वजीरपुर में सहायक प्रबंधक के पद पर काम करने वाले 30 साल के अभिषेक सिंह पिता बिरेंद्र सिंह और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ रजोकरी, प्रधान गली के दीप अपार्टमेंट में किराए के मकान में रहते हैं। अभिषेक ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि उनके पिता बिरेंद्र सिंह जिनकी उम्र 59 साल है।

बार-बार घर से बाहर निकल रोड पर घूम रहे थे युवक के पिता

पूर्णबंदी के बाद भी बार-बार घर से निकल जाते हैं। 21 दिनों की पूर्णबंदी का उनके ऊपर कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा है। वह मना करने पर भी सुबह 8 बजे बार-बार घर से निकलकर रोड पर घूमने निकल जाते हैं। पीसीआर को दी शिकायत में जब बसंतपुर थाना के हेड कांस्टेबल मुकेश चंद और कांस्टेबल मनदीप घटनास्थल पर पहुंचे तो पिता पुत्र आपस में बातचीत करते हुए मिले। अभिषेक को अपने पिता को अंदर जाने का अनुरोध करते देखा गया, उसके बाद हेड कांस्टेबल मुकेश चंद्र ने भी बीरेंद्र सिंह को अंदर जाने के लिए कहा लेकिन वे नहीं माने तो पुलिस ने धारा 144 के उल्लंघन के आरोप में आइपीसी की धारा 188 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जुमा : ड्रोन ने रखी नजर, ताकि छतों पर नमाज न पढ़ सकें लोग

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 3 अप्रैल।

कोरोना रोगियों की लगातार बढ़ती संख्या को लेकर चुनौती झेल रहे गौतमबुद्धनगर में पूर्ण बंदी के दौरान शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय के लोगों ने घरों में जुमे की नमाज अदा की। जुमे की नमाज को लेकर पुलिस-प्रशासन ने कड़े इंतजाम किए थे। पुलिस ने ड्रोन कैमरे से मस्जिदों समेत आसपास के इलाकों पर नजर रखी।

पुलिस आयुक्त आलोक सिंह ने अधिकारियों के साथ सेक्टर-8 स्थित जामा मस्जिद समेत अन्य मस्जिदों का भी निरीक्षण किया। पुलिसकर्मी माइक से लोगों को घरों में नमाज पढ़ने की अपील करते दिखे। शुक्रवार को मस्जिदों में केवल कमेटी के सदस्यों ने नमाज पढ़ी। चार दिन पहले नोएडा की एक छत पर नमाज पढ़ते हुए करीब एक दर्जन लोगों का वीडियो वायरल हुआ था। जांच में पता चला कि ये लोग सेक्टर-16 स्थित एक मकान की छत पर नमाज पढ़ रहे थे। इसके बाद थाना सेक्टर-20 पुलिस ने 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर 10 को गिरफ्तार कर लिया था। इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन ने जुमे की नमाज को लेकर शहर में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए थे। छत पर इक्टठा होकर नमाज पढ़ने वालों की निगरानी के लिए ड्रोन कैमरे की व्यवस्था की गई थी। पुलिस प्रशासन ने शुक्रवार शाम चार बजे तक ड्रोन से जिले के अलग-अलग इलाकों में निगरानी की।

नमाज पर पुलिस रही मुस्तैद

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 अप्रैल।

दिल्ली पुलिस शुक्रवार को जुमे की नमाज के कारण मुस्तैद रही। दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में स्थित मस्जिदों और मदरसों के आसपास पीसीआर की जिप्सी घूमती रही और लोगों को सड़क पर न आने की अपील की गई। इस सख्ती के बाद दिल्ली की सड़कों पर लोगों का आना जाना काफी कम रहा। पूर्णबंदी के दसवे दिन दिल्ली-हरियाणा सीमा पर लगातार बैरिकेड लगा कर जांच की जा रही है। शुक्रवार को धारा 144 और पूर्णबंदी को पूरी तरह से लागू करने के लिए दिल्ली पुलिस ने दिल्ली के सभी संवेदनशील इलाके के साथ मस्जिद, मदरसे पर विशेष चौकसी बरती। इसके तहत जमा मस्जिद, निजामुद्दीन, ओखला, ओखला मंडी, कालकाजी, गोविंदपुरी, महरौली, छतरपुर, फतेहपुर बेरी के साथ उत्तर-पूर्वी दिल्ली के कई इलाकों और साउथ ईस्ट दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में पीसीआर की जिप्सी घूमती रही।पूर्णबंदी का पालन करवाने के लिए पुलिस दिल्ली-हरियाणा सीमा पर लगातार बैरिकेड लगा कर जांच कर रही है, जिससे लोग बिना वजह सीमा क्रॉस न कर सके। इसी कड़ी में टिकरी बॉर्डर पर भी दिल्ली पुलिस डटी हुई है।

डॉक्टरों ने दिल्ली सरकार को बताया

तबलीगी जमात के लोग नहीं कर रहे सहयोग

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 अप्रैल

दिल्ली के अनेक अस्पतालों के डॉक्टरों ने दिल्ली सरकार से शिकायत की है कि उनके यहां भर्ती तबलीगी जमात के सदस्य चिकित्साकर्मियों के साथ सहयोग नहीं कर रहे। उच्चस्तरीय सूत्रों के मुताबिक डॉक्टरों ने उन अस्पतालों में और उनके बाहर सुरक्षा बढ़ाने की भी मांग की है जहां मरकज से निकाले गए जमातियों को भर्ती कराया गया है।

एक डॉक्टर ने कहा कि तबलीगी जमात के दक्षिण दिल्ली स्थित निजामुद्दीन मरकज से निकाले गए कुछ रोगी डॉक्टरों की बात नहीं मानते और दवाएं नहीं लेना चाहते। राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के एक अन्य वरिष्ठ डॉक्टर ने दिल्ली सरकार से हाल ही में शिकायत की थी निजामुद्दीन मरकज से लाए गए लोग चिकित्साकर्मियों के साथ सहयोग नहीं कर रहे। एक मरीज ने दो दिन पहले अस्पताल से कूदने की कोशिश भी की थी।

डॉक्टरों की मांग, अस्पताल के बाहर उनकी सुरक्षा बढ़ाई जाए

एक मरीज ने दो दिन पहले अस्पताल से कूदने की कोशिश भी की

गाजियाबाद में जिला अस्पताल में कुछ आपत्तिजनक मामले सामने आने के बाद में इन लोगों को एक निजी शिक्षण संस्थान में बनाये गये अस्थाई पृथक वार्ड में भेज दिया गया। कुछ एम्स के झज्झर स्थित राष्ट्रीय कैंसर संस्थान में हैं। एम्स के इस सेंटर पर रोके गए मरकज के 53 मरीजों में से 52 में विषाणु की पुष्टि हो चुकी है। इन्हीं में से एक मरीज की आरएमएल में आज मौत हो गई है।

जमात में शामिल होकर लौटे तीन और युवकों में हुई कोरोना की पुष्टि

जनसत्ता संवाददाता
गाजियाबाद, 3 अप्रैल।

निजामुद्दीन मरकज जमात में शामिल होकर लौटे तीन और जमातियों में कोरोना विषाणु की पुष्टि हुई है। तीनों जमाती मसूरी के रहने वाले हैं और 19 से 25 साल आयु के हैं। गाजियाबाद में अब कुल 13 मरीजों में पुष्टि हो चुकी है। तीनों को संयुक्त अस्पताल में पृथक रखा गया है। कोरोना की पुष्टि होने के बाद शुक्रवार देर शाम उन्हें एमएमजी जिला अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया। अब स्वास्थ्य विभाग उनके संपर्क में आने वालों की तलाश कर रहा है। शुक्रवार को इन तीनों के अलावा 28 अन्य की रिपोर्ट गाजियाबाद स्वास्थ्य विभाग को मिली, जो सभी नकारात्मक थी।

मसूरी से पांच जमातियों को 31 मार्च को संयुक्त अस्पताल में भर्ती किया गया था। इनमें से तीन की रिपोर्ट शुक्रवार को आई, जिसमें कोरोना की पुष्टि हुई है। जबकि दो जमातियों की रिपोर्ट का अभी इंतजार है। फिलहाल अस्पताल प्रबंधन ने पुष्ट जमातियों को एमएमजी अस्पताल में भेज दिया है। अन्य दो जमातियों और एक अन्य युवक को पृथक रखा गया है।

उनके दोबारा नमूने लेकर जांच को भेजे जाएंगे। सीएमओ डॉ. एनके गुप्ता ने बताया कि जिन जमातियों में कोरोना की पुष्टि हुई है, उनके परिवार और निकट संपर्कों की तलाश की जा रही है। सभी की स्क्रीनिंग होगी और लक्षण मिलने पर उन्हें पृथक और लक्षण नहीं मिलने वालों को क्वारेंटीन किया जाएगा। मसूरी स्थित उनके घरों में पहले ही क्वारेंटीन की पर्ची लगाई जा चुकी है और घरों को सैनेटाइज किया जा रहा है। अब एक बार फिर उनके घरों को सैनेटाइज किया जाएगा।

वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष ने मौलाना के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 अप्रैल।

उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सैय्यद वसीम रिजवी ने मौलाना साद के खिलाफ निजामुददीन थाना में शिकायत दर्ज कराई है। मौलाना मोहम्मद साद की तलाश में जहां पुलिस की छापेमारी जारी है। वहीं, एक दिन पहले ही मौलाना साद ने अपना ऑडियो जारी कर बताया था कि वह पृथक है। रिजवी ने कहा है कि मौलाना साद की वजह से लोगों के बीच बीमारी फैली है। साद पर देशद्रोह और हत्या जैसे गंभीर अपराध का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की गई है। बोर्ड के अध्यक्ष सैय्यद वसीम रिजवी की तरफ से दी गई शिकायत में कहा गया है कि मरकज के मौलाना साद के द्वारा किए गए कार्य से वह बेहद आहत हैं। इस जगह से सैकड़ों लोग कोरोना से संक्रमित हो गए है। यहां पर किया गया कार्य देश के खिलाफ युद्ध के समान है। इसकी वजह से बेकसूर लोगों की जान जा रही है। इस बीमारी को फैलाने में उनकी भूमिका रही है।

रैन बसेरे में व्यक्ति की मौत, पुलिस ने बताया टीबी

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 3 अप्रैल।

सेक्टर-62 के एक रैन बसेरे में रहने वाले वाले 50 व्यक्ति शख्स की शुक्रवार सुबह मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक मृतक टीबी का मरीज था। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। थाना सेक्टर-58 पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। नोएडा जोन के एसीपी द्वितीय रजनीश वर्मा ने बताया कि 21 मार्च को पुलिस करे सूचना मिली कि एक 50 वर्षीय शख्स नवादा गांव के पास पड़ा हुआ है। पीसीआर-13 मौके पर पहुंची और उसे अस्पताल में इलाज कराकर नवादा स्थित रैन बसेरे में रखवा दिया। उसके पास से एक पर्ची मिली थी जिससे पता चला कि वह टीबी का मरीज है। इसके बाद जिला अस्पताल से पुलिस इलाज करा रही थी। गुरुवार को उसकी तबीयत बिगड़ गई। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां शुक्रवार सुबह उसकी मौत हो गई। एसीपी ने कोरोना संक्रमण के मौत होने से इनकार किया है।

विशेषज्ञता बढ़ाने पर हुई वेब कार्यशाला

कोरोना के कारण उत्पन्न चुनौतियों से निपटने और एमिटी विश्वविद्यालय के शिक्षकों के कौशल को बढ़ाने के लिए शुक्रवार को 'परामर्श : अपनी विशेषज्ञता को बढ़ाए' विषय पर वेब कार्यशाला का आयोजन हुआ। इन ऑनलाइन कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न संस्थानों के शिक्षकों ने भाग लिया। जिसका मुख्य उद्देश्य किस तरह उद्योगों को मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक, वित्तीय पुनर्गठन जैसे मुद्दे पर काबू पाने का परामर्श प्रदान करना था। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अतुल चौहान ने कहा कि संस्था हमेशा से उद्योगों व अंतरराष्ट्रीय संस्थानों की मदद करता रहा है। इसी कड़ी में कोविड-19 के कारण पैदा हुई चुनौतियों से निपटने का परामर्श प्रदान कर रहा है।

निजामुद्दीन क्षेत्र में तैनात सभी सफाईकर्मी जांच में स्वस्थ

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 अप्रैल।

कोरोना विषाणु प्रभावित निजामुद्दीन क्षेत्र में तैनात सभी 95 जनस्वास्थ्य कर्मचारी, फील्ड कर्मचारी और सफाई सैनिकों की गई जांच में 59 सफाई सैनिक सहित सभी कर्मचारी स्वस्थ पाए गए।

कोरोना वायरस के मुख्य हॉटस्पॉट को सेनेटाइज करने के लिए तैयार एक्शन प्लान के अनुसार चारों जोनों में घनी आबादी वाले क्षेत्रों और जेजे कॉलोनियों में सेनेटाइजेशन अभियान चलाया गया। दक्षिण निगम ने कोरोना वायरस प्रभावित निजामुद्दीन क्षेत्र में तैनात 95 जनस्वास्थ्य कर्मचारी, फील्ड कर्मचारी और सफाई सैनिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को एक जांच शिविर आयोजित किया। सभी 95 कर्मचारियों, जिसमें 59 सफाई सैनिक शामिल हैं, की सघन चिकित्सा जांच विशेषज्ञ डॉक्टर प्रसाद, डॉ उमेश और डॉ सरदाना के पैनल द्वारा की गई। जांच में यह पाया गया कि सभी कर्मचारी स्वस्थ हैं और किसी में भी कोविड 19 के लक्षण नहीं पाए गए। डॉक्टरों द्वारा सभी कर्मचारियों को यह सलाह दी गई कि वे अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें और खांसी, जुकाम, बुखार या कोई अन्य बीमारी होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

एनएचआइडीसीएल ने की 67 लाख 25 हजार की आर्थिक मदद

नई दिल्ली, 3 अप्रैल। कोरोना संकट से निपटने के लिए देश भर के तमाम संस्थान और उसमें कार्य करने वाले लोग आगे आ रहे हैं। शुक्रवार को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अधीन भारत सरकार के उद्यम राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआइडीसीएल) के प्रबंध और कर्मचारियों ने मिलकर पीएम-केयर्स निधि में 67 लाख 25 हजार रुपए की आर्थिक मदद की है। कर्मचारियों ने मदद के लिए अपने एक दिन का वेतन दान दिया है। (जसं)

कई मस्जिदों में तबलीगी जमात के लोगों की तलाश तेज

फरीदाबाद, 3 अप्रैल (जनसत्ता)।

दिल्ली के मरकज निजामुद्दीन से निकले तबलीगी जमात के लोगों को ढूंढने के लिए हरियाणा पुलिस ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इस खुलासे के बाद पुलिस ने जमातियों की तलाश तेज की तो कई हैरान करने वाले तथ्य उजागर हुए। हालांकि 31 मार्च को पुलिस ने जिले की मस्जिदों में जमातियों की गहन तलाश की थी पर पुलिस के हाथ कुछ नहीं लगा। बीते दो दिनों से पुलिस की जांच में यह सामने आया कि जिले की विभिन्न मस्जिदों में 99 बाहरी लोग चुपचाप रह रहे थे। इनमें देशी और विदेशी नागरिक दोनों ही शामिल हैं। जांच में पता चला कि जिले की मस्जिदों में 28 विदेशी, अन्य राज्यों के 52 और प्रदेश के 19 लोग रह रहे थे। इनमें फरीदाबाद के ऐसे 18 लोग भी शामिल है, जो जिले की विभिन्न मस्जिदों में 99 बाहरी लोग चुपचाप रह रहे थे। इनमें देशी और विदेशी नागरिक दोनों ही शामिल हैं। इन लोगों ने मरकज में शिरकत की दी।

निजामुद्दीन में आयोजित जमातियों की मरकज में हिस्सा लेकर लौटे थे। हालांकि मस्जिदों के मौलवियों ने कोरोना संक्रमण की पूरी जानकारी होने के बाद भी पुलिस को सूचित करना उचित नहीं समझा।

जानकारी के मुताबिक बल्लभगढ़ की अज्जी कॉलोनी की मस्जिद में इंडोनेशिया के दस जमाती, बड़खल की मस्जिद में नेपाल के दस और पर्वतीय कॉलोनी की मस्जिद में फिलीपिंस के आठ नागरिक रह रहे थे। यह सभी निजामुद्दीन में आयोजित मरकज में शामिल होने के बाद फरीदाबाद आए थे। पुलिस ने इन सभी को हिरासत में लेकर धौज गांव के पास एक कॉलेज में निगरानी सेंटर में भेज दिया है।

इसके अलावा हरियाणा पुलिस ने बीते लगभग 48 घंटों में राज्य के 15 जिलों में तबलीगी जमात के 1300 से अधिक लोगों को ट्रैक करने में सफल रही है। पुलिस द्वारा इन उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों को ट्रैक कर कोविड-19 प्रोटोकॉल के अनुसार उनकी चिकित्सकीय जांच करवाकर उन्हें क्वारंटाइन में भेजने की तेजी से की गई। आठ व्यक्तियों की जांच करने के बाद, अब तक पलवल और नूंह के तीन-तीन और अंबाला के दो लोगों को कोरोना विषाणु से संक्रमित पाया गया है। प्रदेश के पांच अलग-अलग जिलों फरीदाबाद, अंबाला, पानीपत, पलवल और नूंह से पकड़ा गया है। इन विदेशियों ज्यादातर इंडोनेशिया, फिलीपींस, नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका और थाईलैंड के हैं। इन सभी को क्वॉरेंटाइन में रखा गया है और उनके पासपोर्ट पुलिस ने कब्जे में ले लिए हैं। इन पांच जिलों में आइपीसी और विदेशी अधिनियम के प्रावधानों के तहत पांच अलग-अलग एफआइआर दर्ज की गई हैं।

इसके अलावा महाराष्ट्र, तमिलनाडु, असम, बिहार आदि राज्यों के तबलीगी जमात के लोग जो तबलीग से संबंधित कार्यों के लिए हरियाणा में थे उन पर भी नजर रखी गई है। सभी को क्वॉरेंटाइन केंद्रों या मस्जिदों जहां वे पाये गए रखा गया है। उनके सैंपल एकत्र कर जांच के लिए संबंधित प्रयोगशालाओं को भेजे गए हैं। खास बात यह है कि पूरे हरियाणा में तबलीगी जमात के लगभग आधे लोग जिला नूंह में पाए गए। 57 विदेशी तथा अन्य राज्यों से 528 सहित 636 तबलीगी जमात के लोग अकेले जिला नूंह में मिले हैं।

सामान्य मरीज की तरह घूमता रहा संक्रमित

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 अप्रैल।

कोरोना विषाणु संक्रमण के मामले में केंद्र सरकार के अधीन चलने वाले राम मनोहर लोहिया अस्पताल में कोरोना संक्रमित मरीज के संपर्क में आए सभी लोगों का पता तक नहीं लगाया जा रहा है। जबकि यह मरीज, इमरजंसी वार्ड, जनरल वार्ड, न्यूमोनिया वार्ड सहित कई जांच की जगहों पर जा चुका है। पृथक केंद्र में केवल उन्हीं डॉक्टरों व नर्सों को भेजा गया जो मरीज के सीधे संपर्क में आए थे। वार्ड के बाकी मरीजों व कर्मचारियों का कुछ नहीं हो रहा। डॉ हर्षवर्धन ने आज के दौरे के समय इस मामले का जिक्र किया तो उन्हें भी यही बताया गया कि एक हफ्ते इंतजार करने के बाद ही जांच की जाएगी।

अस्पताल के जानकारों के मुताबिक, यह मरीज जिन-जिन जगहों पर रहा उन सभी जगहों पर डॉक्टर व नर्सों के संपर्क में आया ही होगा। क्योंकि डॉक्टरों के वार्ड राउंड होने के साथ ही नर्सों को सभी मरीजों के बुखार व रक्तचाप वगैरह नापने का काम भी करना होता है। जिसके लिए एक ही उपकरण का इस्तेमाल किया जाता है। जब तक यह मरीज जनरल वार्ड में रहा इसे सामान्य मरीज की तरह ही देखा गया।

ऐसे पूरे वार्ड को संक्रमणरहित करने की दरकार थी। इसे सामान्य मरीज जान 11 नंबर जनरल वार्ड भेज दिया। इस बीच इस मरीज के खून व पेशाब के जो नमूने लिए गए वह नमूने जांच के लिए बनी जनरल प्रयोगशाला में गए। जहां सुरक्षा के सामान्य उपायों के साथ ही जांच प्रक्रिया को अंजाम दिया गया कोरोना की विशेष सुरक्षा के तहत नहीं। इसके अलावा इस मरीज को एक्सरे के लिए भी ले जाया गया था जहां आने-जाने के बीच भी काफी लोग इसके संपर्क में आए होंगे।

www.readwhere.com

संक्रमण फैलाने के आरोप में 23 लोग गिरफ्तार

भोपाल, 3 अप्रैल (भाषा)।

मध्य प्रदेश के आगर-मालवा और देवास जिलों में कोरोना विषाणु का संक्रमण फैलाने की आशंका वाले नुकसानदेह कृत्यों में लिप्त रहने के आरोप में पुलिस ने 23 लोगों को गिरफ्तार किया है। प्रदेश में कोरोना की महामारी से आठ लोगों की मौत हो चुकी है। आगर-मालवा के जिला पुलिस अधीक्षक मनोज सिंह ने शुक्रवार को बताया कि जिले के नलखेड़ा कस्बे में एक धार्मिक स्थान के पीछे बने एक कमरे में सामूहिक तौर पर रहने वाले 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और इन्हें पृथक रखा गया है।

हालांकि उन्होंने साफ किया कि गिरफ्तार किए गए इन लोगों में से किसी ने भी मार्च माह में निजामुद्दीन मरकज में आयोजित तबलीगी जमात के धार्मिक सम्मेलन में हिस्सा नहीं लिया था। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि ये मुसलिम श्रद्धालु अपने समुदाय के लोगों के बीच धर्मोपदेश करने में शामिल थे। एसपी ने बताया कि ये लोग दिल्ली के रहने वाले हैं और यहां 10 मार्च को आए थे। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने इसकी सूचना भी अधिकारियों को नहीं दी और एक साथ रहकर यहां लागू धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा का उल्लंघन किया है। सिंह ने बताया कि इनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

इसी तरह देवास के पुलिस अधीक्षक कृष्णा वेणी देसावपु ने बताया कि गुरुवार को देवास में 11 लोगों को भादंवि की समान धाराओं में गिरफ्तार किया गया है। इनमें से 10 लोग जयपुर से आए थे और वे उस स्थानीय व्यक्ति को जानकारी दिए बिना बिना इधर उधर जा रहे थे जिसने उन्हें आश्रय दिया था। वे जिले में कर्फ्यू लगा होने के बाद भी ऐसा कर रहे थे। एसपी ने बताया कि प्रक्रिया के मुताबिक इन सभी लोगों को 14 दिन के लिए पृथक रखा गया है। उन्होंने बताया कि इन लोगों में से किसी ने भी मार्च माह में निजामुद्दीन मरकज में आयोजित तबलीगी जमात के धार्मिक सम्मेलन में हिस्सा नहीं लिया था। हालांकि देवास एसपी ने कहा कि ये लोग तबलीगी जमात का हिस्सा हैं और धार्मिक संदेश फैलाने में लगे हुए हैं।

कोरोना महामारी के चलते देशबंदी के बीच चिकमंगलूर में शुक्रवार की जुमे की नमाज घर में अदा करते लोग।

मध्य प्रदेश में आठ और नए मरीजों की पुष्टि

भोपाल/इंदौर/छिंदवाड़ा, 3 अप्रैल (भाषा)।

मध्य प्रदेश के इंदौर एवं छिंदवाड़ा में गुरुवार देर रात से शुक्रवार सुबह तक आठ और नए मरीजों में कोरोना से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इसी के साथ प्रदेश में अभी तक कुल 119 लोगों में कोविड-19 की पुष्टि हुई है। इनमें से 115 मरीज मध्य प्रदेश के मूल निवासी हैं और चार जमाती हैं, जिनमें से तीन विदेशी हैं और एक ओड़ीशा का रहने वाला है।

मध्य प्रदेश में कोविड-19 से अभी तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से पांच की मौत इंदौर में हुई है, जबकि उज्जैन में दो और खरगोन जिले में एक व्यक्ति की मौत हुई है।

प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया, प्रदेश में कोरोना वायरस से शुक्रवार सुबह तक कुल 119 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इनमें से 115 मध्य प्रदेश के निवासी हैं। प्रदेश में सबसे अधिक 89 मरीज इंदौर के हैं। इनके अलावा जबलपुर के आठ, उज्जैन के छह, भोपाल के चार और शिवपुरी, मुरैना एवं ग्वालियर के दो-दो और खरगोन एवं छिंदवाड़ा के एक-एक व्यक्ति के भी कोरोना से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। उन्होंने कहा कि इनके अलावा दिल्ली के निजामुद्दीन में तबलीगी जमात के कार्यक्रम में शामिल हुए चार जमाती भी भोपाल में इस बीमारी से संक्रमित पाए गए हैं, जिनमें से तीन विदेशी नागरिक (एक आइबरी कोस्ट एवं दो म्यांमा के) और एक भुवनेश्वर का रहने वाला है।

छिंदवाड़ा के एसडीएम अतुल सिंह ने बताया कि शहर में 36 वर्षीय एक व्यक्ति के कोरोना से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। यह मरीज 19 मार्च को इंदौर से छिंदवाड़ा आया था जहां वह नौकरी करता है। मरीज का इलाज छिंदवाड़ा जिला हॉस्पिटल के आइसोलेशन वार्ड में चल रहा है।

उन्होंने कहा कि पीड़ित मरीज दो दिन छिंदवाड़ा के गुलाबरा क्षेत्र में अपनी बहन के घर पर रहा। इसके अलावा वह सारना, केवलारी ओर मालाहनवाडा में भी रहा। इसलिए वह जिनसे भी मिला है उनको अलग-थलग रखा जा रहा है। साथ ही जिन-जिन स्थानों पर यह कोरोना वायरस रहा है, उन सभी इलाकों को सील किया जाएगा।

सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य टीम द्वारा इन सभी क्षेत्रों का चेकअप किया जाएगा। पूरा क्षेत्र सेनेटाइज किया जाएगा।

वहीं, इंदौर से मिली रिपोर्ट के अनुसार गुरुवार देर रात को इंदौर से सात नए मामलों में कोरोना वायरस की पुष्टि हुई है। इसके बाद इंदौर में कोरोना संक्रमण की जद में आए मरीजों की संख्या 89 पर पहुंच गई है।

शासकीय महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि पिछले नौ दिन में इलाज के दौरान इंदौर के पांच कोरोना वायरस संक्रमित मरीजों की मौत हो चुकी है।

इंदौर, देश में कोरोना वायरस संक्रमण के सबसे ज्यादा प्रभावित शहरों में शामिल है। इस महामारी के मरीज मिलने के बाद से प्रशासन ने 25 मार्च से यहां शहरी सीमा में कर्फ्यू लगा रखा है।

संक्रमितों की संख्या 119 हुई

प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग ने बताया, प्रदेश में कोरोना वायरस से शुक्रवार सुबह तक कुल 119 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई। इनमें से 115 मध्य प्रदेश के निवासी हैं। 89 मरीज इंदौर के हैं। इनके अलावा जबलपुर के आठ, उज्जैन के छह, भोपाल के चार और शिवपुरी, मुरैना एवं ग्वालियर के दो-दो और खरगोन एवं छिंदवाड़ा के एक-एक व्यक्ति के भी कोरोना से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है।

'डॉक्टर और चिकित्सकीय अमले से दुर्व्यवहार अक्षम्य'

भोपाल, 3 अप्रैल (भाषा)।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कोरोना से ग्रस्त लोगों का इलाज कर रहे डॉक्टर एवं चिकित्सकीय अमले पर इंदौर में दो दिन पहले किए गए पथराव की घटना को अक्षम्य बताया है और इस घटना में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

चौहान ने कोरोना से संक्रमित लोगों का इलाज कर रहे डॉक्टर एवं चिकित्सकीय अमले के साथ दुर्व्यवहार की घटना को बेहद गंभीरता से लेते हुए कहा, यह अक्षम्य है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस घटना में शामिल अराजक तत्वों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

चौहान ने कहा कि खुद को जोखिम में डालते हुए डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ और पैरामेडिकल स्टाफ अपने घर-परिवार की चिंता छोड़ कर कोरोना वायरस से लड़ रहे हैं। ऐसे में किन्हीं तत्वों द्वारा उनके साथ मारपीट और दुर्व्यवहार करना किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

शबाना और हेमा ने भी की डॉक्टरों पर हमले की निंदा

मुंबई, 3 अप्रैल (भाषा)।

इंदौर में डॉक्टरों पर हुए हमले की सिने जगत की जानी-मानी हस्तियों शबाना आजमी, हेमा मालिनी और ऋषि कपूर ने निंदा की है। स्वास्थ्य विभाग से पांच सदस्यीय एक टीम कोरोना वायरस संक्रमण से पीड़ित एक मरीज के रिश्तेदारों और परिचितों को पृथक करने के लिए बुधवार को टाटपट्टी बाखल गई थी कि इसी दौरान उपद्रवी भीड़ ने उन पर पत्थरों से हमला किया जिसमें दो महिला डॉक्टर घायल हो गई थी। इस हमले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था।

शबाना आजमी ने ट्विटर पर कहा, 'सम्मान। दोनों घायल महिला डॉक्टरों के नाम तृप्ति और रजिया है जो असली रोल मॉडल हैं। वहां के लोगों का व्यवहार और डॉक्टरों पर पथराव करना बेहद शर्मनाक है और निंदनीय है।'

हेमा मालिनी ने कहा, 'जहां एक ओर पूरा देश डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के त्याग की सराहना कर रहा है तो वहीं इंदौर से कुछ शरारती तत्वों द्वारा उन पर हमले की खबर आती है। कैसे ये लोग डॉक्टरों पर हमला कर सकते हैं जबकि उनकी खुद की जिंदगी दांव पर लगी हुई है। दुखद! शर्मनाक।' कपूर ने सभी लोगों से चिकित्साकर्मियों और पुलिस पर किसी भी तरह की हिंसा नहीं करने की अपील की।

हेमा मालिनी ने कहा, 'जहां एक ओर पूरा देश डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के त्याग की सराहना कर रहा है तो वहीं इंदौर से कुछ शरारती तत्वों द्वारा उन पर हमले की खबर आती है। कैसे ये लोग डॉक्टरों पर हमला कर सकते हैं जबकि उनकी खुद की जिंदगी दांव पर लगी हुई है। दुखद! शर्मनाक।'

उन्होंने ट्वीट किया, 'सभी भाई-बहनों से भरोसे की अपील है। कृपया हिंसा, पत्थर फेंकने और भड़काने जैसा कोई काम नहीं करें। डॉक्टर, नर्स, चिकित्साकर्मी और पुलिसकर्मी ये सभी अपनी जिंदगी पर खेल कर आपकी जिंदगियां बचा रहे हैं। हम इस कोरोना वायरस से एक साथ लड़कर ही उसे हरा पाएंगे।' अभिनेता दिव्येंदु शर्मा ने कहा, 'सबसे परेशान करने वाली बात मैंने आज सुबह देखी.. वह यह है कि हम अपने डॉक्टरों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं? शर्मनाक।' अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने कहा कि चिकित्साकर्मियों पर हमला करने के बजाय उन्हें महामारी के खिलाफ लड़ाई में मदद करने के लिए एकजुट होना चाहिए।

उन्होंने ट्वीट किया, 'हमारे चिकित्साकर्मी मोर्चे पर डटे हुए हैं, हमारी रक्षा करते हुए वे अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। कम से कम हम एक समुदाय के रूप में एक साथ आ सकते हैं और उन्हें उस लड़ाई के लिए तैयार करने में मदद कर सकते हैं जो वे लड़ रहे हैं।' अभिनेत्री दीपानिता शर्मा ने सुझाव दिया कि डॉक्टरों और चिकित्साकर्मियों को सुरक्षा दी जानी चाहिए।

इंदौर में 1,500 लोगों को पृथक किया गया

इंदौर, 3 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना वायरस के प्रकोप के बाद यहां पिछले 10 दिन में करीब 1,500 लोगों को पृथक केंद्रों में पहुंचाया गया है ताकि इस महामारी को फैलाने से रोका जा सके। इंदौर में अबतक 89 मरीज मिल चुके हैं। इनमें से पांच लोगों की मौत हो चुकी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रवीण जड़िया ने शुक्रवार को संवाददाताओं को बताया, शहर के मैरिज गार्डनों और अन्य स्थानों पर बनाए गए पृथक केंद्रों में अब तक करीब 1,500 लोगों को सावधानी के तौर पर पहुंचाया गया है। उन्होंने बताया कि इन लोगों को पृथक केंद्रों में इसलिए रखा गया है क्योंकि इनके बारे में पता चला है कि वे कोरोना संक्रमण के शिकार मरीजों के संपर्क में किसी न किसी तरह आए हैं।

स्वास्थ्यकर्मियों से दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं

जयपुर, 3 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना वायरस संक्रमण के कई और मामले सामने आने के बीच राजस्थान के चिकित्सा व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि कोरोना संक्रमण की जानकारी छिपाने, फैलाने और सेवा में लगे स्वास्थ्यकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार करने के मामलों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

डॉ. शर्मा ने कहा कि जो लोग संक्रमित हैं या संक्रमितों के संपर्क में आए हैं, वे जिम्मेदार नागरिक का परिचय देते हुए अपनी जांच करवाएं। अपने संपर्क में आए लोगों की जानकारी दें ताकि सामुदायिक फैलाव के खतरे को कम किया सके।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि पिछले तीन दिनों में प्रदेश में कोरोना पॉजीटिव का ग्राफ तेजी से बढ़ा है। अकेले जयपुर में 48 लोग कोरोना पॉजीटिव पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि संक्रमित व्यक्ति संक्रमण की जानकारी और उसके संपर्क में आए लोगों की सूचना विभाग को देता, तो इससे सरकार और राज्य के लोगों को भी मदद मिलती। उन्होंने कहा कि संक्रमण फैलाना किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्यकर्मियों से दुर्व्यवहार करने पर सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि जो लोग कोरोना संक्रमितों की जिंदगी बचाने के लिए अपनी जिंदगी को खतरे में डालकर काम कर रहे हैं उनसे दुर्व्यवहार करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि जो लोग भगवान के रूप में लोगों की जिंदगियां बचा रहे हैं, उनके साथ दुर्व्यवहार होने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि शुक्रवार सुबह नौ बजे तक प्रदेश में कोरोना पॉजीटिव संख्या 154 हो गई है जो सभी के लिए चिंता की बात है।

प्रदेश में कोरोना पॉजीटिव संख्या 154

विद्यार्थियों की सहायता के लिए बनाई गई वेबसाइट

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 3 अप्रैल।

कोरोना महामारी की वजह से देश भर में लगाई गई पूर्ण बंदी की वजह से छात्रावासों के बंद होने के कारण विद्यार्थियों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद ने एक वेबसाइट का निर्माण किया है जिससे विद्यार्थियों की सहायता की जा सके। इस वेबसाइट का उद्घाटन केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने किया। विद्यार्थियों को पांच अप्रैल को रात नौ बजे नौ मिनट तक दीया, मोमबत्ती, टार्च, मोबाइल लाइट जलाने के लिए कहा गया है।

निशंक ने कहा कि विद्यार्थी को हो रही कठिनाई से हम सभी लोग बेहद दुखी हैं। इसी वजह से इस वेबसाइट के माध्यम से हम बंदी में फंसे विद्यार्थियों को हर प्रकार की सुविधा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस वेबसाइट के माध्यम से विद्यार्थियों को आवास संबंधी, खाने पीने संबंधी, परीक्षा संबंधी, परिवहन संबंधी, छात्रवृत्ति, आरोग्य संबंधी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस वेबसाइट की मदद के लिए 6500 कॉलेजों ने हाथ बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि हम विद्यार्थियों से आग्रह करेंगे कि वो इस वेबसाइट से जुड़कर अपनी समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द प्राप्त कर सकते हैं।

मंत्रालय की ओर से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय, केंद्रीय विद्यालय संगठन आदि को पत्र लिख कर अपने विद्यार्थियों को कोरोना विषाणु संक्रमण से बचने के उपाय बताने के लिए कहा गया है।

भोपाल में आइएएस अधिकारी की पहली जांच रिपोर्ट पॉजिटिव

भोपाल, 3 अप्रैल (भाषा)।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में भारतीय प्रशासनिक सेवा के एक अधिकारी की कोविड-19 के लिए की गई जांच की शुक्रवार को पहली रिपोर्ट पॉजीटिव आई है। हालांकि, दूसरी रिपोर्ट की प्रतीक्षा की जा रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, एक आइएएस अधिकारी की कोरोना वायरस के लिए की गई जांच की पहली रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। लेकिन हम उनकी दूसरी जांच रिपोर्ट की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह 2011 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश के बाहर भी यात्राएं की हैं और जब उनमें कोरोना वायरस के लक्षण दिखाई देने लगे, तब कोविड-19 की जांच के लिए उनके नमूने भेजे गए।

शिशुओं का नाम रखा 'कोरोना' और 'कोविड'

रायपुर, 3 अप्रैल (भाषा)।

एक ओर जहां पूरा विश्व कोरोना विषाणु से लड़ रहा है वहीं छत्तीसगढ़ के एक दंपति ने अपने नवजात बच्चों का नाम 'कोरोना' और 'कोविड' रखा है। रायपुर के डॉक्टर भीमराव आंबेडकर अस्पताल में 26-27 मार्च की रात देशव्यापी बंद के बीच प्रीति वर्मा (27) ने जुड़वां बच्चों को जन्म दिया। दोनों की किलकारी गूंज रही है।

विपरीत परिस्थितियों का सामना कर अस्पताल पहुंचे दंपति ने अपने बच्चों का नाम कोरोना विषाणु के नाम पर कोरोना और कोविड रख दिया है। माता-पिता का कहना है कि बच्चों का नाम उनकी परेशानियों पर जीत और अस्पताल के सहयोग, दोनों को याद दिलाते रहेंगे।

हालांकि, दंपति ने यह भी कहा कि वे बाद में बच्चों के नाम बदल सकते हैं। बच्चों की मां प्रीति ने बताया कि उन्होंने जुड़वां बच्चों, एक लड़का और एक लड़की को जन्म दिया। उन्होंने बताया कि अब हम उन्हें कोविड और कोरोना कह रहे हैं। प्रीति ने कहा कि बच्चों का जन्म कई कठिनाइयों का सामना करने के बाद हुआ है।

उन्होंने कहा, 'हम इस दिन को यादगार बनाना चाहते थे, इसलिए हमने बालिका को कोरोना और बालक को कोविड नाम देने का फैसला किया। यहां तक कि अस्पताल के कर्मचारियों ने भी डिलीवरी के बाद उत्साह में उन्हें इसी नाम से बुलाना शुरू कर दिया था।' दंपति मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं तथा रायपुर के पुरानी बस्ती इलाके में किराए के मकान में रहते हैं।

अस्पताल की जनसंपर्क अधिकारी शुभ्रा सिंह ने बताया कि मां और दोनों नवजात शिशुओं को बीते मंगलवार को छुट्टी दे दी गई थी तथा वे पूरी तरह स्वस्थ हैं। सिंह ने बताया कि अस्पताल पहुंचने से पहले दंपति के लिए कठिन समय था क्योंकि कोई भी मदद करने वाला उनके साथ नहीं था। उनकी दो वर्ष की एक बेटी भी है। उनके रिश्तेदार यहां आने वाले थे लेकिन बंद के कारण नहीं आ सके।

"हम इस दिन को यादगार बनाना चाहते थे, इसलिए हमने बालिका को कोरोना और बालक को कोविड नाम देने का फैसला किया। यहां तक कि अस्पताल के कर्मचारियों ने भी डिलीवरी के बाद उत्साह में उन्हें इसी नाम से बुलाना शुरू कर दिया था। - दंपति

अलवर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि., अलवर (राजस्थान)
ALWAR ZILA DUGDH UTPADAK SAHAKARI SANGH LTD., ALWAR
ISO 22000-2005 & HACCP CERTIFIED ORGANIZATION
क्रमांक-अ.डे./संस्था./एफ./2020/107509-18 दिनांकः- 30/3/2020

कार्यालय आदेश

इस कार्यालय की ई-निविदा सूचना क्रमांकः अ.डे./संस्था./एफ./2020/90676-84 दिनांक 07.03.2020 एवं 90955-62 दिनांक 11.03.2020 के माध्यम से संघ में गैर तकनीकी श्रमिकों की आपूर्ति ठेका कार्य आमंत्रित की गई ई-निविदा को अपरिहार्य कारणों से निम्नलिखित कार्य दिवस के लिए बढाया जाता हैः-

ठेका कार्य का नाम/कार्य की अनुमानित लागत	निविदा प्रपत्र ऑनलाईन डाउनलोड करने की दिनांक	निविदा प्रपत्र ऑनलाईन प्रस्तुत करने की दिनांक	अमानत राशि जमा करने की दिनांक/समय	ऑनलाईन निविदा खोले जाने की दिनांक/समय	अमानत राशि
1	2	3	4	5	6
गैर तकनीकी श्रमिक आपूर्ति (कार्य की अनुमानित राशि रु. 15,00,000 लाख रूपये प्रतिमाह व रु.: 1 करोड़ 80 लाख प्रतिवर्ष)	दिनांक 13.03.2020 प्रातः 09.00 बजे से दिनांक 26.05.2020 सायं 06.00 बजे तक	दिनांक 13.03.2020 प्रातः 09.00 बजे से दिनांक 26.05.2020 सायं 06.00 बजे तक	दिनांक 27.05.2020 सायं 04.00 बजे तक	दिनांक 28.05.2020 को प्रात 11.30 बजे	राशि रुपये 3,60,000/- रुपये का डिमाण्ड ड्राफ्ट

नोटः- निविदा की शेष नियम एवं शर्ते यथावत रहेंगी।
हस्ता./- (एम.एल. जैन) प्रबन्ध संचालक

अलवर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि., अलवर (राजस्थान)
ALWAR ZILA DUGDH UTPADAK SAHAKARI SANGH LTD., ALWAR
ISO 22000-2005 & HACCP CERTIFIED ORGANIZATION
क्रमांक-अ.डे./संस्था./एफ./2020/107499-508 दिनांकः- 30/3/2020

कार्यालय आदेश

इस कार्यालय की ई-निविदा सूचना क्रमांकः अ.डे./संस्था./एफ./2020/90667-75 दिनांक 07.03.2020 एवं 90947-54 दिनांक 11.03.2020 के माध्यम से संघ में तकनीकी श्रमिकों की ठेका कार्य आमंत्रित की गई ई-निविदा को अपरिहार्य कारणों से निम्नलिखित कार्य दिवस के लिए बढाया जाता हैः-

ठेका कार्य का नाम/कार्य की अनुमानित लागत	निविदा प्रपत्र ऑनलाईन डाउनलोड करने की दिनांक	निविदा प्रपत्र ऑनलाईन प्रस्तुत करने की दिनांक	अमानत राशि जमा करने की दिनांक/समय	ऑनलाईन निविदा खोले जाने की दिनांक/समय	अमानत राशि
1	2	3	4	5	6
तकनीकी श्रमिक आपूर्ति (कार्य की अनुमानित राशि रु. 35,00,000 लाख रूपये प्रतिमाह व रु. 4 करोड़ 20 लाख प्रतिवर्ष)	दिनांक 13.03.2020 प्रातः 09.00 बजे से दिनांक 26.05.2020 सायं 06.00 बजे तक	दिनांक 13.03.2020 प्रातः 09.00 बजे से दिनांक 26.05.2020 सायं 06.00 बजे तक	दिनांक 27.05.2020 सायं 04.00 बजे तक	दिनांक 28.05.2020 को प्रात 11.30 बजे	राशि रुपये 8,40,000/- रुपये का डिमाण्ड ड्राफ्ट

नोटः- निविदा की शेष नियम एवं शर्ते यथावत रहेगी।
हस्ता./- (एम.एल. जैन) प्रबन्ध संचालक

www.readwhere.com

जनसत्ता

4 अप्रैल, 2020

मदद की दरकार

कोरोना महामारी से निपटने के लिए चिकित्सा कर्मियों, पुलिस-प्रशासन, सेना, अर्धसैनिक बलों सहित एक सुव्यवस्थित और विशालकाय तंत्र के साथ-साथ पैसे की भी जरूरत है। इस विपत्ति से निकलने के लिए हालांकि केंद्र सरकार ने अपने स्तर पर प्रयास किए हैं और तात्कालिक राहत के तौर पर पिछले दिनों करीब पौने दो लाख करोड़ रुपए का पैकेज भी जारी किया। लेकिन यह पर्याप्त नहीं है, यह सरकार भी समझ रही है। यह पैकेज फौरी जरूरतें ही पूरी करेगा। पर महामारी से एक नहीं, कई स्तरों पर मुकाबला करना है। अचानक आई इस विपदा के सामने राज्य सरकारों के हाथ-पैर फूलना स्वाभाविक हैं। इसीलिए गुरुवार को प्रधानमंत्री के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए हुई बैठक में राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने आर्थिक मदद की गुहार लगाई। राजस्थान, पश्चिम बंगाल, पंजाब, तेलंगाना, महाराष्ट्र जैसे राज्यों ने प्रधानमंत्री से कहा कि केंद्र जल्द ही उनके बकाए का भुगतान करे और राज्यों के लिए विशेष पैकेज भी जारी करे।

हालांकि इस तरह की मांग करने वाले राज्यों में विपक्षी दलों की सरकार वाले राज्य प्रमुख हैं। लेकिन अभी पक्ष-विपक्ष की राजनीति से दूर रह कर मदद पर गौर करने की आवश्यकता है और सरकार को इस पर विचार करना चाहिए। इस वक्त देश के सभी राज्यों को महामारी से निपटने के लिए भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं कि पैसे के अभाव में राज्य कोरोना से नहीं निपट पाएंगे। सामान्य परिस्थितियों में केंद्र और राज्यों के बीच बकाया रकम का लेनदेन एक सामान्य प्रक्रिया के तहत चलता रहता है और कोई मुद्दा नहीं बनता। लेकिन अब राज्यों की मुट्ठी तंग है। सबके सामने पहाड़ जैसा संकट है। इस वक्त सबसे बड़ा काम कोरोना संदिग्धों की पहचान, व्यापक स्तर पर लोगों की जांच और संक्रमित मरीजों का इलाज है, ताकि बीमारी को फैलने से रोका जा सके। पश्चिम बंगाल ने केंद्र से आर्थिक मदद के रूप में ढाई हजार करोड़ रुपए और बकाया के रूप में पचास हजार करोड़ रुपए मांगे हैं। पंजाब ने भी केंद्र से अपने हिस्से के साठ हजार करोड़ रुपए देने को कहा है। महाराष्ट्र सरकार पच्चीस हजार करोड़ रुपए मांग रही है, जिसमें अठारह हजार करोड़ जीएसटी के हैं। केंद्रीय करों में से एक हिस्सा केंद्र राज्यों को देता है। लेकिन पिछले कुछ समय से कई राज्यों को उनका बकाया मिल नहीं पाया है।

कोरोना से जंग के लिए राज्यों ने अपने स्तर पर वित्तीय संसाधन जुटाने के लिए वेतन में कमी करने जैसे कदम उठाए हैं। राजस्थान सरकार ने अपने मंत्रियों, विधायकों और अधिकारियों के वेतन का बड़ा हिस्सा स्थगित करने का फैसला किया है। इतना ही नहीं, पेंशनभोगियों को भी तीस फीसद कम पेंशन मिलेगी। महाराष्ट्र में भी मंत्रियों और विधायकों को साठ फीसद कम वेतन मिलेगा। महाराष्ट्र सरकार के अधिकारियों और कर्मचारियों के वेतन में भी पचास से पच्चीस फीसद की कमी की गई है। तेलंगाना सरकार भी आइएएस, आइपीएस अधिकारियों को साठ फीसद कम वेतन देगी। राज्य सरकारें ये कदम इसलिए उठा रही हैं, क्योंकि कोरोना पीड़ितों की तादाद बढ़ने का खतरा है। ऐसे में पीड़ितों के इलाज और चिकित्सा कर्मियों के लिए बचाव के जरूरी सामान खरीदे जाने हैं। पूर्ण बंदी की वजह से राज्यों में ठप पड़ गए उद्योग-धंधों को मदद देनी है। वेतन-भत्तों की मद में हजारों करोड़ रुपए खर्च होते हैं। ऐसे में सरकारों के सामने हालात सामान्य होने तक ऐसे कदम उठाने के अलावा कोई विकल्प भी नहीं रह जाता है।

संकट के बरक्स

इस समय जब कोरोना संक्रमण का चक्र तोड़ने की मंशा से पूरे देश में पूर्ण बंदी है और सरकारें लोगों को रोजमर्रा की हर चीज उपलब्ध कराने की अपनी वचनबद्धता दोहरा रही हैं, राशन आदि को लेकर अव्यवस्था का आलम बना हुआ है। राशन की दुकानों, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के केंद्रों आदि पर लोगों को असुविधा न हो, इसलिए सरकारों ने लोगों को अतिरिक्त राशन सामग्री उपलब्ध कराने के आदेश दिए हैं। हर जगह वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के हर संभव प्रयास हो रहे हैं। लोगों को घर बैठे वस्तुएं उपलब्ध हो सकें, इसलिए आनलाइन खरीदारी और राशन वितरण की सुविधा को कारगर बनाने पर जोर है। मगर हालत यह है कि राशन की दुकानों पर घंटों लंबी कतारें लगी देखी जा रही हैं, जिससे सामाजिक दूरी का निर्वाह न हो पाने के कारण कोरोना संक्रमण के चक्र को तोड़ने का संकल्प धुंधला नजर आ रहा है। इसी तरह सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत पंजीकरण कराने के लिए साइबर कैफे के सामने लंबी कतारें देखी जा रही हैं। पंजीकरण के लिए मनमाने शुल्क वसूले जा रहे हैं, सो अलग समस्या है, पंजीकृत लोगों को भी राशन नहीं पहुंच पा रहा। इससे लोगों में नाहक अफरा-तफरी मची हुई है। यह स्थिति दिल्ली की है, जहां अधिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। फिर दूर-दराज के गांवों-कस्बों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

इस अव्यवस्था के पीछे एक बड़ा कारण यह माना जा रहा है कि पूर्ण बंदी की घोषणा करने से पहले सरकारों को रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के लिए समुचित तैयारी का वक्त नहीं मिला। फिर लोगों में यह आशंका व्याप्त हो गई कि न जाने यह बंदी कितने दिन खिंचेगी। इसलिए लोग जरूरत से कहीं अधिक राशन जुटाने में जुट गए। हालांकि सरकारों ने दावा किया कि राशन की दुकानों पर भरपूर राशन उपलब्ध है और इसके लिए घबराने की जरूरत नहीं है, पर हकीकत यह है कि लोगों को राशन उपलब्ध नहीं हो पा रहा। दिल्ली सरकार ने लोगों को मुफ्त राशन वितरण का अभियान भी चला रखा है, फिर भी राशन की दुकानों के आगे भीड़ कम नहीं हो रही। आनलाइन खरीददारी का आलम यह है कि लोग आदेश दे रहे हैं, पर सामान उन तक नहीं पहुंच पा रहा। इससे सरकारी दावों और प्रयासों पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है।

रोजमर्रा की वस्तुओं की समुचित उपलब्धता न हो पाने के पीछे एक कारण तो यह हो सकता है कि बंदी की वजह से शुरुआती दिनों में माल ढुलाई करने वाले वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित हुई थी। फिर आवागमन के सार्वजनिक वाहन बंद होने और लोगों को पास वगैरह उपलब्ध न हो पाने के कारण दुकानों पर कर्मचारियों की कमी है। इस वजह से जहां कई लोग काम करते थे, वहां एक-दो लोगों को सारे काम निपटाने पड़ रहे हैं। फिर दुकानें भी कम खुल रही हैं। बहुत सारे शॉपिंग मॉल और मुहल्लों की दुकानें नहीं खुल पा रहीं। तिस पर वस्तुओं की मांग बढ़ी है। इसलिए भी राशन और रोजमर्रा की दूसरी वस्तुओं की आपूर्ति में बाधा उत्पन्न हो रही है। पर अब बंदी के दस दिन हो रहे हैं, इतने दिनों में भी सरकारें जरूरी सामान की अपूर्ति सुनिश्चित नहीं कर पा रही हैं, तो उनकी तैयारियों पर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। दुकानदारों के वस्तुओं की मनमानी कीमतें वसूलने की प्रवृत्ति पर सख्ती से अंकुश लगाने के अलावा वस्तुओं की समुचित आपूर्ति कराने के लिए सरकारों को नए सिरे से विचार करने की जरूरत है।

कल्पमेधा

कोई भ्रम न पालना न केवल सम्मानजनक होता है, अपितु निरापद और लाभप्रद भी।

– जोसेफ कोनराड

कब मिलेगा कोरोना का टीका

अतुल कनक

दुनिया को महामारी से बचाने के लिए धन का इंतजाम तो किया जा सकता है, लेकिन कोविड-19 का संक्रमण फिलहाल अतिरिक्त समय की अनुमति नहीं दे रहा, क्योंकि कुछ लोगों में एक संक्रमण का इलाज हो जाने के बाद भी दोबारा बीमारी के लक्षण देखे गए हैं। लक्षणों की यह पुनरावृत्ति चिंता में डालती है और किसी निरोधक उपाय के त्वरित विकास की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

सारी दुनिया इस समय नॉवेल कोरोना वायरस के संक्रमण की आशंका से परेशान है। इस परेशानी का एक बड़ा कारण यह है कि अभी तक इस संक्रमण के उपचार का कोई माकूल बंदोबस्त नहीं किया जा सका है। हालांकि भारत सहित दुनिया के कई शहरों में इस वायरस के संक्रमण से बीमार हुए लोग स्वस्थ भी हुए हैं, लेकिन खुद इलाज करने वालों ने स्वीकार किया है कि उन्होंने बीमारी के लक्षणों को देखते हुए अंधेरे में तीर चलाया था, और सौभाग्य से वह निशाने पर जा लगा। शायद यही कारण है कि कोरोना वायरस के इलाज को लेकर अनेक अफवाहों का बाजार भी गर्म है। किसी ने कह दिया कि मिथाइल एल्कोहल पीने से इस वायरस का संक्रमण नहीं होता, तो ईरान में बहुत से लोगों ने मिथाइल एल्कोहल पी लिया और इस नासमझी से (मीडिया रिपोर्टों के अनुसार) तीन सौ लोग मारे गए। दरअसल, आदमी जब डर में होता है या उसे अपनी रक्षा का कोई उपाय नहीं सूझता, तो फिर वह इसी तरह की मूढ़ताओं की शरण में चला जाता है। हमें समझना होगा कि कोरोना वायरस कोई अकेला वायरस नहीं है, अपितु वायरसों का पूरा परिवार है और दुनिया को इन दिनों आशंकित और आतंकित कर रहा नॉवेल कोरोना वायरस, जिसे वैज्ञानिकों ने कोविड- 19 नाम भी दिया है, इस परिवार का सबसे नया सदस्य है।

कोरोना लैटिन भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ होता है राजमुकुट। जब सूक्ष्मदर्शी द्वारा कोरोना परिवार के वायरस को पहली बार देखा गया था, तो उसके आसपास रही कांटों जैसी संरचना के कारण वह किसी यूरोपीय राजा के मुकुट की तरह लगा था और इसीलिए उसे कोरोना नाम दिया गया था। इस परिवार के वायरस मनुष्य के श्वसन तंत्र को इस तरह संक्रमित करते हैं कि सांस लेना लगातार मुश्किल होता चला जाता है। नॉवेल कोरोना वायरस के कोविड 19 नाम में जहां 'को' कोरोना शब्द का प्रतिनिधित्व करता है, वहीं 'वी' अक्षर वायरस के लिए और 'ड' अक्षर डिजीज अर्थात बीमारी के लिए है। चूंकि इस वायरस के बारे में सबसे पहले दिसंबर 2019 में पता चला था, इसलिये कोविड शब्द के साथ '19' भी जोड़ दिया गया। महत्त्वपूर्ण है कि इस वायरस के प्रसार का आरोप चीन पर लगा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो इसे चीनी वायरस नाम भी दिया था। लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि किसी वायरस का कोई एक देश नहीं होता। इसलिए उसके नाम के साथ किसी देश का नाम नहीं जोड़ा जाना चाहिये। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तो कोविड-19 को चीनी वायरस कहने के लिए ट्रंप को खरी-खोटी भी सुनाई। कोविड-19 इसलिए भी बहुत खतरनाक है कि यह तेजी से संक्रमित व्यक्ति के दोनों फेफड़ों को खराब करता है। चूंकि यह कोरोना परिवार का ही सदस्य है और इन दिनों सबसे ज्यादा सक्रिय है, इसलिए आम बोलचाल की भाषा में इसे कोरोना वायरस ही कहा जा रहा है।

सवाल यह है कि क्या फिलहाल इस खतरनाक वायरस से संक्रमित होना ही दुनिया के लेखे में लिखा है या इसके सटीक उपचार का कोई तरीका निकट भविष्य में मिलने की उम्मीद है। महत्त्वपूर्ण है कि ऐसी बीमारियों के लिए निरोधक टीके ही सबसे कारगर उपाय होते हैं, लेकिन मुसीबत यह है कि जहां किसी टीके को विकसित करने में करोड़ों-अरबों का खर्च आता है, वहीं संक्रमण और बीमारियों के सभी पहलुओं का गहन अध्ययन और विश्लेषण करने में बहुत समय भी लगता है। आमतौर पर इस तरह के टीकों का प्राथमिक प्रयोग जानवरों पर किया जाता है, ताकि टीके के किसी प्रतिकूल प्रभाव की संभावनाओं को भी परखा जा सके और जब लंबे समय तक जानवरों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव दृष्टिगोचर नहीं होता, तब मनुष्यों पर इसका प्राथमिक प्रयोग किया जाता है और उसके परिणाम देख कर भविष्य के लिए परिशोधन किया जाता है।

दुनिया को महामारी से बचाने के लिए धन का इंतजाम तो किया जा सकता है, लेकिन कोविड-19 का संक्रमण फिलहाल अतिरिक्त समय की अनुमति नहीं दे रहा, क्योंकि कुछ लोगों में एक संक्रमण का इलाज हो जाने के बाद भी दोबारा बीमारी के लक्षण देखे गए हैं। लक्षणों की यह पुनरावृत्ति चिंता में डालती है और किसी निरोधक उपाय के त्वरित विकास की आवश्यकता को रेखांकित करती है। दुनिया के लिए यह एक सुखद खबर हो सकती है कि तमाम खतरों का सामना करते

हुए कोविड-19 के प्रस्तावित टीके के प्रथम चरण का प्रयोग पिछली 16 मार्च को अमेरिका के सिएटल शहर में स्थित वाशिंगटन हेल्थ रिसर्च इंस्टीट्यूट में कुछ स्वयंसेवकों पर किया गया है। अठारह से पचपन वर्ष की उम्र के इन स्वास्थ्य स्वयंसेवकों पर अब इस टीके के प्रभाव का अध्ययन किया जा रहा है। महत्त्वपूर्ण यह भी है कि शायद पहली बार किसी बीमारी के प्रतिरोधक टीके का इस्तेमाल पहले जानवरों पर नहीं किया जाकर सीधे मनुष्य पर किया गया है। यों विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में अलग-अलग संस्थानों में करीब चालीस कोविड-19 प्रतिरोधक टीकों पर शोध कार्य हो रहा है। सिएटल में प्रयोग किए गए टीके को एमआरएनए-1273 (मैसेंजर राइबोन्यूक्लेसिक एसिड -1273) नाम दिया गया है। भारत के पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया भी एक अमेरिकी कंपनी के साथ कोरोना के प्रतिरोधक टीके पर काम कर रहा है। वैज्ञानिकों के लिए इसे उपलब्धि माना जा रहा है कि इतनी जल्दी वह विषाणु प्रतिरोधक टीके के विकास के पहले चरण तक पहुंच गए। उल्लेखनीय है कि इस तरह के शोध कार्य को प्रोत्साहित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'कोएलिशन फॉर एपिडेमिक प्रिपेअरिक्लुअर इनोवेटिव्ज' (सीईपीआइ) नामक संगठन है और भारत भी उसका सदस्य है।

हालांकि चीन में कोरोना संक्रमण की शुरुआत पिछले साल दिसंबर में ही हो गई थी, लेकिन आधिकारिक तौर पर यह सात जनवरी को पता चला कि इस संक्रमण का कारण कोरोना परिवार का एक नया वायरस है। इस वायरस की जैविक संरचना को चीन ने अंतरराष्ट्रीय जगत के साथ 12 जनवरी को साझा किया। इसके बाद वैज्ञानिकों ने तेजी से इस पर काम किया और 24 फरवरी को एमआरएनए-1273 नाम का टीका अमेरिका के 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ फॉर ह्यूमन टेस्टिंग' को भेजा और आवश्यक परीक्षणों के बाद पिछली 16 मार्च को स्वास्थ्य स्वयंसेवकों के पहले दस्ते पर इस टीके का पहला परीक्षण किया गया। कोविड-19 का टीका बनाने पर इतनी तेजी से काम इसलिए शुरू हो गया, क्योंकि वैज्ञानिकों के पास कोरोना परिवार के वायरसों की जैविक संरचना की जानकारी पहले से थी। इस समय दुनिया में तीन दर्जन से अधिक नामी संस्थान कोरोना वायरस का टीका विकसित करने पर काम कर रहे हैं। किस के प्रयासों को अंततः यश और सफलता की प्राप्ति होगी, यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

हालांकि प्रथम चरण के परीक्षण को ही अभी कोविड-19 के खिलाफ शुरू हुई लड़ाई का अंत नहीं माना जा सकता, क्योंकि स्वास्थ्य स्वयंसेवकों के परीक्षण के बाद उन पर हुए प्रभावों का विस्तृत विश्लेषण होगा, उसके बाद प्रयोगशाला में उस विश्लेषण के आधार पर प्राप्त निष्कर्षों पर काम होगा, फिर मानक स्तर तक किसी टीके के प्रमाणीकरण के लिए विविध प्रयोग होंगे और अंत में सभी स्तरों पर सुरक्षा और लाभ तय हो जाने के बाद इस टीके को बाजार में उतारा जाएगा। समस्त परिस्थितियां अनुकूल रहीं और इसी तरह युद्ध स्तर पर काम चलता रहा तो भी बाजार में कोविड-19 का वांछित टीका आने में कम से कम एक साल तो लगेगा ही।

गंदी आदत

नरेंद्र जांगिड़

दुनिया मेरे आगे

भारतीय समाज में थूकने की आदत इतनी प्रबल और सर्वव्यापी है कि थोड़ी-थोड़ी देर बाद हम न थूकें तो बेचैनी होने लगती है, ठीक उसी प्रकार जैसे थोड़ी-थोड़ी देर बाद हम अपना मोबाइल फोन न देखें तो परेशान हो जाते हैं। भारत में कहीं भी थूकना एक अधिकार जैसा माना जाता है। रुपए गिनते हुए, कॉपी-किताब के पन्ने उलटते समय, गाड़ी का शीशा चमकाने के लिए इससे बेहतर, सस्ता और सदा उपलब्ध होने वाला द्रव भला और कहां मिलेगा!

जब थूकने की तलब लगी हो तो उचित स्थान की तलाश करने का समय कहां होता है, कौन उठाए वॉश बेसिन या नाली ढूंढ़ने या उस तक चल कर जाने की जहमत। नई दीवार, सड़क या फर्श पर थूकने का आनंद ही कुछ अलग होता है! स्वच्छ भारत अभियान को स्वच्छंद भारत अभियान में तब्दील करने की जिम्मेदारी भी तो हमारी ही है। पुराने जमाने में नवाबों के साथ नौकर पीकदान लेकर चलते थे, जो आज भी देश के कई संग्रहालयों में देखने को मिल जाते हैं। गुटका, खैनी, पान और तमाम तरह के पान मसाले चबाने की आदत थूकने की परंपरा को निरतंर समृद्ध बनाए हुई है। गुटका और पान मसाला कंपनियों द्वारा विज्ञापन भी इस तरह दिखाए जाते हैं मानो गुटका नहीं चबाया तो हमारा जीवन व्यर्थ है। और अगर चबा लिया तो फिर दुनिया आपके कदमों में होने से कोई नहीं रोक सकता! खैर, सरकार ने कानून बना कर विज्ञापन पर करोड़ों रुपए खर्च किए हैं, पर हालात जस के तस हैं। कैंसर का डर दिखाती गुटके के पैकेट पर छपी तस्वीरें भी पान मसाले की बिक्री कुछ कम नहीं कर पाईं। आखिर संस्कृति का जो मसला है, सदियों से पान और खैनी हमारी संस्कृति की पहचान रही है।

सरकारी दफ्तर, कचहरी, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, सड़कें सब जगह पीक-चित्रकारी के दर्शन आसानी से सुलभ हो जाते हैं। किसी विदेशी को थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन हम भारतीयों के लिए यह चित्रकारी जीवन का बिल्कुल सहज अंग बन चुकी है।

मैं खड़ी बस, कार या बाइक के एकदम पास से गुजरने से हमेशा डरता हूं और इस डर की वजह है भारतीयों की थूकने की आदत। कुछ लोग चलती कार का दरवाजा खोल कर थूकने के अपने हुनर का शानदार सार्वजनिक प्रदर्शन भी करते हैं। कार-बाइक चलाते हुए अगर अगली बस की खिड़की से पीक के छींटे आप पर भी आते हैं तो जनाब, संस्कृति के लिए थोड़ा सहन करना सीखिए। कुछ लोग बस या रेल की यात्रा में खिड़की की सीट लेना ही पसंद करते हैं, ताकि पूरे सफर आराम से पीक थूक सकें और अगर दुर्योग से खिड़की सीट नहीं मिली तो वहां बैठे यात्री की यात्रा का खराब होना तय है।

थूकने की संस्कृति के कई उदाहरण हैं जैसे अफ्रीका की मसाई जनजाति के लोग एक-दूसरे पर थूक कर अभिवादन करते हैं। हाथ भी मिलाया जाता है, तो पहले एक-दूसरे के हाथों पर थूका जाता है। यहां तक कि नवजात शिशु को आशीष देने के लिए भी उस पर थूका जाता है। लेकिन वे जनजातीय लोग हैं और हम सभ्य लोग। पर हम अपने सभ्य होने का परिचय नहीं दे पाते और जाने-अनजाने मसाई जनजाति की तरह लोगों के कपड़ों और मुंह पर थूक के छींटे पड़ ही जाते हैं।

इस थूको संस्कृति के कारण ही भारत में थूक पर कहावतें भी खूब गढ़ी गईं। मसलन, आसमान पर थूकना, थूक कर चाटना, हथेली पर थूकना, थाली में थूकना, उपकार पर थूकना, गुस्सा थूकना, थूक निगलना वगैरह।

गांव देहात में किशोर कब बड़ों के साथ बैठे-बैठे पान मसाला खाने और उन्हीं की तरह थूकना चालू कर देते हैं, पता भी नहीं चलता। संस्कृति इस प्रकार एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में प्रवाहित हो जाती है। पर मेट्रो कल्चर ने तो लोगों के थूकने पर ही प्रतिबंध लगा दिया है। जुर्माने की भी इसमें महत्त्वपूर्ण भूमिका है, वरना पान-गुटखा-तंबाकू खाकर सर्वत्र थूकने को अपना मौलिक अधिकार समझने वाले लोग मेट्रो स्टेशनों और मेट्रो के डिब्बों का भी वही हाल कर देते, जो आम स्टेशनों और गाड़ियों का कर देते हैं।

पर जब हम थूकते हैं तो उसके साथ हमारे शरीर में उपस्थित जीवाणु भी वायुमंडल में आ जाते हैं और उसके आसपास से गुजरने वाले व्यक्ति को संक्रमित कर देते हैं। इस तरह सार्वजनिक स्थलों पर थूकने से टीबी जैसे घातक रोग फैलते हैं, जिससे थूकने को लेकर सावधानी की जरूरत है। नहीं तो हम कितना भी झाड़ू लगा लें, कुछ नहीं होगा, क्योंकि थूकने वालों की संख्या झाड़ू लगाने वालों से ज्यादा है। इसे रोकने के लिए सख्त कानून बनाना होगा। इसकी ब्रिकी और खरीद के साथ ही उत्पादन पर रोक लगानी होगी।

चौपाल

असुरक्षित डाक्टर

कोरोना कहर के बीच डाक्टरों के लिए विकट स्थिति बन गई है। एक तरफ उन्हें पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों के अभाव में जान जोखिम में डाल कर कोरोना संक्रमितों का इलाज करना पड़ रहा है, तो दूसरी तरफ मरीज के परिजनों द्वारा की जाने वाली मारपीट और गालीगलौच का भी सामना करना पड़ रहा है। इंदौर में हाल में इस तरह की घटनाओं में डाक्टरों को जैसे-तैसे अपनी जान बचा कर भागना पड़ा, जिनमें महिला डाक्टर भी शामिल थीं। उधर दिल्ली में हिंदूराव अस्पताल में रोज दो से तीन डाक्टर और नर्स सुरक्षा उपकरणों जैसे मास्क, सैनेटाइजर और पीपीई (पर्सनल प्रोटेक्शन इक्विपमेंट) आदि के अभाव में इस्तीफे की पेशकश कर रहे हैं, जबकि अस्पताल प्रशासन द्वारा इस्तीफा देने वालों को सख्त चेतावनी दी जा रही है।

इसमें कोई दो मत नहीं कि धरती पर भगवान का रूप कहे जाने वाले डाक्टरों की जिंदगी इन दिनों दाव पर लगी है। एक तरफ उन्हें मरीजों के इलाज का दबाव और दूसरी तरफ खुद को संक्रमण से बचाने की चुनौती से जूझना पड़ रहा है। इसके अलावा मरीजों के परिजनों के बुरे बर्ताव, पत्थरबाजी और गालीगलौच का भी सामना करना पड़ रहा है जो कि निंदनीय ही नहीं, शर्मनाक और अमानवीय भी है। इंदौर की घटना में तो डाक्टरों पर थूकने तक की हरकत की गई। मरीज के परिजनों को धैर्य और संयम बरतना चाहिए। उन्हें समजना चाहिए कि संकट की इस घड़ी से बचाव का एकमात्र जरिया ये निहत्थे सैनिक डाक्टर ही हैं। यह समझना चाहिए कि कोरोना युद्ध में ये डाक्टर मोर्चे पर लड़ रहे हैं और हम घरों में बैठे हैं। अफसोस यह भी है कि हमारे इन डाक्टर रूपी सैनिकों के पास खुद के बचाव के पर्याप्त सुरक्षा उपकरण भी नहीं है। उन्हें खुद के संक्रमित होने का खतरा भी है। ऐसे में डाक्टरों की सेवाएं प्रणम्य है। हमें उनका उत्साह बढ़ाते हुए साथ देना चाहिए, न कि उन पर पत्थर बरसाना चाहिए। ऐसा करने से हमारा ही नुकसान होगा। अगर डाक्टर काम करना बंद कर देंगे तो इस आपात स्थिति में मरीजों का इलाज कौन करेगा। अतः मरीज के परिजन धैर्य और संयम के साथ डाक्टरों से सहानुभतापूर्ण तरीके से पेश आएं, इसी में सबकी भलाई है। हमें डाक्टरों का मनोबल ऊंचा रखना होगा। कोरोना से जंग में यही डाक्टर हमारे रक्षक हैं।

● *देवेंद्र जोशी, उज्जैन*

जिम्मेदारी का अहसास

बड़े-बड़े देश कारोना जैसी महामारी से जूझ रहे हैं। भले इस महामारी से निपटने का कोई विकल्प न निकल पा रहा हो, लेकिन सभी देश पूर्ण रूप से प्रयासरत हैं। कोरोना ने देश की अर्थव्यवस्था तो उथल-पुथल की ही है, साथ ही आम जन जीवन भी ठप कर दिया है। जबसे कोरोना के बचाव के लिए प्रधानमंत्री ने देश में संपूर्ण बंदी का ऐलान किया, तभी से लोग अपने अपने घरों में बंद हैं। इक्कीस दिनों की इस बंदी से हम कोरोना के संक्रमण को कम करने में तो शायद कामयाब हो जाएं, पर जो आर्थिक मंदी देश में आई है, उससे निकलने में शायद हमें सालों लग जाएंगे। फिलहाल एक जिम्मेदार नागरिक की तरह हमें प्रधानमंत्री और उन सभी की सहायता करनी चाहिए, जो हमारे लिए चिंता करे बगैर दिन-रात देश को इस महामारी से बाहर निकालने का प्रयास कर रहे हैं। हमें तो बस इतना करना है कि अपने घरों में रहना है। अपने घर में रह कर हम इस महामारी को देश से जड़ से निकाल फेंकने में बहुत बड़ा सहयोग दे सकते हैं।

● *स्वर्णिमा बाजपेयी, देहरादून*

किसी भी मुद्दे या लेख पर अपनी राय हमें भेजें। हमारा पता है : ए-8, सेक्टर-7, नोएडा 201301, जिला : गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश

आप चाहें तो अपनी बात ईमेल के जरिए भी हम तक पहुंचा सकते हैं। आइडी है : chaupal.jansatta@expressindia.com

शर्मनाक हरकत

देश में फैले कोराना वायरस संक्रमण से लोगों की जान बचाने वाले देश के स्वास्थ्य कर्मी, पुलिसकर्मी जो मुश्किल की इस घड़ी में समाजसेवा में लगे हैं, पूरा देश आज इनके साथ खड़ा है और उनके जज्बे को सलाम करता है। लेकिन हाल में इंदौर में डाक्टरों की टीम पर किया गया हमला निंदनीय है। साथ ही, उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में जमात के लोगों द्वारा अस्पताल की नर्सों, डाक्टरों के साथ जिस तरह की हरकतें सामने आई हैं, उनसे सभी का मन दुखी हुआ। इस घटना ने मानवता को शर्मसार कर दिया है। ऐसे परस्त लोगो को सख्त से सख्त सजा देना चाहिए।

● *पूनम चंद सीरवी, कुक्षी (मध्य प्रदेश)*

खिंचाई के बजाय साथ दें

कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने देश में कोरोना महामारी रोकने के लिए की गई पूर्ण बंदी पर सवाल उठाए हैं। उनके अनुसार पूर्ण बंदी जरूरी तो थी, लेकिन इसे लागू ठीक से नहीं किया गया। इस संकट काल में सोनिया गांधी जी से निवेदन है कि कांग्रेस पार्टी को सरकार के साथ खड़ा होना चाहिए, न कि राजनीति के वशीभूत सरकार का हौसला तोड़ा जाए। माना जा सकता है कि सरकार को इस आकस्मिक संकट के समय कुछ कड़े और त्वरित फैसले लेने पर विवश होना पड़ा, जिसके कारण अनेक लोगों को बड़ी असुविधा हुई। लेकिन क्या तालाबंदी को और समय तक टालने से महामारी की विकरालता और भयावह नहीं होती? समझना होगा कि कुछ कठिनाइयां सहन करने से देश का अधिक हित हुआ है। सभी राजनीतिक दलों और अन्य विचारकों को तमाम राजनीतिक और वैचारिक मतभेद भुला कर देश पर आए विपत्तिकाल के विरुद्ध सरकार के हाथ मजबूत करें।

● *सतप्रकाश सनोठिया, रोहिणी, दिल्ली*

कड़ी कार्रवाई हो

कोरोना के कहर आगे समूचा विश्व बेबस है। कहीं अस्पतालों में अफरा-तफरी का माहौल है, तो कहीं इंसान सहमा हुआ प्रतीत होता है। एक वायरस के आगे आधुनिक वैज्ञानिक सभ्यता लाचार दिखाई पड़ती है। आज सभी देश इस आपदा से निपटने में जुटे हैं। भारत ने कोई कसर नहीं रख छोड़ी है, लेकिन संक्रमण अपना पांव पसारता ही जा रहा है। भारत में संक्रमण आने के पीछे विदेश से आए लोग जिम्मेदार हैं। अगर सरकार ने वक्त की नजाकत को समझते हुए विदेश में रह रहे भारतीयों की चिंता पहले की होती, तो आज देश पूर्ण बंदी नहीं झेल रहा होता। अब देश में जब संक्रमण प्रवेश कर चुका है, तब प्रयास जोर पकड़ने लगे हैं। दिल्ली में तबलीगी मरकज के आयोजन ने भी प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है।

● *अली खान, जैसलमेर*

www.readwhere.com

नजरिया दोहरा

कोरोना विषाणु को लेकर प्रधानमंत्री ने 22 मार्च को एक दिन के जनता कर्फ्यू का ऐलान किया था। पूर्णबंदी की घोषणा तो उन्होंने 24 मार्च की रात को की थी। लेकिन उत्तराखंड में तो मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने 23 मार्च को ही 31 मार्च तक के पूर्णबंदी का ऐलान कर दिया था। यानी पूर्णबंदी के मामले में वे चौकस दिखे। प्रधानमंत्री की बंदी की घोषणा के बावजूद मुख्यमंत्री ने हरिद्वार में फंसे पंद्रह सौ से ज्यादा गुजरात के लोगों को लग्जरी बसों से गुजरात रवाना कर दिया था। उनके परिवहन मंत्री यशपाल आर्य को भनक भी नहीं लग पाई थी। अपनी उपेक्षा से आर्य परेशान भी हुए थे। बेचारे कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए हैं। एक तरफ गुजरातियों से मोह और दूसरी तरफ अपने ही सूबे के दूसरों सूबों में फंसे लोगों की अनदेखी। लिहाजा मुख्यमंत्री की किरकिरी हुई। उसके बाद मुख्यमंत्री ने एलान किया कि उत्तराखंड के जो लोग अन्य राज्यों में फंसे हुए हैं, उन्हें उत्तराखंड लाया जाएगा। साथ ही जो लोग उत्तराखंड में विभिन्न जिलों में फंसे हैं, उन्हें उनके जिलों में पहुंचाने का इंतजाम किया जाएगा। जिसके बाद कई राज्यों से उत्तराखंड के लोगों को बसों में लाया जा रहा था। इसी बीच केंद्रीय गृहमंत्री ने ऐलान कर दिया कि कोई एक जगह से दूसरी जगह न जाएं। नतीजतन उत्तराखंड के लोगों को राज्य में ला रही बसों ने बीच रास्ते हरियाणा में ही पटक दिया। जिससे वे और परेशान हुए।

बेबाक बोल

'वो हमें रोकने और अलग करने की कोशिश कर रहे हैं। वो हमसे कह रहे हैं कि एक जगह इकट्ठा न हों। वो हमें यह कहकर डराने की कोशिश कर रहे हैं कि इस वायरस से हम संक्रमित हो जाएंगे। वो चाहते हैं कि हम एक-दूसरे के साथ न बैठें। आज अगर इस बीमारी की वजह से मुसलमान का अकीदा खत्म हो जाता है तो ये बीमारी खत्म हो जाएगी मगर ये अकीदा खत्म नहीं होगा।' मौलाना मोहम्मद साद कांधलवी का यह कुतर्क साबित करने के लिए काफी है कि धर्मांधता का एक विषाणु पूरे देश को मरघट बनाने के कगार पर ले आता है। तबलीगी जमात की वजह से कोरोना का दंश 14 राज्यों में फैल गया है। जमात के 647 लोग संक्रमित पाए गए हैं। महज दिल्ली में तीन अप्रैल तक कोरोना के मरीजों की संख्या 386 हो गई और शुक्रवार शाम तक 259 मरीज मरकज से जुड़े हुए मिले। पूरे भारत में तबलीगी मरकज से पहुंचे संक्रमण के बाद धर्मांधता और सरकारी लापरवाही के मरघटी मंजर पर बेबाक बोल।

मरकज-ए-मरघट

मुकेश भारद्वाज

'मुझको उस वैद्य की विद्या पर तरस आता है
भूखे लोगों को जो सेहत की दवा देता है'

उत्तर प्रदेश के बरेली में कमजोर तबके के लोगों को सड़कों पर बिठा जब उनकी देह पर कीटनाशक का छिड़काव किया जा रहा था तो लगा कि 'रामायण', 'महाभारत' और 'शक्तिमान' के साथ यह धर्मवीर भारती के 'अंधा युग' के पुनर्पाठ का भी समय है। जिम्मेदारों की आंखों पर बंधी पट्टी को खोल उसे सवालों का परचम बनाने की जरूरत है।

जब कोरोना के विषाणु से सुरक्षा के लिए शहरी आबादी घर से दफ्तर चला रही थी तो घर और दफ्तर बनाने वाले नगर के नूर से बेदखल थे। राजमार्ग पर उनका कारवां पैदल ही चल पड़ा तो सभ्यता ने शर्म से अपनी आंखें मूंद लीं। और, उसके बाद वही हुआ जिसके लिए हम जाने जाते हैं। एक मस्जिद में सैकड़ों लोग जमा थे जिसका प्रशासन को इल्म न था। लापरवाही के इस विषाणु का अंजाम वही हुआ जिसके लिए इन दिनों हम अभिशप्त हो चुके हैं।

कोरोना के विषाणु से पूरा विश्व उलझ रहा है लेकिन हम अपने संदर्भ में देखें तो यहां लापरवाही, गैरजिम्मेदारी और जहालत से जर्जर देश की देह के अंग किसी भी हालात में नाकाम हो सकते हैं।

तो इस बार बहाना कोरोना है। कोरोना का विषाणु नंगी आंखों से नहीं दिखता तो हमारे जिम्मेदारों के हाल देख कर लगता है कि उन्होंने जिम्मेदारियों से बचने के लिए सुरक्षा मास्क अपनी आंखों पर बांध रखा है। अपराध शाखा ने तबलीगी जमात के अगुआ पर तो मामला दर्ज कर लिया लेकिन सुरक्षा और कानून में नाकामी के अपराध पर कब बात होगी? खुफिया एजंसियों से लेकर बीट कांस्टेबल तक को क्यों पता नहीं चल पाता है कि महामारी की आपदा के समय एक छोटी सी जगह पर इतने लोग जमा हैं। इस समय जब भीड़ का मतलब मानव बम सरीखा है तो ऐसी घोर लापरवाही कैसे हुई? शासन और प्रशासन को सूचना देने वाली बड़ी इकाई से लेकर छोटी तक की कड़ी हर वक्त नाकाम क्यों होती है? इस बार सतर्कता में आपकी लापरवाही से सिर्फ एक जगह के जमावड़े ने उत्तर से लेकर दक्षिण भारत तक कोरोना के विषाणु को पहुंचा दिया। आपका सूचना तंत्र इतना जमा हुआ क्यों था कि आपको इस जमावड़े की खबर नहीं लगी? दीन के नाम पर लोगों को ज्ञान और तर्क से विहीन करने वाले धर्मगुरुओं का संदेश आपके मुखबिरों के कान तक क्यों नहीं पहुंचा? पहले की ही तरह जिम्मेदार कौन का जवाब इस बार भी नहीं मिलना है, पर हर नए संकट पर यह पुराना सवाल स्वतःस्फूर्त चस्पां हो जाता है।

दिल्ली में जब राजमार्ग से होते हुए मजदूरों का काफिला अपने गांव की पगडंडी तक पहुंचने को हुआ तो राजधानी की सूनी सड़कों पर सरकार ने होर्डिंग लगाए। जब आसन्न भुखमरी की मार के डर से पैदल ही गांव की ओर बेदखल हुए तो शहर की सड़क पर लोगों से दिल्ली न छोड़ कर जाने की अपील की गई थी। कारवां गुजर जाने और गुबार से उबर जाने के बाद यह होर्डिंग बताता है कि जनता के अधिकारों का नाशक बनने के बाद सरकार उनके साथ कैसे कीटों जैसा व्यवहार करती है। सरकार के मंत्री ट्वीटर पर जब मजदूरों को दिल्ली नहीं छोड़ने का संदेश दे रहे थे, तब तक हम अपने समय का सबसे बड़ा विस्थापन देख चुके थे। सरकार जब तक ट्वीटर पर आने के लिए जूते पहन रही थी तब तक कई तरह की अफवाह वाट्सऐप समूहों में फैल चुकी थी। राजमार्ग से गुजर रहे मजदूरों को जब संक्रमण फैलाने का अपराधी घोषित किया जा रहा था तब हमें अंदाजा ही नहीं था कि धर्म के नाम पर जुटी भीड़ हम सबके लिए कितना बड़ा खतरा बनने वाली है।

निजामुद्दीन मरकज में शामिल हुए जमातियों को अमदाबाद के पृथक केंद्र में ले जाते हुए।

सरकार और जनता के रिश्ते को परिभाषित करने के लिए नर्मदा बचाओ आंदोलन से जुड़ा एक प्रसंग याद आता है। सरदार सरोवर बांध के डूब क्षेत्र को लेकर सुनवाई चल रही थी। अदालत को सरकारी पक्ष ने बताया कि आबादी वाले इलाकों में पोस्टर लगा कर जनता को जागरूक किया जा रहा है। अदालत ने पूछा कि डूब क्षेत्र में आने वाले वन्यजीवों के लिए क्या करेंगे। सरकारी वकील की जुबान से सरकारी तकरीर फिसल गई कि वहां भी पोस्टर...। आज मजदूरों के पलायन कर जाने के बाद नहीं जाने की गुजारिश करता हुआ सरकारी पोस्टर हमें एक बार फिर घोर निराशा में ले जाता है। लेकिन इस बार निराशा इतनी परतों में है कि इसका हर छिलका हमारी संस्थागत नाकामी को नंगा कर रहा है।

विशेषज्ञ कहते हैं कि इंसान कोरोना से नहीं अपने शरीर की जर्जरता से मरता है। जिसके शरीर में पहले से जितनी ज्यादा परेशानी उस पर उतना ज्यादा संकट। यहां तो कोरोना के साथ परिवार, समाज और सरकार के रुग्ण ढांचे से निपटना है। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में कोरोना से जिस व्यक्ति की मौत हुई उसके परिवार ने पहले प्रशासन को सूचना नहीं दी, अस्पताल में भी नर्सों के हंगामे के बाद देर से इलाज शुरू हुआ। आरोप है कि बिहार में उस युवक को पीट-पीटकर मार दिया गया जिसने शहर से लौटने वाले दो लोगों की सूचना प्रशासन को दी थी। आगरा में मेघालय के एक युवा ने पूर्णबंदी के दौरान अपने कमरे में खुदकुशी कर ली। उसे कोरोना के संक्रमण का नहीं बेरोजगारी के संकट से भय था। एक युवा यह उम्मीद खो चुका था कि सामाजिक अलगाव के दौर से बाहर निकलने के बाद उसे नौकरी मिलेगी।

आज जब स्वास्थ्यकर्मी ही इस जंग के खिलाफ सबसे बड़े योद्धा हैं तो हमारे मोबाइल तक इंदौर का वह वायरल वीडियो भी पहुंच जाता है जिसमें डॉक्टरों पर थूका जा रहा है। पिछले हफ्ते हम कोरोना के जरिए कुदरत के संदेश के कसीदे पढ़ रहे थे, विश्व की महाशक्तियों को जंगी हथियार नहीं वेंटिलेटर और अस्पताल की बात करते सुन रहे थे। हमें लग रहा था कि यह बीमारी हमारे सामाजिक और राजनीतिक ढांचे के लिए बहुत बड़ा संदेश है।

दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश से लेकर मध्य प्रदेश तक कोरोना किट सिर्फ मरीज नहीं बल्कि राज और समाज के खोखलेपन के नतीजे सामने रख रहा है। यह बता रहा है कि परिवार से लेकर सरकार तक की सेहत कितनी जर्जर है। कोरोना का कहर तो आज न कल खत्म हो ही जाना है। लेकिन परिवार से लेकर सरकार की रुग्णताओं की बात नहीं की तो जल्दी ही कोई नई समस्या हमें और खोखला कर देगी। इस महामारी के बाद भी मरीज को हिंदू और मुसलमान की तरह देख रहे हैं, मौत के डर से जिंदगी थमने के बाद भी जिंदगियों से प्यार नहीं बढ़ा पाए तो हम किसी न किसी तरह मरते ही रहने के संकट से घिरे रहेंगे।

मजहब की रहमत को जहमत बनाने वाला साद इस स्तंभ के छपने तक गिरफ्तार हो सकता है। लेकिन सोचिए कि ऐसा धर्मगुरु जनता के दिमाग को कैसे बंधक बनाता है कि वह राष्ट्र और उसकी सुरक्षा के लिए खतरा बन जाता है। साद जिस तरह से डॉक्टरों के खिलाफ जहर उगलकर लोगों को मस्जिद में जमा होने के लिए प्रेरित कर रहा था, वह 'फंसे हुए' नहीं बल्कि पूरी कौम को संक्रामक बीमारी के चक्र में फंसाने का मामला है। इस्लाम की आस्था के केंद्र सऊदी अरब में धार्मिक जमावड़े पर रोक लग गई लेकिन यहां इस्लाम की रक्षा के नाम पर लोगों की जिंदगी को खतरे में डाल दिया गया। मौत के मंजर पर धर्म की फसल काटने वाला साद सिर्फ भारत के समाज और सरकार का नहीं बल्कि पूरे ग्लोब का मुजरिम है। डॉक्टरों की फौज और वेंटिलेटर भी कुछ नहीं कर पाएंगे अगर साद जैसे धर्मांध विषाणु को तुष्टिकरण का ऑक्सीजन मिलता रहेगा।

राजपाट

मिटा दी दूरी

संकट हो तो मतभेद भुलाने में ही भलाई होती है। कोरोना विषाणु के प्रकोप से उपजा संकट तो विश्वव्यापी है। प्रकृति अपना विकराल रूप पहले भी दिखाती रही है। पर पिछले रिकार्ड बताते हैं कि कभी भी भौगोलिक दायरा किसी भी महामारी का इतना व्यापक नहीं रहा जितना कोरोना का। दुनिया का कोई देश शायद ही अछूता बचा हो। बहरहाल बात मतभेद मिटाने की हो रही थी। जान पर बनी हो तो शत्रु भी मित्र बन जाते हैं। फिर शत्रुता सियासी हो तो उसकी अवधि वैसे भी दीर्घकालिक नहीं होती। कोरोना ने राजस्थान कांग्रेस के दोनों खेमों की दूरी को अगर पूरी तरह पाटा भी नहीं तो कम तो जरूर किया है। इस सूबे में विदेशी पर्यटकों की आवाजाही बारह महीने रहती है। सो कोरोना का खतरा अपेक्षाकृत ज्यादा था। पर देश में जब इस वायरस की आहट ही सुनाई पड़ रही थी, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मोर्चा संभाल लिया था। सबसे पहले पूर्णबंदी का ऐलान भी उन्होंने ही किया था। पर मतभेद के चलते उनके उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट शुरू में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखा रहे थे सरकार की योजनाओं में। यह बात अलग है कि प्रदेश में कांग्रेस के सूबेदार अभी वे ही हैं। लिहाजा, पार्टी के स्तर पर तो सक्रियता मजबूरी थी। भीलवाड़ा की औद्योगिक नगरी में कोरोना पीड़ित ज्यादा हुए। सरकार ने समझदारी दिखाई और प्रकोप को ज्यादा नहीं बढ़ने दिया। सूबे के ज्यादातर जिले अभी तक इस विषाणु से दूर ही हैं। समस्या विकट होने लगी तो गुटबाजी को भूल सचिन पायलट भी जी-जान से जुट गए गहलोत के साथ समस्या से जूझने में। समन्वित प्रयासों के परिणाम भी अपेक्षा के अनुरूप ही आ रहे हैं। अपने नेताओं की देखा-देखी जमीनी स्तर पर भी दोनों के समर्थकों में सकारात्मक समन्वय बनने में देर नहीं लगी।

खट्टा-मीठा

कोरोना भी कमाल का रहस्यमयी और कहर ढाने वाला विषाणु है। गरीब और विकासशील ही नहीं दुनिया के तमाम विकसित देश भी इसका प्रकोप झेल रहे हैं। विज्ञान एवं तकनीक के इस अति उन्नत युग में तीन महीने बीत जाने के बाद भी मनुष्य इस महामारी की दवा नहीं बना पाया है। इसके विनाशकारी प्रभावों को लेकर भी अनुमान और आशंकाएं लगाई जा रही हैं। सबसे सबल राष्ट्र अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तो यहां तक कह चुके हैं कि दो लाख लोगों की जान लेकर भी यह वायरस अमेरिका का पीछा छोड़ दे तो गनीमत होगी। ट्रंप ने दो टूक कहा है कि उनकी पहली चिंता लोगों की जान बचाना है। अर्थव्यवस्था का क्या होगा, बाद में सोचेंगे। यानी दूरगामी प्रभाव तो अर्थव्यवस्था पर ही पड़ेगा। विश्व बैंक भी आगाह कर चुका है कि चीन और भारत पर कम मगर बाकी देशों पर ज्यादा असर होगा कोरोना का। अपनी विकास दर तो पहले से ही पिछड़ रही थी। देखने लायक बात होगी कि कोरोना के बाद का दौर कितना बड़ा संकट लाएगा और हमारी सरकार उसका मुकाबला कैसी कुशलता से करेगी। दिहाड़ी मजदूर तो अभी से त्रस्त होने लगे हैं। आशंकित उद्योग व व्यापार जगत भी कम नहीं है। सरकार को अपने तमाम वित्तीय प्रबंध और विकास योजनाएं नए संदर्भ में देखनी पड़ेंगी। गनीमत है कि आपदा के बीच फसल अच्छी होने की खबर है। यानी खाद्यान्न की कमी के संकट से तो देश बचा रहेगा। एक तरफ महामारी से आशंकाओं और अनिश्चय का वातावरण है तो दूसरी तरफ अनिष्ट के खतरों के बीच पूर्णबंदी के सकारात्मक परिणाम भी आ रहे हैं। ज्यादातर गतिविधियां ठप्प हैं तो पर्यावरण पर अनुकूल असर हुआ है। दस दिन में ही आबोहवा सुधरी है। इतना ही नहीं हर महीने सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली औसतन सवा लाख मौतों पर भी ब्रेक लगा है।

नए खतरे

मानव इतिहास की सबसे बड़ी महामारी के कारण अब लोगों की मनोदशा भी प्रभावित हो रही है। जर्मनी के वित्त मंत्री ने अपने देश की अर्थव्यवस्था के भविष्य की धुंधली तस्वीर के बारे में सोचकर आत्महत्या कर ली तो सारी दुनिया हैरान रह गई। हमारे देश में भी इस महामारी का खौफ लोगों के सिर पर सवार होने लगा है। वायरस है भी ऐसा ही। एक तो अभी इसकी दवा न होने की बात रोगी के दिमाग पर असर डालती है कि वह भगवान भरोसे है। दूसरे अलग-थलग होने (कोरेंटाइन) के कारण भी मानसिक तनाव बढ़ता है। चिकित्सा स्टाफ भी संक्रमित होने के डर से दूरी बनाता है। दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में 19 मार्च को एक पीड़ित ने खुदकुशी की थी। गुरुवार को यूपी के शामली में सरकारी अस्पताल में एक युवक ने पंखे से लटक कर खुदकुशी कर ली। तीन दिन पहले अस्पताल में भर्ती हुए इस युवक में संक्रमित होने के अभी लक्षण ही दिखे थे। जांच रिपोर्ट का इंतजार था कि मानसिक रूप से परेशान होकर उसने खुदकुशी कर ली। प्रशासन के दावों की भी पोल खुल गई कि वहां डाक्टर, नर्स और गार्ड तैनात थे। इसी दौरान सहारनपुर में भी एक सरकारी कर्मचारी आदेश ने कोरोना से भयभीत होकर सुसाइड नोट लिखा और बुधवार शाम को अपने दफ्तर में खुदकुशी कर ली।

अस्पतालों की व्यवस्था से उजागर हुआ कि चाक चौबंद बंदोबस्त के ज्यादातर सरकारी दावे हवाई है। दिल्ली के आनंद विहार बस अड्डे पर जुटी यूपी के मजदूरों की भीड़ से खुलासा हुआ ही था कि केंद्र और यूपी सरकार में तालमेल नहीं था। केंद्र के पूर्णबंदी के बावजूद उत्तर प्रदेश सरकार ने बसें चला कर दिल्ली-नोएडा के मजदूरों को उनके जिलों तक पहुंचाने का ऐलान किया था। नतीजतन अफरातफरी फैली और संक्रमण का खतरा भी बढ़ा। सरकारी लापरवाही निजामुद्दीन में मरकज में जुटे जमातियों के मामले में भी दिखी। कोई पूछे कि विदेशी बिना वीजा अपने देश में कैसे आ सकते हैं? सरकारी एजंसियों को पूर्णबंदी के ऐलान से भी पहले उन पर निगरानी रखनी चाहिए थी। निजामुद्दीन मरकज में पूर्णबंदी के बाद भी हजारों की भीड़ जमा थी, तो क्या यह दिल्ली पुलिस और सरकार के खुफिया तंत्र की लापरवाही नहीं है। अब देशभर से तबलीगी जमातियों को खोजा जा रहा है। स्वाभाविक है कि संक्रमण रोकने के लिए एहतियातन ऐसा करना जरूरी है। पर सोशल मीडिया और कुछ टीवी चैनलों पर इसे लेकर भी सियासत शुरू की जा चुकी है। जिससे सांप्रदायिक वैमनस्य का खतरा है। जबकि इस महामारी के मुकाबले के लिए सारे देश, धर्म और संप्रदायों की एकता और एकजुटता जरूरी है। साथ ही सरकारी एजंसियों का समन्वय भी।

(प्रस्तुति : अनिल बंसल)

इस विशेष पन्ने पर आपके ढेरों पत्र हमें लगातार मिलते हैं। हर बार मुमकिन नहीं कि सारे पत्रों का हम इस्तेमाल कर पाएं। पर यह तो तय है कि आपके पत्रों से आपकी पसंद और विषयों के चुनाव में हमें मदद मिलती है। इस बार का यह विशेष पन्ना आपको कैसा लगा? आप अपनी राय भेज सकते हैं।
हमारी ई-मेल आइडी है : vishesh.jansatta@expressindia.com

आपके पत्र

पलायन सरकार की गलती

कोरोना की महामारी भारत को भी अपनी जद में ले चुकी है। पूरा देश अपने घरों में कैद है और कोरोना को भगाने का एकमात्र विकल्प यही है। क्योंकि स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी है जिसके भरोसे रहना मौत को दावत देने जैसा है। सरकार की गलती कहें या कोताही कि विदेश से आने वालों की जांच नहीं हुई और समय पर कदम नहीं उठाए गए। फिर अचानक लागू की गई पूर्णबंदी से मजदूरों पर आफत आ गई। घरों की चिंता में वे परदेश छोड़कर आने लगे, यहां भी गलती हुई। सरकार अगर समय रहते सचेत हो जाती तो इस पलायन को रोका जा सकता था।

-जफर अहमद, मधेपुरा, बिहार

कोरोना के जरिए प्रकृति का संदेश

आपके लेख 'कुछ कोरोना' में विश्वभर में व्याप्त कोरोना महामारी से उत्पन्न अस्त-व्यस्त, उथल-पुथल भरी स्थिति-परिस्थिति और मौत के खौफ का सटीक चित्रण किया गया है। इस महामारी ने पूरी दुनिया को, चाहे वह गरीब हो या अमीर, शिक्षित हो या अशिक्षित, शहरी हो या ग्रामीण, सभी को ठीक उसी प्रकार एकाकार कर दिया है, जैसे बाढ़ में छोटे-बड़े सभी गड्ढे एकाकार हो जाते हैं। लेख में यह सही कहा गया है कि मौत के खौफ में जिंदगी ठहर गई है। समस्त पृथ्वी ही नहीं, बल्कि अनंत आकाश में निरंतर विचरण करने वाला मनुष्य, आज सहमा-सा घरों में बैठा है। सच बात तो यह है कि इस स्थिति में बेशक बहुत कुछ किया भी जा रहा है और कहा भी जा रहा है, लेकिन फिर भी न कुछ कहा जा रहा है और न कुछ किया जा रहा है। ऐसी दुविधाजनक स्थिति अद्भुत भी है और भयानक भी, जिस पर न कुछ कहते बन पा रहा है, न कुछ करते। एक ठहरी हुई जिंदगी में आखिर कुछ कहा और किया भी क्या जा सकता है।

मनुष्य ने अपने बौद्धिक अहंकार में कभी भी प्रकृति की शक्ति को महत्त्व नहीं दिया, बल्कि सदा उसकी उपेक्षा ही की। जैसे-जैसे मनुष्य ने प्रकृति की वरदान स्वरूपा असीम शक्ति को नष्ट किया, त्यों-त्यों वह वरदान शक्ति अभिशाप बनकर कोरोना के रूप में प्रकट हो गई। कोरोना मात्र प्रकृति का प्रकोप ही नहीं है, बल्कि प्रकृति का संदेश भी और चेतावनी भी है। कैसी विरोधाभासी स्थिति और विडंबना है कि बहुत तेज गति के समस्त वाहन निष्क्रिय खड़े हैं और मनुष्य चाहकर भी उनका प्रयोग नहीं कर पा रहा है। कोरोना ने वह स्थिति पैदा कर दी है कि भूख लगी है और भोजन भी सामने है, लेकिन खा नहीं सकते। इस सब के बावजूद, उम्मीद कर सकते हैं कि ये वाहन शीघ्र ही क्रियाशील और गतिशील होंगे और पूरा देश मौत के खौफ से बाहर निकलकर, जिंदगी के सफर में आगे बढ़ेगा।

-महेंद्र प्रसाद सिंगला, शिव कालोनी, पलवल (हरियाणा)

अखबार पढ़कर समय का सदुपयोग

नोवल कोरोना विषाणु के मद्देनजर कई लोग सोशल मीडिया के माध्यम से नसीहतें बांट रहे हैं। उनके द्वारा तमाम ऐसे घरेलू नुस्खे बताए जा रहे हैं। ऐसा कर उन्हें लग रहा होगा कि हम भी कुछ परोपकार कर रहे हैं। पर, फिलहाल उनका घर पर रहना ही सबसे बड़ा परोपकार है। दिलचस्प बात यह है कि ऐसे लोगों का मेडिकल क्षेत्र से कोई दूर-दूर तक नाता नहीं है। लिहाजा, ऐसे समय में खाली वक्त में वे अखबार पढ़ें। किताबें पढ़ें। अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते रहने का प्रयास करें। सरकारी दिशानिर्देश बकायदा अखबारों के माध्यम से हमारे घरों तक पहुंच रहे हैं। खुद डॉक्टर बनने का प्रयास कदापि न करें। हां, सेहत को तंदुरुस्त रखने के लिए योग प्राणायाम जैसे नुस्खे अपना सकते हैं। बेवजह अफवाहें न बांटें।

-मुकेश कुमार मनन, पटना

अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती

देश की अर्थव्यवस्था पहले से ही डामाडोल थी कि नए कोरोना संकट ने उसे घोर चुनौतियों के सामने लाकर खड़ा कर दिया है। देश में वैश्विक स्तर पर मांग घट रही है, अनेकानेक लघु एवं मध्यम उद्यम जो इस व्यापारिक चक्र में हैं उन्हें इसकी प्रतिकूलता का सामना करने को विवश होना पड़ रहा है। इस अफरातफरी में मजदूरों और कामगारों ने सिर पर कफन बांधकर भूख की बिलबिलाती बला के भय से पलायनवादी भूमिका जो पेश की वह कई सवाल खड़े करती है। देश के सबसे बड़े घर में जब इन्हीं मजदूरों और कामगारों के हितार्थ लंबे चौड़े भाषणों की झड़ी लगती है तो फिर इनके कठोर परिश्रम से संचालित महानगरों के जीवन जीनेवालों ने इतनी निर्ममता उनके साथ क्यों दिखाई कि वे महानगर त्याग कर चल दिए। असफल होते आर्थिक भूमंडलीकरण में एक ही रास्ता है कि हम सांस्कृतिक भूमंडलीकरण के पदचिन्हों पर चलते हुए देश के लिए नूतन प्राण-दृष्टि गढ़ें।

-डॉक्टर अशोक कुमार, पटना।

www.readwhere.com

पलायन करने वाले कामगारों के रहने के लिए होटलों के इस्तेमाल का अनुरोध ठुकराया

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (भाषा)।

सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना विषाणु की वजह से 21 दिन की देशबंदी के दौरान शहरों से अपने पैतृक गांव लौट रहे बेरोजगार कामगारों के रहने के लिए होटलों और रिजार्ट का आश्रय गृहों के रूप में इस्तेमाल करने का निर्देश देने से शुक्रवार को इनकार कर दिया और कहा कि सरकार को हर तरह के विचारों पर ध्यान देने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है।

न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति दीपक गुप्ता के पीठ ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी उस वक्त की जब केंद्र की ओर से सालिसीटर जनरल तुषार मेहता ने इस संबंध में दायर एक अर्जी पर आपत्ति की। मेहता ने कहा कि इन कामगारों के आश्रय स्थल के लिए राज्य सरकारों ने पहले ही स्कूलों और ऐसे ही दूसरे भवनों को अपने अधिकार में ले लिया है। न्यायालय में पेश

कहा, सरकार को हर तरह के विचारों पर ध्यान देने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है

आवेदन में आरोप लगाया गया था कि पलायन करने वाले कामगारों को जहां ठहराया गया है वहां सफाई की समुचित सुविधाओं का अभाव है। पीठ ने कहा कि सरकार को तमाम सारे विचारों को सुनने के लिए न्यायालय बाध्य नहीं कर सकता क्योंकि लोग तरह तरह के लाखों सुझाव दे सकते हैं। देशबंदी की वजह से शहरों से पैतृक गांवों की ओर पलायन करने वाले दैनिक मजदूरों का मुद्दा पहले से ही न्यायालय के विचाराधीन है। प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे की अध्यक्षता वाले पीठ ने 31 मार्च को केंद्र को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि पलायन कर रहे इन कामगारों को आश्रय गृह में रखा जाए और उनके खाने-पीने और दवा आदि का बंदोबस्त किया जाए। शीर्ष अदालत ने इन कामगारों को अवसाद और दहशत के विचारों से उबारने के लिये विशेष सलाह देने के लिए विशेषज्ञों और इस काम में विभिन्न संप्रदायों के नेताओं की मदद लेने का भी निर्देश दिया था। न्यायालय ने अचानक बड़ी संख्या में कामगारों के पलायन से उत्पन्न स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा था, 'यह दहशत वायरस से कहीं ज्यादा जिंदगियां बर्बाद कर देगी।' सालिसीटर जनरल ने 31 मार्च को न्यायालय से कहा था कि अपने गृह नगरों की ओर पलायन करने वाला कोई भी कामगार अब सड़क पर नहीं है।

विश्व में कोरोना संक्रमित 10 लाख और मृतक 50,000 के पार

पेज 1 का बाकी

की है और विश्व बैंक ने बृहस्पतिवार को 15 महीनों में 160 अरब डॉलर आपात नकदी जारी करने की योजना को मंजूरी दी।

जॉन्स हॉप्किन्स विश्वविद्यालय के आंकड़ों के अनुसार अमेरिका में इस संक्रामक रोग से करीब 6,000 लोगों की मौत हो गई है। इनमें से 1,100 से अधिक लोगों की मौत पिछले 24 घंटे में हुई।

वाइट हाउस के विशेषज्ञों का कहना है कि इस बीमारी से 100,000 से 2,40,000 अमेरिकी जान गंवा सकते हैं। अमेरिका की करीब 85 फीसद आबादी किसी न किसी तरह से घरों में सिमटी हुई है।

पिछले कुछ हफ्तों से यूरोप इस संकट का केंद्र बना हुआ है लेकिन ऐसे संकेत मिले हैं कि यह महामारी वहां चरम पर पहुंच सकती है। स्पेन और ब्रिटेन में 24 घंटे के दौरान क्रमशः 950 और 569 लोगों की मौत हुई है। अकेले इटली और स्पेन में ही पूरी दुनिया में मरने वाले लोगों की आधी संख्या है लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि दोनों देशों में नए संक्रमण के मामले कम हो रहे हैं।

इस विषाणु ने मुख्यतः बुजुर्ग और पहले से बीमार लोगों को अपना निशाना अधिक बनाया है लेकिन किशोरों और यहां तक कि छह माह की एक बच्ची की मौत के मामलों ने सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए खतरा पैदा कर दिया है। ब्रिटेन में प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने 'बड़ी संख्या में लोगों की जांच' करने का आह्वान किया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आने वाले हफ्तों में एक दिन में 100,000 लोगों की जांच करने का लक्ष्य है।

खुद कोविड-19 की चपेट में आए जॉनसन की बड़े पैमाने पर जांच न कराने के लिए आलोचना की गई। रूस में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 3,500 होने पर अप्रैल के अंत तक 'वैतनिक गैर कामकाजी अवधि' बढ़ा दी है। रूस की ज्यादातर आबादी बंद जैसे हालात में रह रही है।

इंदौर में स्वास्थ्य कर्मियों पर हमला करने वालों पर रासुका

पेज 1 का बाकी

दल में शामिल थीं। यह दल कोरोना वायरस संक्रमण के एक मरीज के संपर्क में आए लोगों को ढूंढने गया था।

उन्होंने बताया कि पुलिस को सुराग मिले हैं कि स्वास्थ्य कर्मियों पर पथराव की यह घटना सोशल मीडिया पर फैली अफवाहों के बाद असामाजिक तत्वों के उकसावे के चलते सामने आई थी।

इस बीच, अपराध निरोधक शाखा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) राजेश दंडोतिया ने बताया कि कोरोना संक्रमण को लेकर सोशल मीडिया पर अफवाहों से भरे भड़काऊ संदेश फैलाने के मामले में चार लोगों पर भारतीय दंड विधान और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के संबद्ध प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

दंडोतिया ने बताया कि इस मामले में आरिफ खान (26) को गिरफ्तार किया गया है। तीन अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

इंसान घरों में और सड़कों पर घूम रहे जानवर

पेज 1 का बाकी

को छोड़ देंगे या उन्हें मार दिया जाएगा।' अन्य विशेषज्ञों ने भी इस पर सहमति जताई और कहा कि सुनसान सड़कें और घरों से इंसानों का न के बराबर बाहर निकलने से इन जंगली जानवरों का बाहर आना आसान हो गया है। हालांकि यह अच्छा संकेत नहीं है।

प्रसिद्ध पर्यावरणविद् सुंदरलाल बहुगुणा ने कहा कि इस पलायन का कारण जंगलों में इंसानों की घुसपैठ और जानवरों के लिए खाने का अभाव है। बहुगुणा ने कहा, 'प्राचीन समय में, मिश्रित जंगल होते थे जहां लोग और जानवर तालमेल बनाकर रहते थे। हमारी संस्कृति कहती है कि सभी जानवर हमारा परिवार है।

सरकार ने जंगलों को केवल कारोबार के मकसद से इस्तेमाल किया है। जानवरों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल रहा है और भूख की वजह से वे सड़कों पर आ रहे हैं।' पद्मभूषण पुरस्कार विजेता व वन्यजीव विशेषज्ञ अनिल प्रकाश जोशी और आनंद आर्य के मुताबिक जिन स्थानों पर ये जानवर दिखे हैं वे वन्यजीव प्राकृतिक वास से करीब हैं जिससे इन जानवरों का वहां जाना आसान हो गया है।

मोदी के नेतृत्व में देश एकजुट : भाजपा

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 3 अप्रैल।

रोशनी करने की प्रधानमंत्री की अपील की भाजपा ने प्रशंसा की है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि देशवासियों का प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एकजुट होकर कोरोना के खिलाफ लड़ना सराहनीय है।

उन्होंने ट्वीट किया कि सभी पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील करता हूं, प्रधानमंत्री के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएं तथा आगामी पांत अप्रैल को रात्रि नौ बजे हम अपने घर के दरवाजों अथवा बालकनी में निकलकर टॉर्च, दीया या मोबाइल की लाइट को जलाकर इस कोरोना संकट के अंधकार को पराजित करने वाले हमारे एकजुट विश्वास के प्रकाश को फैलाएं। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आइए अंधेरे को एक साथ हराने का संकल्प लें।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर और सरकार के कई अन्य मंत्रियों ने लोगों से प्रधानमंत्री के आह्वान के समर्थन की अपील की।

सिने जगत की कई हस्तियों ने प्रधानमंत्री की अपील का समर्थन किया है।

कोरोना : मंत्रियों के समूह ने हालात की समीक्षा की

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 3 अप्रैल।

केंद्र सरकार के मंत्रियों के समूह (जीओएम) ने शुक्रवार को देश बंदी के कारण उत्पन्न स्थिति एवं संपूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की विस्तृत समीक्षा की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी ।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाले मंत्रियों के समूह (जीएओएम) की बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, खाद्य व आपूर्ति मंत्री राम विलास पासवान, रेल मंत्री पीयूष गोयल, पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, सूचना व प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने भी शिरकत की। सरकारी सूत्रों ने बताया कि मंत्रियों ने कोरोना वायरस के मामले बढ़ने से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए उठाए गए कदमों व व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही पर्याप्त मात्रा में आवश्यक वस्तुओं एवं दवा की आपूर्ति सुनिश्चित करने के कदमों के बारे में जानकारी दी गई। बैठक में रसायन व उर्वरक मंत्री डीवी सदानंद गौड़ा, कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक, महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी, जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, नागर विमानन मंत्री हरदीप सिंह पूरी ने भी हिस्सा लिया। रक्षा मंत्रालय : जीओएम में बताया गया कि रक्षा मंत्रालय ने सशस्त्र बल अस्पतालों में कोरोना वायरस के संक्रमण की जांच के लिए बनाए गए नेशनल ग्रिड के तहत पांच जांच प्रयोगशालाएं तैयार की हैं। इनमें सैन्य अस्पताल (रिसर्च एंड रेफरल), दिल्ली, वायुसेना कमान अस्पताल बंगलुरू, आर्म्ड फोर्सेस मेडिकल कालेज पुणे, कमान अस्पताल लखनऊ तथा कमान अस्पताल उधमपुर शामिल हूं। इसके अलावा छह और अस्पतालों को आधारभूत संरचनाओं से लैस किया गया है। रक्षा मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि इसके साथ ही 15 अन्य सुविधाओं को तैयार रखा गया है। देशभर में सशस्त्र बलों के 51 अस्पतालों को समर्पित आधारभूत ढांचे से युक्त किया गया है। इनमें से कुछ अस्पताल कोलकाता, विशाखापत्तनम, कोच्चि, डुंडीगल, बंगलुरू, कानपुर, जैसलमेर, जोरहाट, गोरखपुर में स्थित हैं।

तबलीगी सहित दो लोगों की मौत

पेज 1 का बाकी

कि निजामुद्दीन मरकज से निकाले गए मरीजों की वजह से मामले बड़ी तेजी से बढ़ रहे हैं। यहां यह संख्या 182 से बढ़कर 259 तक जा पहुंची है जबकि दिल्ली में कोरोना फैलना अभी चालू नहीं हुआ है। बाहर से जो लोग कोरोना संक्रमण लेकर आए हैं, वह बंद के प्रयासों के चलते फैलने से रुका हुआ है।

केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जिस बंद का एलान किया है, हमें उसका पालन करते रहना है। दिल्ली में स्थिति अभी नियंत्रण में है, घबराने की जरूरत नहीं है। इस संक्रमण से बचने के लिए जरूरी है कि सब घरों में रहें और बाहर न निकले। आम जनता की सुविधा के लिए दिल्ली सरकार ने वॉट्सऐप नंबर 8800007722 भी जारी किया है। इस पर आम जनता संक्रमण से बचाव के लिए किसी भी प्रकार की जानकारी ले सकती है। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग ने एक बयान जारी कर कहा कि संक्रमण के ताजा मामलों में भी 77 व्यक्तियों ने निजामुद्दीन मरकज के आयोजन में भाग लिया था। गुरुवार तक दिल्ली में कोरोना संक्रमण के 293 मामले थे जिसमें से चार व्यक्तियों की मौत हो गई थी।

विदेश सचिव ने यूरोपीय संघ के शीर्ष अधिकारी से की बात

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 3 अप्रैल।

विदेश सचिव हर्षवर्द्धन श्रृंगला ने शुक्रवार को यूरोपीय संघ के विदेशी मामलों के शीर्ष अधिकारी हेल्गा एम शमिड से कोरोना वायरस महामारी की चुनौती से निपटने के लिए समन्वित प्रयासों के तरीकों के बारे में टेलीफोन पर बात की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि श्रृंगला और शमिड ने तेजी से बदलते हालात के बारे में बात की और यूरोपीय संघ तथा भारत में इस महामारी से निपटने संबंधी प्रयासों पर विचारों का आदान प्रदान किया। शमिड यूरोपीयन एक्सटर्नल एक्शन सर्विस के महासचिव हैं। दोनों अधिकारियों ने जी20 और दक्षेस जैसी बहुपक्षीय संस्थाओं के तले महामारी को रोकने संबंधी समन्वित प्रयासों के तरीकों के बारे में चर्चा की।

केंद्र ने 4.07 करोड़ महिलाओं के जनधन खाते में 500-500 रुपए डाले

पेज 1 का बाकी

से अधिक जनधन खातों में जमा कराई जाएगी। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस के चलते लागू 21 दिनों के राष्ट्रव्यापी बंद को देखते हुए वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने 26 मार्च को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेवाई) की घोषणा की थी। इसके तहत उन्होंने अप्रैल से अगले तीन महीने तक 500-500 रुपए की सहायता राशि जमा कराने की जानकारी दी थी।

मंत्रालय की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया, 'ग्रामीण विकास मंत्रालय अप्रैल महीने के लिए प्रत्येक महिला के प्रधानमंत्री जनधन खाते में 500 रुपए जमा करने के लिए राशि जारी किए हैं और यह राशि दो अप्रैल 2020 को लक्षित खातों में जमा की गई।' मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि 4.07 महिला जनधन खाते में पहले ही राशि जमा कराई जा चुकी है।

उन्होंने बताया कि सामाजिक दूरी का अनुपालन और लाभार्थियों द्वारा सुचारू रूप से पैसे निकालने के लिए सरकार ने खाते के आखिरी अंक के आधार पर भुगतान सारणी बनाई है। अधिकारियों ने बताया कि ये खाताधारक मासिक पेंशन और गरीबों को दिए जाने वाले अन्य लाभ के लिए भी योग्य होंगे।

कांग्रेस ने छोड़ा हाथ, आप का मिला साथ

पेज 1 का बाकी

वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सांसद एनडी गुप्ता ने बताया कि उनकी पार्टी कोरोना संक्रमण को हराने के लिए केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है। लोगों को कठिन परिस्थितियों से बचाने के लिए खास इंतजाम किए गए हैं। प्रधानमंत्री के जो भी आदेश हुए हैं, दिल्ली में उनका पालन हो रहा है।

लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि बिजली बंद कर मोमबत्ती जलाने और कोरोना के खिलाफ लड़ाई में कोई संबंध नहीं है। मैं न तो मोमबत्ती जलाऊंगा और न ही बत्ती बंद करूंगा। हां, कोरोना के खिलाफ लड़ाई को समर्थन जारी रहेगा। अगर मैं मोमबत्ती नहीं जलाऊं, तो शायद मुझे देशविरोधी ठहराया जाएगा, मैं इसके लिए तैयार हूं। कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद ने कहा कि प्रवासी मजदूरों या फिर सैकड़ों किलोमीटर चलने वालों के लिए कोई उपाय नहीं सुझाए गए। जवाबदेही से भाग रहे हैं प्रधानमंत्री।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने कहा कि प्रतीकात्मक चीजें महत्त्वपूर्ण हैं, लेकिन विशेषज्ञों एवं अर्थशास्त्रियों की विवेकपूर्ण सलाह को सुनना भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद कामकाजी वर्ग, कारोबारी और दिहाड़ी मजदूर निराश हुए, जो आर्थिक विकास के लिए कुछ कदमों की उम्मीद लगाए हुए थे।

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया, हमने प्रधान शोमैन को सुना। लोगों की पीड़ा, उनके बोझ और उनकी वित्तीय मुश्किलों को कम करने के लिए कुछ नहीं कहा गया।

एआइएमआइएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने ट्वीट किया कि यह देश कोई इवेंट मैनेजमेंट कंपनी नहीं है। भारत के लोग इंसान हैं और उनके भी सपने हैं, उनकी भी उम्मीदें हैं। प्रधानमंत्री, हमारी जिंदगियों को नौ मिनट की नौटंकी तक सीमित मत कीजिए। राकांपा ने कहा कि इस संदेश ने नागरिकों को काफी निराश किया है और प्रदेश के आवास मंत्री एवं राकांपा नेता जितेंद्र अवहाड ने कहा कि वे अपने घर की लाइट नहीं बंद करेंगे, क्योंकि वे 'मूर्ख नहीं' हैं।

तबलीग से 14 राज्यों में फैला संक्रमण

पेज 1 का बाकी

झारखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश से हैं।

दूसरी ओर, विदेश से आए तबलीगी जमात के लोगों के वीजा रद्द करने और उन्हें काली सूची में डालने की कार्रवाई जारी है। गृह मंत्रालय की संयुक्त सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव के मुताबिक, अब तक 960 विदेशी तबलीगियों के नाम काली सूची में डाले गए हैं। 360 अन्य लोगों को काली सूची में डालने की प्रक्रिया शुक्रवार को शुरू की गई। उन्होंने बताया कि सभी पुलिस महानिदेशकों और पुलिस आयुक्तों को ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। तबलीगी जमात के जिन विदेशी प्रचारकों के नाम काली सूची में डाले गए हैं, उनमें चार अमेरिकी, नौ ब्रिटिश और छह चीनी नागरिक शामिल हैं। इन सभी के पर्यटक वीजा रद्द कर दिए हैं।

वर्तमान में देश के विभिन्न हिस्सों में मौजूद जमात के विदेशी सदस्यों में 379 इंडोनेशियाई, 110 बांग्लादेशी, 63 म्यांमा के और 33 श्रीलंकाई नागरिक शामिल हैं। इनमें से कुछ के कोविड-19 से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। तबलीगी जमात के जिन प्रतिनिधियों के नाम काली सूची में डाले गए हैं उनमें 77 किर्गिस्तानी, 75 मलेशियाई, 65 थाई, 12 वियतनामी, नौ सऊदी अरब के और तीन फ्रांस के तीन नागरिक शामिल हैं। इन सभी के वीजा रद्द कर दिए गए हैं।

मार्च के अंतिम सप्ताह में तबलीगी जमात द्वारा दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में आयोजित धार्मिक आयोजन में देश के कई राज्यों और विभिन्न देशों के लोगों ने हिस्सा लिया था। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता लव अग्रवाल के मुताबिक, कोरोना के संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ने के लिए लागू देशबंदी (लॉकडाउन) कारगर उपाय रही। संक्रमण के मामलों में जो बढ़ोतरी पिछले कुछ दिनों में हुई है, उसका मुख्य कारण खास घटना (निजामुद्दीन तबलीगी जमात) रही। अगर इस घटना को छोड़ दें तो लॉकडाउन और इस दौरान सामाजिक मेलजोल से दूरी (सोशल डिस्टेंसिंग) के उपायों के कारण नए मामलों की गति में इजाफा नहीं हो रहा था।

गृह मंत्रालय की संयुक्त सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने तबलीगी जमात के कार्यक्रम में हिस्सा लेने विदेशों से आए लोगों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई के बारे में बताया कि इनके पासपोर्ट काली सूची में डाले जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिनके पासपोर्ट काली सूची में डाले जा चुके हैं, उनमें 960 लोग अभी भारत में ही मौजूद हैं, जबकि 360 स्वदेश वापस जा चुके हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के वरिष्ठ अधिकारी मनोज मुहेकर ने बताया कि देश में कोरोना के परीक्षण के लिए संचालित प्रयोगशालाओं की संख्या 182 हो गई है। इनमें से 130 सरकारी प्रयोगशालाएं हैं।

उन्होंने अब तक लगभग 66 हजार नमूनों के परीक्षण होने की जानकारी दी और बताया कि पिछले 24 घंटों में लगभग आठ हजार परीक्षण हुए हैं।

राष्ट्रपति ने कहा, जमात और जमावड़े ने बढ़ाई समस्या

पेज 1 का बाकी

कहा, 'आज मैंने प्रदेशों और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्यपालों व उपराज्यपालों से आग्रह किया कि वे अपने राज्यों में धर्म गुरुओं से संपर्क करें और उन्हें सलाह दें कि वे अपने अनुयायियों को भीड़ भाड़ वाले धार्मिक आयोजन करने से रोकें तथा संक्रमण को सीमित रखने के लिए सामाजिक व्यवहार में परस्पर दूरी अपनाएं।'

उन्होंने कहा, 'मैंने राज्यपालों व उपराज्यपालों से कहा कि कृषि उत्पादों की कटाई, भंडारण तथा खरीद के लिए प्रबंध करने पर विशेष ध्यान दें।

राजकीय एजंसियां कृषि उपकरणों के निर्बाध आवागमन और उपलब्धता को सुनिश्चित करें, जिससे किसानों को किसी कठिनाई का सामना न करना पड़े।'

कोरोना के अंधकार में जलाएं रोशनी की एक लौ

पेज 1 का बाकी

तोड़ने का यही रामबाण इलाज है।

इससे पहले प्रधानमंत्री ने 22 मार्च को जनता कर्फ्यू के दौरान कोरोना महामारी में आगे बढ़कर मोर्चा ले रहे चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों और जरूरी सेवाओं से जुड़े लोगों के प्रति कृतज्ञता जाहिर करने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में तालियां, थालियां और ड्रम बजाने की अपील की थी। उस अपील पर लोगों की बढ़ चढ़कर भागीदारी की बात कहते हुए प्रधानमंत्री ने पांच अप्रैल को लेकर कहा, 'मेरी प्रार्थना है कि इस आयोजन के समय किसी को भी कहीं पर भी इकट्ठा नहीं होना है। रास्तों में, गलियों या मोहल्लों में नहीं जाना है, अपने घर के दरवाजे, बालकनी से ही इसे करना है।'

मोदी ने कहा, 'हमें कोरोना के खिलाफ 130 करोड़ देशवासियों के महासंकल्प को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। इसलिए 5 अप्रैल, रविवार को रात 9 बजे आप घर की सभी लाइटें बंद करके, घर के दरवाजे पर या बालकनी में खड़े रहकर, 9 मिनट के लिए मोमबत्ती, दीया, टॉर्च या मोबाइल की फ्लैशलाइट जलाएं।' उन्होंने कहा, 'हम सबको मिलकर, कोरोना के संकट के अंधकार को चुनौती देनी है, उसे प्रकाश की ताकत का परिचय कराना है। हमें 130 करोड़ देशवासियों की महाशक्ति का जागरण करना है।'

प्रधानमंत्री ने लोगों ने कहा कि कोरोना वैश्विक महामारी के खिलाफ देशव्यापी लॉकडाउन को 9 दिन हो रहे हैं। इस दौरान आप सभी ने जिस प्रकार अनुशासन और सेवा भाव का परिचय दिया है, वह अभूतपूर्व है। कोरोना से हमारे गरीब भाई, बहन सबसे अधिक प्रभावित हैं, हमे उन्हें निराशा से निकालकर आशा की ओर ले जाना है। कोरोना महामारी से फैले अंधकार के बीच हमें निरंतर प्रकाश की ओर जाना है। जनता ईश्वर का ही रूप होती है। इसलिए जब देश इतनी बड़ी लड़ाई लड़ रहा हो, तो ऐसी लड़ाई में बार-बार जनता रूपी महाशक्ति का साक्षात्कार करते रहना चाहिए।

सामूहिक शक्ति के महत्त्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 'यहीं हमें मनोबल देता है, लक्ष्य देता है, उसकी प्राप्ति के लिए ऊर्जा देता है, हमारा मार्ग और स्पष्ट करता है। कोरोना महामारी से फैले अंधकार के बीच, हमें निरंतर प्रकाश की ओर जाना है।' संस्कृत का एक श्लोक पढ़ते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे जोश और भावना से बढ़कर दूसरी कोई ताकत दुनिया में नहीं है।

प्रधानमंत्री ने पिछले महीने 19 मार्च और फिर 24 मार्च को राष्ट्र को संबोधित किया था। 19 मार्च को उन्होंने इस महामारी से लड़ने के लिए देशवासियों से संयम और संकल्प को अपनाने का आह्वान किया था। साथ ही उन्होंने 22 मार्च रविवार के दिन 'जनता कर्फ्यू' की भी घोषणा की थी। 24 मार्च को प्रधानमंत्री ने महामारी के प्रसार को रोकने के लिए 21 दिन व्यापी देशबंदी की घोषणा की थी।

राज्यों को जारी होंगे 11,092 करोड़

पेज 1 का बाकी

मंत्री ने सभी राज्यों को एसडीआरएमएफ के तहत 11,092 करोड़ रुपए की राशि जारी करने के लिए स्वीकृति दे दी है।

बयान में कहा गया कि पृथक केंद्र बनाने, नमूने एकत्रित करने और स्क्रीनिंग करने, अतिरिक्त जांच प्रयोगशालाएं बनाने, स्वास्थ्य, निगम, पुलिस तथा दमकल कर्मियों के लिए निजी सुरक्षा उपकरणों को खरीदने, थर्मल स्कैनर, वेंटिलेटर, एअर प्यूरीफायर आदि खरीदने में इस निधि का उपयोग किया जाएगा।

गृह मंत्रालय ने कहा कि राज्य सरकारों को कोविड-19 की रोकथाम के लिए कदम उठाने के लिहाज से अतिरिक्त निधि उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार ने 14 मार्च को एसडीआरएफ के इस्तेमाल के लिए विशेष प्रावधान किया। केंद्र सरकार ने 28 मार्च को राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों से राज्य आपदा मोचन निधियों का इस्तेमाल करने को कहा जहां अगले वित्त वर्ष के लिए 29,000 करोड़ रुपए की राशि आबंटित की गई है ताकि 21 दिन के लॉकडाउन के दौरान प्रवासी मजदूरों को भोजन और आश्रय दिया जा सके।

इन लोगों ने जो भी किया वो जघन्य, लगेगा रासुका : योगी

पेज 1 का बाकी

है। किसी भी हाल में हम इन्हें छोड़ेंगे नहीं।

बताते चलें कि गाजियाबाद के एमएमजी जिला अस्पताल में भर्ती जमातियों के खिलाफ नर्सों समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों के साथ बार-बार अश्लील व्यवहार व उद्दंडता की शिकायतें मिली थीं। अस्पताल प्रशासन द्वारा इन्हें समझाने बुझाने की कोशिशें नाकाम होने के बाद अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक की लिखित शिकायत के बाद पुलिस ने छह जमातियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। इसके बाद पांच जमातियों को गुरुवार देर रात आरकेजीआइटी में पृथक वॉर्ड में शिफ्ट कर दिया गया। सभी जमातियों को तीन स्थानों पर पृथक किया गया है। मामले की जांच गाजियाबाद के एडीएम सिटी शैलेंद्र कुमार सिंह और एसपी सिटी डॉ. मनीष मिश्र को मामले की जांच सौंपी गई हैं। उधर, अस्पताल कर्मियों के साथ हुई हरकत के चलते शासन के निर्देश पर जिले में बने सभी पृथक केंद्रों, पृथक और संक्रमण ग्रस्त मरीजों का इलाज कर रहे अस्पतालों में गाजियाबाद के मुख्य चिकित्साधिकारी एनके गुप्ता के निर्देश पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। एमएमजी जिला अस्पताल में भर्ती जमातियों की गलत हरकतों की शिकायत वहां तैनात चार नर्सों ने बुधवार को ही सीएमएस से की थी। बताया गया है कि अस्पताल प्रशासन ने जमातियों को समझाने का प्रयास किया लेकिन हरकतें जारी रहने और अश्लीलता बढ़ने पर पुलिस से शिकायत की गई। सीएमएस की शिकायत पर गुरुवार रात में ही एडीएम सिटी और एसपी सिटी नर्सों का बयान दर्ज करने पहुंचे थे लेकिन तब तक शिफ्ट बदल गई थी। पुलिस ने शुक्रवार को अस्पताल में जाकर बयान दर्ज किए। सीएमएस डॉ. रविंद्र सिंह राणा ने शिकायत में आरोप लगाया कि नर्स जैसे ही वॉर्ड में जाती हैं, ये लोग कपड़े बदलने लगते हैं और बगैर पायजामा के वॉर्ड में घूमते हैं। साथ ही, फोन पर अश्लील गाने सुनते हुए बीड़ी-सिगरेट मांगते हैं और महिला कर्मियों को अश्लील इशारे करते हैं। शिकायत के अनुसार ये जमाती बरती जाने वाली सावधानियों का मजाक उड़ाते हैं। नमूने देने में स्वास्थ्य कर्मियों के लिए परेशानी खड़ी करते हैं। ऐसी शिकायतें अन्य जगह भर्ती जमातियों से भी मिल रही हैं। पुलिस ने गुरुवार देर रात मामला दर्ज कर सभी जमातियों को अस्पताल से हटा दिया। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से सभी जमातियों को सुंदरदीप, आरकेजीआईटी और सूर्या अस्पताल में रखा गया है।

www.readwhere.com

खबर कोना

केवल मास्क पहनकर बचा नहीं जा सकता : वाइट हाउस

वाशिंगटन, 3 अप्रैल (भाषा)।

वाइट हाउस ने सामाजिक दूरी और अन्य एहतियाती उपायों का सख्ती से पालन करने पर जोर देते हुए कहा कि केवल मास्क पहन कर कोरोना वायरस से बचा नहीं जा सकता। मेरिका में मास्क पहनने की जरूरत पर जारी बहस के बीच वाइट हाउस का यह बयान आया है। कोरोनो वायरस पर वाइट हाउस कार्यबल सदस्य डेबोरा ब्रिक्स ने गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ध्यान रखें की मास्क हर उस चीज का विकल्प नहीं हो सकता, जो हम करने को कह रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी लोगों से अनुरोध किया था कि जिन्हें जरूरत है वे स्कार्फ से अपने मुंह और नाक ढकें क्योंकि स्वास्थ्य कर्मचारियों को मास्क की सख्त जरूरत है। उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने गुरुवार को कहा था कि रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए सार्वजनिक रूप से मास्क पहनने के बारे में नए दिशानिर्देश कुछ दिन में जारी करेगा।

कोरोना से उबरी महिला ने कहा, मेरे खून में हो सकते हैं जवाब

न्यूयार्क, 3 अप्रैल (एपी)।

अमेरिका में कोरोना वायरस से ठीक हो चुकी एक महिला टिफिनी पिनकेनी उस मंजर को याद करके अब भी सहम जाती है जब इस महामारी ने उसकी रातों की नींद उड़ा दी थी। लेकिन न्यूयार्क शहर की इस महिला ने इस बीमारी से जंग जीतकर अब गंभीर रूप से बीमार अन्य मरीजों के इलाज के लिए अपना रक्त दान करने का फैसला लिया है। पिनकेनी ने बताया, 'यह जानना निश्चित रूप से जरूरी है कि मेरे रक्त में, जवाब हो सकते हैं।' न्यूयॉर्क के माउंट सिनाई अस्पताल के अध्यक्ष डा.डेविड रीच ने कहा, 'यह एक अभियान का जबरदस्त आह्वान है।' उन्होंने कहा कि पिनकेनी भी उस दौड़ में शामिल हुई जो रक्त देना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि लोग इस बीमारी के सामने खुद को बहुत असहाय महसूस कर रहे हैं। यही वह समय है जब लोग अपने साथी मनुष्यों की मदद कर सकते हैं। इस महामारी से सहमी जनता अपने परिवारों के साथ अपने बीमार प्रियजनों की ओर से सोशल मीडिया पर मदद का आग्रह कर रही है और इस बीमार से स्वस्थ हुए लोग पूछ रहे हैं कि वे किस तरह से उनकी मदद कर सकते हैं। मिशिगन स्टेट विश्वविद्यालय के अनुसार 1,000 से अधिक लोगों ने अकेले राष्ट्रीय कोविड-19 'कंवलसेंट प्लाज्मा प्रोजेक्ट' के लिए हस्ताक्षर किए। कई अस्पतालों ने प्लाज्मा दान और अनुसंधान के लिए समूह का गठन किया।

दूसरी जांच में भी संक्रमित नहीं पाए गए डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन, 3 अप्रैल (भाषा)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कोरोना वायरस की दूसरी जांच में संक्रमित नहीं पाए गए और वह स्वस्थ हैं। उनमें इस जानलेवा बीमारी के कोई लक्षण नहीं दिख रहे हैं। ट्रंप के डॉक्टर सीन कोनली ने दूसरी जांच कराने की कोई वजह नहीं बताई। हालांकि उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति की जांच ऐसी तकनीक से की गई जिसने 15 मिनट में ही नतीजे दे दिए। कोनली ने व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव स्टेफनी ग्रीशम को गुरुवार को भेजे ज्ञापन में कहा कि राष्ट्रपति कोविड-19 की जांच में संक्रमित नहीं पाए गए। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने जांच इसलिए कराई थी क्योंकि उन्हें जानने की उत्सुकता थी कि यह कितनी जल्दी और तेजी से काम करता है। इससे पहले वह संक्रमित पाए गए दो लोगों के संपर्क में आने के बाद मार्च के मध्य में हुई जांच में भी संक्रमित नहीं पाए गए थे।

नाइजीरिया में बंदी का उल्लंघन करने पर युवक को गोली मारी

वारी, 3 अप्रैल (एएफपी)।

नाइजीरिया में कोरोना वायरस की रोकथाम के मद्देनजर लागू लॉकडाउन का कथित तौर पर उल्लंघन करने पर एक व्यक्ति को गोली मार दी गई। पुलिस और स्थानीय जनप्रतिनिधि ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। नाइजीरिया में कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए बड़े शहरों में बंद लागू करने समेत कई कदम उठाए गए हैं। देश में अब तक 184 लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं जबकि इनमें से दो की मौत हो चुकी है। एक सूत्र ने बताया कि बंद पर अमल के लिए तैनात की गई सेना के एक जवान ने दक्षिणी राज्य डेल्टा के वारी शहर के निवासी जोसेफ पेसू को नियमों का उल्लंघन करने के लिए गुरुवार को गोली मार दी। राज्य पुलिस के प्रवक्ता ने कहा कि घटना कल हुई जब कुछ युवक बंद का विरोध कर रहे थे। जारी वक्तव्य में स्थानीय जनप्रतिनिधि ने घटना की निंदा की और दोषियों पर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

बोलिविया में गुरुवार को कोरोना विषाणु के फैलाव को रोकने के लिए छिड़काव के लिए तैयार होते शहर के कर्मचारी।

कोरोना विषाणु श्वसन बूंदों से फैलता है, हवा के माध्यम से नहीं : डब्लूएचओ

बेजिंग, 3 अप्रैल (भाषा)।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के हाल के एक प्रकाशन में कहा गया है कि कोविड-19 बीमारी का कारण बनने वाला वायरस मुख्य रूप से 'श्वसन की सुक्ष्म बूंदों और निकट संपर्कों' के माध्यम से फैलता है और यह हवा में लंबे समय तक नहीं रहता है। डब्लूएचओ ने कहा कि श्वसन संक्रमण विभिन्न आकारों की सुक्ष्म बूंदों के माध्यम से फैल सकता है।

छींक आदि से कणों से संक्रमण (ड्रॉपलेट ट्रांसमिशन) तब होता है जब आपका निकट संपर्क उस व्यक्ति के साथ (एक मीटर के भीतर) होता है जिसमें खांसी या छींकने जैसे श्वसन संबंधी लक्षण होते हैं जिससे ये आपके शरीर में इन सुक्ष्म बूंदों को फैला सकते है और इनका आकार आमतौर पर 5-10 माइक्रोन होता है। सरकारी समाचार पत्र 'चाइना डेली' ने डब्लूएचओ के प्रकाशन के हवाले से बताया कि संक्रमित व्यक्ति के आसपास के वातावरण में सतहों या वस्तुओं को छूने से भी यह संक्रमण फैल सकता है। इसमें कहा गया है कि हवा में फैलने वाला संक्रमण 'ड्रॉपलेट ट्रांसमिशन' से अलग है, क्योंकि यह सुक्ष्म बूंदों के भीतर जीवाणुओं की मौजूदगी को दिखाता है और ये जीवाणु आमतौर पर व्यास में पांच माइक्रोन से कम के छोटे कण के रूप में होते है।प्रक ाशन के अनुसार चीन में कोरोना वायरस के 75,465 मरीजों के विश्लेषण में हवा में संक्रमण का कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है।

मौजूदा सबूत के आधार पर डब्लूएचओ कोरोना वायरस मरीजों की देखभाल कर रहे लोगों को खांसने या छींकने से बाहर आने वाली सुक्ष्म बूंदों और नजदीकी संपर्क से सावधानियां बरतने की सलाह देता है।

कोरोना : चीन के खिलाफ उठी आवाज

चीन के संक्रमण के आंकड़े सही नहीं : निक्की हेली

वाशिंगटन, 3 अप्रैल (भाषा)।

भारतीय मूल की अमेरिकी नेता निक्की हेली ने कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों संबंधी चीन के आधिकारिक आंकड़ों की सत्यता पर संदेह जताते हुए कहा कि स्पष्ट रूप से ये सटीक नहीं हैं।

उन्होंने यह टिप्पणी उन खबरों के बीच दी है कि सीआईए ने वाइट हाउस को चीन द्वारा मुहैया कराए गए आंकड़ों पर भरोसा न करने की सलाह दी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी बुधवार को पत्रकारों से कहा था कि उन्हें चीन के आंकड़ों पर भरोसा नहीं है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत हेली ने गुरुवार को ट्वीट किया कि चीन जैसे 1.5 अरब की आबादी वाले देश में कोरोना वायरस के केवल 82,000 मामले आए और 3,300 लोगों की मौत हुई। यह साफ तौर पर सच नहीं हैं। अमेरिका में संक्रमित लोगों की संख्या गुरुवार को 2,40,000 के पार चली गई और इस संक्रमण के कारण 5,800 लोगों की मौत हो गई है।

हेली ने कहा कि चीन बाकी दुनिया को विषाणु से लड़ने में मदद करने के बजाय अपनी साख की अधिक चिंता करता है। ऐसी खबरें आई हैं कि सीआईए चीन में कोविड-19 के आंकड़ों का स्वतंत्र आकलन कर रहा है और उसने वाइट हाउस को चीन द्वारा मुहैया कराए गए आंकड़ों पर भरोसा न करने की सलाह दी है।

चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के अनुसार मुख्य भूभाग पर कोविड-19 के कुल 81,589 मामले दर्ज किए गए और बुधवार तक इस बीमारी से 3,318 लोगों की मौत हो गई। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट ओ ब्रायन ने बुधवार को पत्रकारों से कहा था कि चीनी आंकड़ों की पुष्टि करने का कोई तरीका नहीं है।

चीन के 'मार्केट' के खिलाफ कार्रवाई करे डब्लूएचओ व संरा : आस्ट्रेलिया

मेलबर्न, 3 अप्रैल (भाषा)।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरीसन ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) और संयुक्त राष्ट्र से चीन के 'वेट मार्केट' के खिलाफ कार्रवाई करने की शुक्रवार को अपील की क्योंकि ये विश्व के अन्य देशों के स्वास्थ्य व कुशलता के लिए बहुत खतरा पैदा करते हैं। समझा जाता है कि इसी तरह के सीफूड मार्केट से घातक कोरोना वायरस पनपा है।

चीन के शहर वुहान के 'वेट मार्केट' को पिछले साल दिसंबर में शुरू हुए कोरोना वायरस वैश्विक महामारी का स्रोत माना जाता है। यह वायरस जानवरों से इंसान में फैला है। वेट मार्केट उन बाजारों को कहा जाता है जहां ताजा मीट, मछली या जल्द सड़ने वाला सामान बेचा जाता है। इन बाजारों में जिंदा जंगली जानवर और वन्यजीव उत्पादों की बिक्री होती है।

मॉरीसन ने गुरुवार को समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा कि चीन में वेट मार्केट जहां कहीं भी चल रहे हैं वे बहुत वास्तविक एवं अहम समस्या है। यह वायरस चीन से फैलना शुरू हुआ और पूरी दुनिया में फैल गया। और यह इसी तरह से शुरू हुआ था। मॉरीसन ने कहा कि यह हम सभी जानते हैं। और ये वेट मार्केट असल मुसीबत बन जाते हैं जब यह सामने आता है कि उन बाजारों में क्या कुछ हो सकता है। और मेरे विचार में वैश्विक स्वास्थ्य के लिहाज से, विश्व स्वास्थ्य संगठन को इसके बारे में कुछ करना चाहिए। शुक्रवार को, स्वास्थ्य संकट पर प्रेस वार्ता के दौरान मॉरीसन ने विश्व के अन्य हिस्सों के स्वास्थ्य व कुशलता पर बड़ा खतरा पैदा करने वाले ऐसे स्थानों और केंद्रों पर वैश्विक संगठनों द्वारा ध्यान केंद्रित करने के अपने रुख को दोहराया।

महामारी से लड़ने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रस्ताव किया अंगीकार

संयुक्त राष्ट्र, 3 अप्रैल (भाषा)।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सर्वसम्मति से भारत समेत दुनिया के 188 देशों का समर्थन प्राप्त करने वाले प्रस्ताव को अंगीकार कर लिया। इस प्रस्ताव में कोविड-19 की महामारी को खत्म करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग तेज करने का प्रस्ताव दिया गया था और कहा गया था कि वायरस से समाज और अर्थव्यवस्था को भीषण खतरा है।

इस प्रस्ताव का शीर्षक 'कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक एकजुटता' है। इस वैश्विक महामारी पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंगीकार किया गया यह पहला दस्तावेज है। पूरी दुनिया में इस वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 10 लाख तक पहुंच गई है लेकिन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अब तक इस वैश्विक महामारी पर चर्चा नहीं हुई है। इस दस्तावेज में कोरोना वायरस से पूरी दुनिया के समाज पर पड़ने वाले बुरे प्रभाव और अर्थव्यवस्था को पहुंचने वाला नुकसान शामिल है। इसके अलावा इसमें वैश्विक यात्रा और कारोबार के खतरे और लोगों की आजीविका का संकट भी शामिल किया गया है।

वुहान में बंदी में ढील, लेकिन लोगों को घरों में ही रहने की हिदायत

बेजिंग, 3 अप्रैल (भाषा)।

चीन में कोरोना वायरस महामारी का केंद्र रहे वुहान शहर में नौ सप्ताह से जारी बंदी में ढील देने के कुछ दिनों बाद शुक्रवार को स्थानीय अधिकारियों ने लोगों को घरों में ही रहने और जरूरत के बगैर बाहर नहीं निकलने की हिदायत दी, ताकि फिर से संक्रमण फैलने की कोई गुंजाइश नहीं बचे।

वुहान में कोरोना वायरस से संक्रमित कुछ ऐसे मरीज मिले, जिनमें संक्रमण के लक्षण दिखाई नहीं दिये थे। ऐसे में वायरस के फैलने का खतरा अब भी बरकरार है। चीन ने वुहान में कोरोना वायरस संक्रमण का खतरा कमतर होने की 25 मार्च को घोषणा की थी और इसे उच्च स्तर से मध्यम स्तर वाला कर दिया था तथा तीन महीने की बंदी के बाद पहली बार शहर के भीतर बस सेवाएं फिर से बहाल कर दी गईं। चीन में कोरोना वायरस संक्रमण के ऐसे 1,075 मरीज मिले हैं, जिनमें इसके लक्षण दिखाई नहीं दिये थे। फिलहाल, उन्हें चिकित्सा निगरानी में रखा गया है।

भारतवंशी डॉक्टर के अभियान के बाद ब्रिटिश सरकार ने बदले दिशानिर्देश

लंदन, 3 अप्रैल (भाषा)।

भारतीय मूल के डॉक्टर निशांत जोशी के अभियान के चलते ब्रिटिश सरकार को पूर्व में जारी निदेर्शों में बदलाव करना पड़ा है। जोशी ब्रिटेन के अस्पतालों में कोविड-19 का इलाज कर रहे चिकित्सा पेशेवरों के बेहतर व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) मुहैया कराने के लिए अभियान चला रहे हैं। उन्होंने शुक्रवार को ब्रिटिश सरकार के अद्यतन दिशानिर्देश का स्वागत किया जिसमें सर्जिकल मास्क को अनिवार्य किया गया।

पिछले कई हफ्ते से 31 वर्षीय डॉ.जोशी सोशल मीडिया का इस्तेमाल राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) के अंतर्गत कोरोना वायरस के संक्रमितों का इलाज कर रहे चिकित्सा पेशेवरों के समक्ष पीपीई की कमी का मुद्दा उठाने के लिए कर रहे हैं। वह चिकित्सा कर्मियों के बेहतर सुरक्षा उपकरणों के लिए स्पष्ट दिशा निर्देश देने की मांग कर रहे हैं। दक्षिण पूर्व इंग्लैंड के बेडफोर्डशायर में डॉक्टर ने कहा कि यह बड़ी जीत है आपने ध्यान दिया कि हमने पीपीई की लड़ाई जीत ली है।

न्यूज वेबसाइट से कोरोना घोटाले की खबर हटाए जाने की जांच की मांग

काठमांडो, 3 अप्रैल (भाषा)।

नेपाल में पत्रकारों के एक अहम संगठन ने चीन से महंगे दाम पर कोरोना वायरस से जुड़े उपकरण के आयात करने में उच्च-पदस्थ लोगों के कथित रूप से शामिल होने के बारे में एक निजी न्यूज पोर्टल पर प्रकाशित खबर को हटाए जाने की स्वतंत्र जांच की मांग की है।

मंगलवार को वेबसाइट काठमांडूप्रेस डॉट कॉम ने खबर प्रकाशित की थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली के आइटी विशेषज्ञ असगर अली और उपप्रधानमंत्री ईश्वर पोखरियाल के बेटों व प्रधानमंत्री के प्रमुख राजनीतिक सलाहकार विष्णु रिमाल ने स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों को कोरोना वायरस संकट को नियंत्रित करने के लिए जरूरी मेडिकल उपकरण बाजार भाव से अधिक दर पर खरीदने के लिए प्रभावित किया।

अगले ही दिन यह खबर वेबसाइट से हटा ली गई और साइट ने दावा किया कि ओली के सहयोगियों ने यह खबर को हटाने के लिए संपादकीय टीम पर दबाव डाला। जब टीम ने ऐसा करने से मना कर दिया तब उन्होंने साइट से डेवलपर और डिजायनर शिरान टेक्नोलोजीज को यह खबर हटाने के बाध्य किया। शिरान टेक्नोलोजीज असगर अली के स्वामित्व वाली एफ 1सॉफ्ट की सहायक कंपनी है।

फेडरेशन ऑफ नेपाली जर्नलिस्ट्स ने कहा कि यह घटना प्रेस की आजादी पर हमला है। उसने कहा कि किसी भी व्यक्ति या अधिकारी की ऐसी हरकत अवैध है। सरकार को ऐसी अवैध हरकत में लिप्त पाए जाने वाले व्यक्ति को दंडित करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

अकेले ही शारीरिक एवं मानसिक चुनौतियों से जूझने को मजबूर हैं गर्भवती महिलाएं

हांगकांग, 3 अप्रैल (भाषा)।

जब पूरी दुनिया कोविड-19 संक्रमण से निपटने के लिए संघर्ष कर रही है और इसे काबू करने के लिए बंदी व सामाजिक दूरी बनाने जैसे कदम ही एकमात्र उपाय नजर आ रहे हैं। ऐसे में गर्भवती महिलाओं के लिए अपनी शारीरिक व मानसिक चुनौतियों से अकेले लड़ना बेहद मुश्किल हो गया है क्योंकि उन्हें इसी समय में किसी के साथ की सर्वाधिक आवश्यकता होती है।

कोविड-19 के बढ़ते प्रकोप के बीच गर्भवती महिलाओं को कई अप्रत्याशित परिस्थितियों से जूझना पड़ रहा है। हांगकांग में पहले लोकतंत्र समर्थक हिंसक प्रदर्शनों और उनके खिलाफ आंसू गैस छोड़ने जैसी कार्रवाई के कारण और फिर कोरोना वायरस महामारी के चलते जैमी चुई को गर्भधारण के बाद से लगभग नौ महीने अपने घर में अकेले ही रहना पड़ा और अब जब वह बच्चे को जन्म देने वाली है, तो ऐसे में भी उनके साथ कोई नहीं होगा और उनके पति कई दिन बाद ही अपने बच्चे को देख पाएंगे।

हांगकांग और चीन ने मातृत्व इकाइयों में संक्रमण रोकने के लिए दुनिया के सबसे कड़े कदम उठाए हैं : गर्भवती महिला के पति को भी सरकारी अस्पताल की प्रसूति इकाइयों, प्रसव इकाइयों और प्रसवोत्तर इकाइयों में जाने की अनुमति नहीं है। इसके कारण कई महिलाओं को गर्भावस्था की कई प्रकार की समस्याओं और संक्रमण के भय से अकेले की लड़ना पड़ रहा है। इस समय अस्पतालों पर भी अत्यधिक दबाव के कारण संसाधनों का अभाव है। प्रसव के दौरान अपने साथी के साथ जाने पर प्रतिबंध लगाना विश्व स्वास्थ्य संगठन की 'सुरक्षित प्रसव जांच सूची' के खिलाफ है। संगठन के अनुसार प्रसव के दौरान महिला के साथ कोई भरोसेमंद व्यक्ति होना चाहिए।

न्यूयार्क के कुछ अस्पतालों में भी इसी प्रकार का प्रतिबंध लगाने की कोशिश की गई थी लेकिन लोगों के विरोध जताने पर राज्यपाल एंड्रयू कुओमो ने यह सुनिश्चित करने के लिए कार्यकारी आदेश जारी किया कि कोई महिला बच्चे को जन्म देने के समय अकेली नहीं होगी।

- हांगकांग और चीन ने मातृत्व इकाइयों में संक्रमण रोकने के लिए दुनिया के सबसे कड़े कदम उठाए हैं : गर्भवती महिला के पति को भी सरकारी अस्पताल की प्रसूति इकाइयों, प्रसव इकाइयों और प्रसवोत्तर इकाइयों में जाने की अनुमति नहीं है। प्रसव के दौरान अपने साथी के साथ जाने पर प्रतिबंध लगाना विश्व स्वास्थ्य संगठन की 'सुरक्षित प्रसव जांच सूची' के खिलाफ है।
- न्यूयार्क के कुछ अस्पतालों में भी इसी प्रकार का प्रतिबंध लगाने की कोशिश की गई थी लेकिन लोगों के विरोध जताने पर राज्यपाल एंड्रयू कुओमो ने यह सुनिश्चित करने के लिए कार्यकारी आदेश जारी किया कि कोई महिला बच्चे को जन्म देने के समय अकेली नहीं होगी।

चीन और हांगकांग में गर्भवती महिलाएं यदि अपने साथी को साथ लाना चाहती हैं तो उन्हें निजी अस्पताल में प्रसव कराना पड़ रहा है जहां 10,000 डॉलर खर्च करने पड़ते हैं अन्यथा उनके पास सरकारी अस्पतालों में अकेले ही चुनौतियों से जूझने का विकल्प है। मकाउ में रह रही कनाडाई दाई और लोक स्वास्थ्य अनुसंधानकर्ता का कहना है कि इस प्रकार का प्रतिबंध समस्या पैदा कर सकता है।उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाएं पहले ही बच्चे के वायरस से संक्रमित होने या थकी हुई चिकित्सकीय टीम को लेकर चिंतित हैं, ऐसे में उनकी चिंता को और बढ़ाने से उनका प्रसव बेहद मुश्किल हो सकता है। हालांकि शिशुओं में कोरोना वायरस संक्रमण और इससे मौत की संख्या बहुत कम है लेकिन हाल में अमेरिका में इस बीमारी संबंधी जटिलताओं के कारण छह माह के बच्चे की मौत हुई है।

'अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन' के दिशानिर्देश | **सलाह** | घरों में रहने के कारण लोगों में घबराहट और अवसाद

पूर्ण बंदी में योग से मिलेगा लोगों को लाभ, बढ़ती है प्रतिरोधक क्षमता

वाशिंगटन, 3 अप्रैल (भाषा)।

अमेरिका में एक जाने-माने भारतीय अमेरिकी हृदय रोग विशेषज्ञ का कहना है कि कोरोना वायरस संक्रमण के चलते लागू किए गए बंद के कारण घरों में रह रहे लोगों के लिए योगाभ्यास लाभकारी साबित हो सकता है क्योंकि यह रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करता है।

टेनेसी के 'मेम्फिस वेटरन हॉस्पिटल' में सेवाएं दे रहे हृदय रोग विशेषज्ञ इंद्रनील बसु राय ने हृदय रोगों में ध्यान की भूमिका पर 'अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन' की ओर से दिशानिर्देश लिखे हैं। राय ने कहा कि इस देश में ज्यादातर लोगों को लगता है कि योग केवल मुद्राओं से संबंधित है जो सही नहीं हैं। योग का बड़ा हिस्सा ध्यान और श्वास संबंधी तकनीक हैं जिनसे तनाव कम होता है। उन्होंने कहा कि लोग कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण अपने घरों में रहने के लिए मजबूर हैं।

- टेनेसी के 'मेम्फिस वेटरन हॉस्पिटल' में सेवाएं दे रहे हृदय रोग विशेषज्ञ इंद्रनील बसु राय ने हृदय रोगों में ध्यान की भूमिका पर 'अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन' की ओर से दिशानिर्देश लिखे हैं। राय ने कहा कि इस देश में ज्यादातर लोगों को लगता है कि योग केवल मुद्राओं से संबंधित है जो सही नहीं हैं। योग का बड़ा हिस्सा ध्यान और श्वास संबंधी तकनीक हैं जिनसे तनाव कम होता है।

ऐसी स्थिति ने लोगों में घबराहट और अवसाद पैदा कर दिया है।

राय ने कहा कि घबराहट और अवसाद दोनों का शारीरिक रूप से बुरा असर पड़ता है और इससे आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता इतनी कम हो सकती है कि वायरस संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि मानवीय प्रतिरक्षा को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है। पहला 'इनेट इम्युनिटी' यानी सहज प्रतिरक्षा और दूसरा, 'अडॉप्टिव इम्युनिटी' यानी अनुकूली प्रतिरक्षा। सहज प्रतिरक्षा क्षमता उन वायरल व बैक्टीरिया संबंधी संक्रमणों से मानव शरीर की रक्षा करती है जिनका सामना हम आमतौर पर करते हैं। अनुकूली प्रतिरक्षा प्रणाली उस समय काम करती है जब किसी रोगाणु के खिलाफ हमारा शरीर एंटीबॉडी पैदा करता है।

उन्होंने कहा कि यह तभी होता है जब मानव शरीर किसी एंटीजन के संपर्क में आता है। इसका उदाहरण है कि कोविड-19 से संक्रमित होने के बाद शरीर प्रत्यक्ष एंटीबॉडी पैदा करेगा जो सीधे इस कोरोना वायरस को निशाना बनाएगा। राय ने कहा कि इसीलिए इस वायरस से किसी व्यक्ति का फिर से संक्रमित होना दुर्लभ है। हालांकि चीन में दोबारा संक्रमण के मामले सामने आए हैं लेकिन इसका कारण पुनः संक्रमण के बजाए दोषपूर्ण किट हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि योग और ध्यान का अभ्यास प्रतिरक्षा क्षमता को मजबूत करता है।

www.readwhere.com

सूचकांक 674 अंक टूटा व निफ्टी 8,100 अंक से नीचे

मुंबई, 3 अप्रैल (भाषा)।

कोविड-19 के मामलों में लगातार बढ़ोतरी के बीच बैंकिंग शेयरों में भारी बिकवाली से शुक्रवार को बीएसई सूचकांक 674 अंक टूट गया। इस महामारी के आर्थिक प्रभाव को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है जिससे निवेशक घबराए हुए हैं।

कारोबारियों ने कहा कि विदेशी कोषों की निकासी और रुपए में कमजोरी से भी बाजार धारणा प्रभावित हुई। शुक्रवार को कारोबार के दौरान रुपया टूटकर 76 प्रति डॉलर से भी नीचे चला गया था। बीएसई का 30 शेयरों का सेंसेक्स दिन में कारोबार के दौरान एक समय 27,500.79 अंक के निचले स्तर तक आया। अंत में यह 674.36 अंक या 2.39 फीसद के नुकसान से 27,590.95 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी भी 170 अंक या 2.06 प्रतिशत टूटकर 8,083.80 अंक पर आ गया। छुट्टियों वाले कम कारोबारी सत्र वाले सप्ताह में सेंसेक्स 2,224.64 अंक या 7.46 प्रतिशत टूटा है। वहीं निफ्टी में 576.45 अंक या 6.65 प्रतिशत की गिरावट आई है।

मूडीज इन्वेस्टर सर्विस ने कोरोना वायरस संकट की वजह से भारतीय बैंकिंग क्षेत्र के परिदृश्य को बदलकर नकारात्मक कर दिया है। इससे बैंकिंग शेयरों में भारी बिकवाली का सिलसिला चला। सेंसेक्स की कंपनियों में एक्सिस बैंक का शेयर सबसे अधिक 9.16 फीसद टूटा। इंडसइंड बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, एसबीआई, मारुति, एचडीएफसी और एशियन पेंट्स के शेयर भी नुकसान में रहे। दूसरी ओर सनफार्मा, आइटीसी, ओएनजीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टेक महिंद्रा के शेयर लाभ में रहे।

कारोबारियों ने कहा कि रोज कोरोना वायरस के नए मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में निवेशक आर्थिक मंदी की आशंका को लेकर घबराए हुए हैं। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने शुक्रवार को आगाह किया कि कोविड-19 से वैश्विक अर्थव्यवस्था को 4,100 अरब डॉलर की चोट पहुंच सकती है। इस महामारी ने अमेरिका, यूरोप और अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को बुरी तरह प्रभावित किया है।

एडीबी का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में भारत की वृद्धि दर घटकर चार प्रतिशत पर आ जाएगी। एमके वेल्थ मैनेजमेंट के शोध प्रमुख जोसफ थॉमस ने कहा कि भारतीय बाजार खुलने के बाद लगातार नकारात्मक दायरे में रहे। कोविड-19 की वजह से बैंकिंग क्षेत्र की रेटिंग घटाए जाने से वित्तीय कंपनियों के शेयरों में नुकसान रहा। इस सप्ताह लघु अवधि में सुधार के बाद बाजार में फिर गिरावट शुरू हो गई। लेकिन यह संतोष की बात है कि गिरावट की रफ्तार में कुछ कमी आई है। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप में 1.17 प्रतिशत तक का नुकसान रहा। अन्य एशियाई बाजारें में चीन का शंघाई, हांगकांग का हैंग सेंग नुकसान में रहे। दक्षिण कोरिया के कॉस्पी और जापान के निक्की में मामूली बढ़त दर्ज हुई। शुरुआती कारोबार में यूरोपीय बाजार भी नुकसान में चल रहे थे। अंतर बैंक विदेशी विनिमय बाजार में दिन में कारोबार के दौरान रुपया 55 पैसे के नुकसान से 76.15 प्रति डॉलर पर था। रूस और सऊदी अरब के बीच कीमत युद्ध समाप्त होने की उम्मीद के बीच ब्रेंट कच्चा तेल वायदा 8.15 फीसद चढ़कर 32.36 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

जबलपुर में शुक्रवार को खेत में काम करता किसान।

विश्व बैंक ने भारत के लिए एक अरब डॉलर के आपातकालीन कोष को मंजूरी दी

वाशिंगटन, 3 अप्रैल (भाषा)।

विश्व बैंक ने कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर भारत के लिए एक अरब डॉलर के आपातकालीन कोष को मंजूरी दी है। विश्व बैंक ने गुरुवार को कहा कि उसने सहायता परियोजनाओं के पहले चरण के रूप में 1.9 अरब अमेरिकी डालर का प्रावधान किया है, जिससे 25 देशों की मदद की जाएगी, और त्वरित प्रक्रिया के जरिए 40 देशों में नए अभियान शुरू किए जाएंगे। इस आपातकालीन वित्तीय सहायता का सबसे बड़ा हिस्सा (एक अरब डॉलर) भारत को मिला है।निदेशक मंडल द्वारा कोविड-19 महामारी का मुकाबला करने के लिए विकासशील देशों को पहले चरण की सहायता को मंजूरी देने के बाद विश्व बैंक ने कहा कि भारत में एक अरब डॉलर के आपातकालीन वित्तपोषण से बेहतर ढ़ग से जांच, निजी सुरक्षा उपकरणों की खरीदारी और नई पृथक इकाइयों की स्थापना में मदद मिलेगी। विश्व बैंक ने दक्षिण एशिया में पाकिस्तान के लिए 20 करोड़ डॉलर, अफगानिस्तान के लिए 10 करोड़ डालर, मालदीव के लिए 73 लाख डॉलर और श्रीलंका के लिए 12.86 करोड़ डालर की मंजूरी दी।

जनधन खाताधारक बैंकों में भीड़ लगाने से बचें : वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (भाषा)।

वित्त मंत्रालय ने महिला जन-धन खाताधारकों से राहत राशि की निकासी के लिये इंडियन बैंक एसोसिएशन (आइबीए) की समयसारिणी का पालन करने की शुक्रवार को अपील की। मंत्रालय ने कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए बैंकों में भीड़ लगाने से बचा जाना चाहिए। सभी बैंकों ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पिछले सप्ताह की गई घोषणा पर अमल करते हुए शुक्रवार से लाभार्थियों के खाते में पैसे डालना शुरू कर दिया है।

वित्त सेवा सचिव देवाशीष पांडा ने ट्वीट में कहा कि महिला जन-धन खाताधारकों से अपील की जाती है कि वे अपने खाता संख्या के आखिरी अंक को देख लें और उसके आधार पर आइबीए की समयसारिणी का अनुसरण करें। पैसों की निकासी किसी भी एटीएम से भी की जा सकती है। एटीएम से इस निकासी पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। आपस में दूरी का पालन करें और कोरोना वायरस से लड़ें। आइबीए की तय समयसारिणी के हिसाब से जिन महिला जन-धन खाताधारकों की खाता संख्या का आखिरी अंक शून्य या एक है, उनके खाते में तीन अप्रैल को पैसे डाले जाएंगे। जिनकी खाता संख्या का आखिरी अंक दो या तीन है, उन्हें चार अप्रैल को पैसे मिलेंगे। इसी तरह चार या पांच आखिरी अंक वाले सात अप्रैल को, छह या सात अंक वाले आठ अप्रैल को तथा आठ या नौ अंक वाले नौ अप्रैल को पैसे निकाल सकेंगे। यह प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना की घोषित तीन किस्तों की पहली किस्त है।

सीईआरटी-इन ने प्रधानमंत्री कोष में दान देने वालों को फर्जी यूपीआइ आइडी से आगाह किया

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (भाषा)।

साइबर सुरक्षा से संबंधित निगरानी संस्था सीईआरटी-इन ने लोगों को पीएम-केयर्स कोष से मिलते जुलते फर्जी यूपीआइ आइडी से आगाह किया है और अपील की है कि दान करने से पहले वे आइडी की सत्यता जांच लें।

सरकार ने कोरोना वायरस महामारी का मुकाबला करने के लिए पीएम-केयर्स कोष बनाया है, जिसमें आम आदमी से लेकर बड़े कॉरपोरेट तक, सभी योगदान कर सकते हैं। लेकिन सरकार को जानकारी मिली है कि धोखेबाजों ने लोगों को घोखा देने के लिए पीएनबी, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई, आइसीआइसीआई बैंक और यस बैंक सहित कई भारतीय बैंकों के यूपीआई हैंडल पर आइडी बनाए गए हैं। निगरानी संस्था ने कहा कि सीईआरटी-इन को फर्जी यूपीआई आइडी के बारे में कई खबरें मिली हैं, जो आपातकालीन दशाओं में प्रधानमंत्री नागरिक सहायता और राहत कोष (पीएम-केयर्स) की यूपीआई आईडी से मिलती हैं। सीईआरटी-इन ने कहा कि पीएम-केयर्स कोष में योगदान के लिए असली यूपीआइ आइडी "pmcÔres@sbi" है और पंजीकृत खाते का नाम पीएम केयर्स है। इसके अलावा कोई भी आइडी फर्जी है। सीईआरटी-इन ने कहा कि पीएम-केयर्स में कोई भी योगदान करने से पहले यूपीआइ आइडी और पंजीकृत नाम की पुष्ट कर लें।

विषाणु से निपटने में सरकारों की मदद के लिए आंकड़े प्रकाशित करेगा गूगल

पेरिस, 3 अप्रैल (एएफपी)।

गूगल शुक्रवार से पूरी दुनिया के अपने उपयोगकर्ताओं के लोकेशन डेटा साझा करना शुरू करेगा ताकि सरकारें कोविड-19 वैश्विक महामारी से निपटने के लिए उनकी तरफ से उठाए गए सामाजिक दूरी संबंधी उपायों के प्रभाव को सही-सही आंक सके।

प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी के ब्लॉग पर पोस्ट के मुताबिक 131 देशों में उपयोगकताओं की आवाजाही पर रिपोर्ट विशेष वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी और भूगोल की मदद से समय दर समय आवाजाही की स्थिति अंकित होती रहेगी। गूगल मैप्स के प्रमुख जेन फिट्जपैट्रिक और कंपनी की मुख्य स्वास्थ्य अधिकरी केरेन डीसाल्वो की पोस्ट में कहा गया कि ये रुझान पार्क, दुकानों, घरों और कार्यस्थल जैसे स्थानों तक हुए दौरों में प्रतिशत प्वाइंट के हिसाब से बढ़ोतरी या कमी को प्रदर्शित करेगा न कि एक व्यक्ति कितनी बार इन स्थानों पर गया, यह बताएगा।

उन्होंने बताया कि उदाहरण के लिए फ्रांस में आंकड़ों के मुताबिक सामान्य दिनों के मुकाबले रेस्तरां, कैफे, बाजार, संग्रहालय और थीम पार्क जाने वालों की संख्या में 88 फीसद की कमी आई है। वहीं स्थानीय लॉकडाउन घोषित होने के बाद स्थानीय दुकानों में जाने वालों की संख्या में 40 फीसद की वृद्धि हुई जबकि पहले 72 फीसद की कमी आई थी।

गूगल के कार्यकारी ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि इन रिपोर्ट से कोविड-19 महामारी को नियंत्रित करने के लिए निर्णयों में मदद मिलेगी। इन सूचनाओं से अधिकारियों को आवश्यक यात्राओं में बदलाव को समझने में मदद मिलेगी जिसके अनुरूप सामान के वितरण और कारोबार का समय निर्धारित कर सकेंगे। गूगल ने स्पष्ट किया कि व्यक्तिगत पहचान करने वाली सूचना जैसे व्यक्ति का स्थान, संपर्क या आवाजाही ब्लॉग पर उपलब्ध नहीं कराई जाएगी।

- 131 देशों में उपयोगकताओं की आवाजाही पर रिपोर्ट विशेष वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी और भूगोल की मदद से समय दर समय आवाजाही की स्थिति अंकित होती रहेगी। गूगल मैप्स के प्रमुख जेन फिट्जपैट्रिक और कंपनी की मुख्य स्वास्थ्य अधिकरी केरेन डीसाल्वो की पोस्ट में कहा गया कि ये रुझान पार्क, दुकानों, घरों और कार्यस्थल जैसे स्थानों तक हुए दौरों में फीसद प्वाइंट के हिसाब से बढ़ोतरी या कमी को प्रदर्शित करेगा न कि एक व्यक्ति कितनी बार इन स्थानों पर गया, यह बताएगा।

उन्होंने बताया कि रिपोर्ट में सांख्यिकी तकनीक का इस्तेमाल कर मूल आंकड़ों में 'कृत्रिम शोर' का मिश्रण किया जाएगा ताकि किसी की पहचान करना मुश्किल हो।

कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए चीन से लेकर सिंगापुर और इजराइल की सरकार ने अपने नागरिकों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी के आदेश दिए हैं। इस संक्रमण से अबतक दुनिया में 50 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। यूरोप और अमेरिका में प्रौद्योगिकी कंपनियां स्मार्टफोन का गोपनीय डेटा साझा करना शुरू कर चुकी हैं ताकि महामारी को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सके। यहां तक की निजता के अधिकारों के समर्थक जर्मनी भी स्मार्टफोन ऐप का इस्तेमाल संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए करने पर विचार कर रहा है।

निजता अधिकार कार्यकताओं का आरोप है कि अधिनायकवादी सरकारें कोरोना वायरस संक्रमण का इस्तेमाल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने और निगरानी बढ़ाने में कर रही हैं। वहीं, उदारवादी लोकतांत्रिक देशों और अन्य को यह भय सता रहा है कि डाटा एकत्र करने से निजता और डिजिटल अधिकारों पर दीर्घकाल में विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

कोरोना : गूगल भ्रामक जानकारियों से निपटने के लिए देगा 65 लाख डॉलर

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (भाषा)।

गूगल भारत समेत दुनियाभर में कोरोना वायरस से जुड़ी भ्रामक जानकारियों से निपटने पर 65 लाख डॉलर (करीब 49 करोड़ रुपए) की राशि खर्च करेगी। कंपनी इस राशि से कोरोना वायरस महामारी से जुड़े तथ्यों की सच्चाई जांचने वालों (फैक्ट चेकर्स) और गैर-लाभकारी संगठनों की मदद करेगी।

गूगल ने शुक्रवार को ब्लॉग में कहा कि स्वास्थ्य अधिकारियों ने विशेष जोर देकर कहा है कि सूचनाओं की अधिकता से लोगों के लिए इस महामारी के बारे में विश्वसनीय जानकारी जुटाना मुश्किल हो जाएगा।

साथ ही कंपनी ने कहा कि गलत सूचनाओं से लोगों को बचाने में मदद के लिए वैज्ञानिकों, पत्रकारों, लोकप्रिय लोगों और प्रौद्योगिकी मंचों समेत व्यापक प्रतिक्रिया की जरूरत है।

कंपनी ने कहा कि हम दुनियाभर में इन गलत सूचनाओं से निपटने में लगे फैक्ट-चेकर्स और गैर-लाभकारी संगठनों की मदद के लिए 65 लाख डॉलर मुहैया करा रहे हैं। गूगल ने कहा कि फैक्ट-चेकर्स और स्वास्थ्य संस्थाओं को उन विषयों को चुनने में मदद करने की जरूरत है, जिसके बारे में लोग खोज (ऑनलाइन सर्चिंग) कर रहे हैं। साथ ही ऐसी सामग्री को भी चिन्हित करने की जरूरत है जहां अच्छी ऑनलाइन सूचना की उपलब्धता में अंतर है।

कंपनी ने कहा कि इस काम के लिए हम भारत में बूम लाइव, नाइजीरिया में अफ्रीका चेक के साथ साझेदारी करने में 'डाटा लीड्स' की मदद कर रहे हैं। इसके तहत भारत और नाइजीरिया में करीब एक हजार पत्रकारों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

इसके अलावा गूगल की गूगल न्यूज इनिशिएटिव (जीएनआइ) भी इस दिशा में कदम उठा रही है।

> *गूगल* ने शुक्रवार को ब्लॉग में कहा कि स्वास्थ्य अधिकारियों ने विशेष जोर देकर कहा है कि सूचनाओं की अधिकता से लोगों के लिए इस महामारी के बारे में विश्वसनीय जानकारी जुटाना मुश्किल हो जाएगा।

राहत

कन्याकुमारी में देशबंदी के दौरान शुक्रवार को एक सरकारी राहत केंद्र में एक हजार रुपए मिलने के बाद नोट दिखाती महिला लाभार्थी।

बिजली की मांग में 25 फीसद से अधिक की गिरावट

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (भाषा)।

देश में कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए बंदी लागू होने के बीच दो अप्रैल को बिजली की मांग 25 फीसद से अधिक गिरकर 125.81 गीगावाट पर आ गयी। देश में सबसे अधिक बिजली मांग 168.32 गीगावाट रही है। बिजली मंत्रालय के आंकड़ों में इसकी जानकारी दी गई।

साल भर पहले की तुलना में दो अप्रैल को बिजली मांग में करीब 43 गीगावाट की कमी रही। हालांकि, 22 मार्च के बाद बिजली की सर्वाधिक मांग करीब 120 गीगावाट रही है। यह गिरावट उद्योग जगत और राज्यों के बिजली वितरण निगमों की मांग में कमी के कारण आई है। किसी एक दिन के दौरान बिजली की सर्वाधिक हुई आपूर्ति को उस दिन की सर्वाधिक मांग कहा जाता है।

आंकड़ों के अनुसार, 20 मार्च को सर्वाधिक मांग 163.72 गीगावाट रही जो 21 मार्च को 161.74 गीगावाट पर आ गयी। जनता कर्फ्यू के कारण 22 मार्च को इसमें और गिरावट आई। उस दिन सर्वाधिक मांग 135.20 गीगावाट रही। इसके बाद 23 मार्च को इसमें थोड़ी तेजी आई और यह 145.49 गीगावाट पर पहुंच गई। हालांकि यह 24 और 25 मार्च को क्रमशः 135.93 गीगावाट और 127.96 गीगावाट पर आ गई।

इसके बाद बिजली की सर्वाधिक मांग 26 मार्च को 120.31 गीगावाट, 27 मार्च को 115.23 गीगावाट, 28 मार्च को 117.76 गीगावाट, 29 मार्च को 120.18 गीगावाट, 30 मार्च को 120.79 गीगावाट, 31 मार्च को 123.08 गीगावाट, एक अप्रैल को 123.30 गीगावाट और दो अप्रैल को 125.81 गीगावाट रही। पिछले साल मार्च में सर्वाधिक मांग 168.7 गीगावाट और अप्रैल में 176.81 गीगावाट रही थी।

ट्रंप ऑगेर्नाइजेशन पर विषाणु की मार, कर्ज अदायगी में देरी की नौबत

न्यूयॉर्क, 3 अप्रैल (एएफपी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पारिवारिक कंपनी ने ड्यूश बैंक जैसे ऋणदाताओं से कहा है कि क्या वह कोरोना वायरस महामारी से आर्थिक नुकसान के चलते कर्ज अदायगी में देरी कर सकी है?ट्रंप द्वारा बनाई गई कंपनियों के समहू - ट्रंप ऑगेर्नाइजेशन, जिसका संचालन अब उनके बेटे करते हैं, को कोरोना वायरस महामारी के चलते लगाए गए प्रतिबंधों के कारण दूसरी कंपनियों की तरह घाटे का सामना करना पड़ रहा है।

बैंक ने दो कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की | **कोरोना-काल** | कर्मचारियों ने अभिव्यक्ति की आजादी का हनन बताया

एसबीआइ ने बैंक के खिलाफ सोशल मीडिया में लिखने पर कर्मचारियों को कार्रवाई की चेतावनी दी

कोलकाता, 3 अप्रैल (भाषा)।

भारतीय स्टेट बैंक ने अपने कर्मचारियों को चेतावनी दी है कि अगर वे सोशल मीडिया में कोरोना वायरस महामारी के दौरान बैंक के कामकाज को लेकर कोई विपरीत पोस्ट करेंगे, तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सूत्रों ने शुक्रवार को कहा कि हाल ही में सभी अंचलों के मुख्य महाप्रबंधकों को लिखे पत्र में एसबीआइ ने कहा है कि उन कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बैंक, उसके प्रबंधन और नीतियों को बाधित करने वाले पोस्ट कर रहे हैं। सूत्रों ने एक परिपत्र के हवाले से कहा कि हमने बैंक की शाखाओं और कार्यालयों के कामकाज से संबंधित सोशल मीडिया पोस्टों में बढ़ोतरी देखी है। कई ऐसी पोस्ट हैं जिनमें कोविड-19 महामारी के संदर्भ में बैंक का परिचालन बंद नहीं करने पर निंदा की गई है, और जहां ऐसे महत्वपूर्ण समय में बैंक की भूमिका की बहुत कम सराहना की गई है

> हाल ही में सभी अंचलों के मुख्य महाप्रबंधकों को लिखे पत्र में एसबीआइ ने कहा है कि उन कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बैंक, उसके प्रबंधन और नीतियों को बाधित करने वाले पोस्ट कर रहे हैं

उन्होंने कहा कि बैंक ने पहले ही पश्चिम बंगाल स्थित अपने दो कर्मचारियों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कदम की एसबीआइ कर्मचारियों के एक बड़े वर्ग ने निंदा की है और इसे अभिव्यक्ति की आजादी को दबाने की कोशिश बताया।

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कोरोना वायरस संकट के बीच एसबीआई एकमात्र ऐसा बैंक है, जिसने इस तरह का परिपत्र जारी किया है। इस बारे में संपर्क करने पर कोलकाता अंचल के एसबीआइ के मुख्य महाप्रबंधक रंजन कुमार मिश्रा ने कहा कि बैंक की एक सोशल मीडिया नीति है, जिसका पालन करने की प्रत्येक कर्मचारी से अपेक्षा की जाती है, ऐसा नहीं करने पर कार्रवाई की जा सकती है।

उन्होंने कहा कि हर कोई कोविड-19 के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन अगर इस तरह की पोस्ट से बैंक की छवि धूमिल होती है, तो जांच के बाद अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

www.readwhere.com

चार फीसद रह सकती है भारत की वृद्धि दर, एडीबी का अनुमान

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण दुनियाभर में पैदा हुए स्वास्थ्य आपात के बीच, एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने अनुमान जताया है कि वित्त वर्ष 2021 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर घटकर चार फीसद रह सकती है।

साथ ही इस बहुपक्षीय संस्था ने अपने प्रमुख प्रकाशन- एशियाई विकास परिदृश्य (एडीओ) में कहा कि व्यापक आर्थिक बुनियाद मजबूत होने से भारत अगले वित्त वर्ष में जोरदार वापसी करेगा। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) का अनुमान है कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2019-20 में पांच फीसद रहेगी।

बाजार में पिछले साल आई सुस्ती के बाद से ही भारत की विकास दर धीमी होती रही है। वित्त वर्ष 2019 में यह 6.1 फीसद से गिरकर पांच फीसद रह गई थी। एडीबी के अध्यक्ष मसात्सुगु असाकावा ने कहा, 'कई बार काफी चुनौतीपूर्ण समय का सामना करना पड़ता है। कोविड-19 से विश्वभर में लोगों की जिंदगियां प्रभावित हुई हैं और उद्योग व अन्य आर्थिक गतिविधियां बाधित हो रही हैं।' बैंक ने अपने 'एशियन डेवलपमेंट आउटलुक' (एडीओ) 2020 में कहा कि भारत में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि अगले वित्त वर्ष में 6.2 फीसद तक मजबूत होने से पहले वित्त वर्ष 2021 में घटकर चार फीसद रह सकती है।

> *एडीबी* की मुख्य अर्थशास्त्री यासुयाकी स्वादा ने कहा कि कोविड-19 महामारी से वैश्विक वृद्धि प्रभावित हुई है और भारत भी इससे अछूता नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत की व्यापक आर्थिक बुनियाद मजबूत है, और एडीबी को उम्मीद है कि अगले वित्त वर्ष के दौरान अर्थव्यवस्था में जोरदार सुधार होगा। उन्होंने कहा कि भारत ने महामारी का मुकाबला करने के लिए तेजी से कदम उठाए।

कोरोना वायरस महामारी से दुनिया भर में 50,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 10 लाख से अधिक संक्रमित हैं। भारत में इस बीमारी से 50 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई है और 2,000 से अधिक संक्रमित हैं।

एडीबी की मुख्य अर्थशास्त्री यासुयाकी स्वादा ने कहा कि कोविड-19 महामारी से वैश्विक वृद्धि प्रभावित हुई है और भारत भी इससे अछूता नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत की व्यापक आर्थिक बुनियाद मजबूत है, और एडीबी को उम्मीद है कि अगले वित्त वर्ष के दौरान अर्थव्यवस्था में जोरदार सुधार होगा। उन्होंने कहा कि भारत ने महामारी का मुकाबला करने के लिए तेजी से कदम उठाए।

एडीबी ने कहा है कि कोरोना वायरस महामारी से वैश्विक अर्थव्यवस्था को 4100 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है। ऐसा अमेरिका, यूरोप और अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के इसकी चपेट में आने के चलते होगा।

जांच

कोलकाता में शुक्रवार को कोरोना महामारी के मद्देनजर देशबंदी के दौरान बैंक के बाहर कर्मचारियों की तापीय जांच करता सुरक्षाकर्मी।

कोरोना संक्रमित रोगियों के मद्देनजर

उत्तर-मध्य रेलवे बना रहा है 68 ट्रेनों में 680 पृथक कोच

लखनऊ, 3 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना विषाणु संक्रमित रोगियों को रखने के लिए उत्तर रेलवे और उत्तर मध्य रेलवे 68 ट्रेनों में 680 पृथक कोच बना रहा है जहां एक साथ दस हजार से अधिक कोरोना संक्रमित रोगियों को रखा जा सकेगा।

प्रत्येक ट्रेन में दस पृथक कोच होंगे, प्रत्येक कोच में आठ केबिन होंगे और हर केबिन में दो-दो रोगियों को पृथक रखने की व्यवस्था होगी। इस तरह इन 680 कोच में करीब 10880 कोरोना संक्रमित मरीज रखे जा सकेंगे।

इन विशेष ट्रेनों के लिए विशेष कोच को बनाने का काम शुरू हो गया है और एक हफ्ते के अंदर यह विशेष डिब्बे तैयार हो जाएंगे। इन विशेष डिब्बों में उन रोगियों को रखने की व्यवस्था होगी जो कोरोना संक्रमित होंगे लेकिन उनके पास घर या अस्पताल में पथृक करने की जगह नहीं होगी।

इन डिब्बों में रोगियों की देखभाल के लिए डाक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की टीमें तैनात रहेंगी। यह विशेष ट्रेनें उन स्थानों पर प्लेटफार्म पर पहुंचेंगी जहां कोरोना विषाणु संक्रमित रोगियों की संख्या अधिक होगी।

> रेलवे विभाग ने सभी रेलवे मंडलों को निर्देश दिए है कि समूचे देश में ऐसे 5000 विशेष कोच बनाए जाएं ताकि किसी आपात स्थिति में अगर अस्पतालों में जगह न बचे तो दूर दराज के इलाकों में इन ट्रेनों के डिब्बो को पृथक कक्ष बनाकर वहां रोगियों को इनमें रखा जा सके।

सूत्रों के अनुसार, रेलवे विभाग ने सभी रेलवे मंडलों को निर्देश दिए है कि समूचे देश में ऐसे 5000 विशेष कोच बनाए जाएं ताकि किसी आपात स्थिति में अगर अस्पतालों में जगह न बचे तो दूर दराज के इलाकों में इन ट्रेनों के डिब्बो को पृथक कक्ष बनाकर वहां रोगियों को इनमें रखा जा सके।

उत्तर रेलवे (एनआर) और उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) के महाप्रबंधक राजीव चौधरी ने शुक्रवार को विशेष बातचीत में बताया कि कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए उत्तर रेलवे और उत्तर मध्य रेलवे ने व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। उत्तर रेलवे में 39 ट्रेनों में 390 ऐसे विशेष कोच बनाए जा रहे है। हर ट्रेन में ऐसे केवल दस डिब्बे होंगे। हर डिब्बे में आठ केबिन होंगे और प्रत्येक केबिन में दो-दो कोरोना संक्रमित रोगी रखे जाएंगे। उन्होंने बताया कि इसी तरह उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) की 29 ट्रेनों में 290 विशेष पृथक कोच बनाएं जा रहे हैं। इन डिब्बो में भी आठ-आठ केबिन होंगे और प्रत्एक केबिन में दो-दो रोगी रखे जा सकेंगे। प्रत्एक कोच में आठ केबिन होंगे और हर केबिन में दो-दो रोगी रखे जाएंगे इस तरह एक डिब्बे में 16 कोरोना पीड़ित रखे जा सकेंगे।

चौधरी ने बताया कि इन सभी कोच में रखे जाने वाले रोगियों की जांच के लिए रेलवे के डाक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की टीमें तैनात रहेंगी जो नियमित तौर पर रोगियों का परीक्षण करेंगी। इसके साथ ही रोगियों की साफ सफाई और खाने पीने की व्यवस्था भी रेलवे द्वारा की जाएगी।

उन्होंने एक बात साफ की कि इन कोच में केवल उन्हीं कोरोना संक्रमण रोगियों को रखा जाएगा जिनमें संक्रमण तो है लेकिन उनको सांस लेने में कोई दिक्कत नही है, अगर सांस लेने में किसी भी रोगी को कोई दिक्कत होगी तो उसे तुरंत किसी बड़े अस्पताल में भेज दिया जाएगा।

उत्तर मध्य रेलवे ने पृथक कोच के रूप में परिर्वितत करने के लिए कोचों में संशोधन कार्य शुरू कर दिया है। रेलवे बोर्ड ने उत्तर मध्य रेलवे को 290 कोच रूपांतरण का लक्ष्य दिया है और इसे 14 अप्रैल तक पूरा करने को कहा गया है।

महाप्रबंधक एनसीआर ने बताया कि उत्तर मध्य रेलवे में प्रयाग कोचिंग डिपो प्रयागराज, कोचिंग डिपो कानपुर, आगरा कोचिंग डिपो आगरा, झांसी कोचिंग डिपो झांसी, तथा झांसी कारखाना कोच मिडलाइफ रिहैबिलिटेशन वर्कशॉप झांसी में इन विशेष पृथक कोच के रूपांतरण का काम हो रहा है।

मुंबई की आवासीय कॉलोनियों में घरेलू सहायकों पर रोक

मुंबई, 3 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना विषाणु महामारी के कारण देश में लगाए गए पूर्णबंदी के कारण कई आवासीय कॉलोनियों और परिसरों में घरेलू सहायकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाए जाने के साथ ही मुंबई के घरों की दैनिक दिनचर्या अस्तव्यस्त हो गई है। पिछले सप्ताह एक घरेलू सहायक में इस विषाणु के संक्रमण की पुष्टि होने के बाद आवासीय परिसरों में उनके प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया। यह घरेलू सहायक एक ऐसे व्यक्ति के घर पर काम करता था जो अमेरिका से लौटने के दस दिन बाद इस विषाणु से संक्रमित पाया गया था।

सांताक्रूज से एक घरेलू सहायक मनीषा खोत ने बताया, 'महामारी और पूर्णबंदी के बाद आवासीय कॉलोनियों और बंगलों में घरेलू सहायकों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई।'कुछ नियोक्ताओं ने अपने कर्मचारियों को वेतन का अग्रिम भुगतान भी किया है।

उपनगरीय कुर्ला के कलिना क्षेत्र से एक घरेलू सहायिका रुशीना मंसूरी संक्रमण के डर से घर में ही रहने को मजबूर है।

मंसूरी ने कहा, 'मैं क्षेत्र में जिस घर में काम कर रही थी उसमें एक व्यक्ति के कोरोना विषाणु से संक्रमित पाए जाने के बाद मैंने घर में ही रहने का फैसला किया। मैं अपने और अपने परिवार के जीवन को खतरे में नहीं डालना चाहती हूं।' मुंबई के घरों में मदद के लिए घरेलू सहायक/सहायिकाओं की अहम भूमिका है और महामारी के कारण कई लोगों को ऐसे घरों से अपनी नौकरियां छोड़नी पड़ी जहां वे दशकों से काम कर रहे थे।

शिलांग अस्पताल दूसरे राज्यों के सिर्फ गंभीर मरीजों को भर्ती करेगा

शिलांग, 3 अप्रैल (भाषा)।

शिलांग के एक प्रतिष्ठित अस्पताल ने निर्णय लिया है कि वह दूसरे राज्यों के कोरोना विषाणु के संक्रमण से इतर, केवल उन्हीं मरीजों को अपने अस्पताल में भर्ती करेगा जिनकी हालत नाजुक होगी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत आने वाले स्वायत्त पूर्वोत्तर इंदिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विज्ञान संस्थान (एनईआइजीआरआइएचएमएस) ने एहतियात के तौर पर यह नियम बनाया है।

एनईआइजीआरआइएचएमएस के निदेशक डीएम थप्पा ने कहा कि यह नियम राज्य सरकार द्वारा गुरुवार को मिले निर्देश के बाद बनाया गया है। कोरोना महामारी के खत्म होने तक यह नियम प्रभावी रहेगा। थप्पा ने कहा कि ऐसे मरीज जिन्हें कोरोना विषाणु का संक्रमण नहीं है लेकिन वे गंभीर हालत में है तो केवल ऐसे ही मरीजों को अस्पताल भर्ती करेगा। लेकिन इसके लिए भी इन मरीजों को अपने राज्य के स्वास्थ्य प्रशासन से अपने गंभीर रूप से बीमार होने का प्रमाणपत्र लाना होगा।

एनईआइजीआरआइएचएमएस इस निर्देश के साथ ही कहा है कि ऐसे मरीज के साथ सिर्फ एक व्यक्ति ही अस्पताल में रह सकता है। मुख्य सचिव एमएस राव ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र के असम, मणिपुर, मिजोरम, नगालैंड, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम की सरकारों को इस बारे में जानकारी दे दी गई है।

आंध्र प्रदेश में संक्रमण के कारण पहली मौत की पुष्टि

अमरावती (आंध्र प्रदेश), 3 अप्रैल (भाषा)।

आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में 55 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत के कई दिन बाद शुक्रवार को राज्य सरकार ने पुष्टि की है कि मौत का कारण कोरोना विषाणु संक्रमण था। राज्य में कोरोना विषाणु से यह पहली मौत है।

आंध्र प्रदेश में अब तक 161 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है जिसमें से तीन मरीज उपचार के बाद ठीक हो चुके हैं। उक्त व्यक्ति अपने बेटे के संपर्क में आने से संक्रमित हुआ था जो 17 मार्च को नई दिल्ली में तबलीगी जमात के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद लौटा था।

राज्य के नोडल अधिकारी अरजा श्रीकांत ने एक वक्तव्य जारी कर कहा, 'व्यक्ति 30 मार्च को पूर्वाह्न साढ़े ग्यारह बजे स्वास्थ्य जांच कराने के लिए सरकारी अस्पताल आया था। उसके खून के नमूने जांच के लिए भेजे गए थे, इसी बीच साढ़े बारह बजे के आसपास उसकी मौत हो गई थी।' उन्होंने बताया कि व्यक्ति उच्च रक्तचाप, मधुमेह और दिल की बीमारी से ग्रसित था। उन्होंने कहा, 'व्यक्ति अन्य बीमारियों से भी ग्रसित था जिसके चलते यह पता लगाने में देर हुई कि उसकी मौत कोरोना विषाणु से हुई थी या नहीं।' व्यक्ति के बेटे में कोविड-19 संक्रमण की पुष्टि 31 मार्च को हुई थी और उसे पृथक रखा गया था।

श्रीकांत ने कहा, 'हमने 29 अन्य ऐसे लोगों की पहचान की है जो मृतक के बेटे के संपर्क में आए थे और उन्हें भी पृथक रखा गया है।' इसी बीच उप मुख्यमंत्री (स्वास्थ्य) एएके श्रीनिवास ने कहा कि आंध्र प्रदेश में कोरोना विषाणु से संक्रमित 161 में से 140 व्यक्ति तबलीगी जमात के जलसे में शामिल हुए थे।

मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के बाद श्रीनिवास ने संवाददाताओं से कहा, 'जमात के कार्यक्रम में शामिल होने वाले 881 व्यक्तियों के खून की जांच में 108 व्यक्तियों में कोरोना विषाणु की पुष्टि हुई। अन्य 65 लोगों के नमूनों की जांच के नतीजे अभी आने बाकी हैं।' इसके अलावा उनके संपर्क में आए 32 लोगों में भी कोरोना विषाणु की पुष्टि हुई है।

आंध्र प्रदेश में संक्रमितों की संख्या 161 पहुंची, एक मरीज हुआ संक्रमण मुक्त

अमरावती (अरुणाचल प्रदेश), 3 अप्रैल (भाषा)।

आंध्र प्रदेश में कोरोना विषाणु के 12 नए मामले आने के बाद कुल संक्रमित लोगों की संख्या 161 तक पहुंच गई है। वहीं काकीनाडा में शुक्रवार को एक व्यक्ति स्वस्थ हुआ जिसके बाद राज्य में संक्रमण मुक्त होने वाले लोगों की संख्या तीन हुई।

एसपीएस नेल्लोर जिला कोरोना विषाणु से बेहद प्रभावित क्षेत्र बन गया है क्योंकि यहां तीन दिन में ही संक्रमित लोगों की संख्या 32 तक पहुंच गई है। कृष्णा जिले में भी कोरोना विषाणु का मामला बढ़कर 23 तक पहुंच गया।

विजयवाड़ा शहर में यह मामला 18 तक पहुंच चुका है। शहर में तीन प्रभावित क्षेत्रों की पहचान की गई है जहां इस बीमारी के प्रसार की संख्या काफी ज्यादा है और अधिकारियों ने इन क्षेत्रों को संक्रमण मुक्त करने के साथ ही लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध कड़े कर दिए हैं।

वहीं तटीय जिले श्रीकाकुलम और विजयनगरम अभी सुरक्षित क्षेत्र हैं क्योंकि इन क्षेत्रों में कोरोना विषाणु से संक्रमण का मामला सामने नहीं आया है। शुक्रवार को काकीनाडा में संक्रमण का इलाज करा रहा मरीज स्वस्थ हो गया और उसे छुट्टी दे दी गई है।

राज्य के नोडल अधिकारी ए श्रीकांत ने बताया कि सक्रिय कोरोना विषाणु मरीजों की संख्या 158 तक पहुंच गई है।

रुड़की आइआइटी ने बनाया सस्ता पोर्टेबल वेंटिलेटर

जनसत्ता संवाददाता
देहरादून, 3 अप्रैल।

कोरोना संकट के चलते वेंटिलेटर की भारी कमी को देखते हुए रुड़की आइआइटी के वैज्ञानिकों ने एक पोर्टेबल वेंटिलेटर का निर्माण किया है जो कोविड-19 के मरीजों के लिए बहुत उपयोगी हो सकता है जिसका नाम आइआइटी रुड़की के वैज्ञानिकों ने ष्प्राणवायु रखा है प्राणवायु नाम के इस क्लोज्ड लूप वेंटिलेटर को एम्स ऋषिकेश के सहयोग से विकसित किया गया है वेंटिलेटर मरीज को आवश्यक मात्रा में हवा पंहुचाने के लिए प्राइम मूवर के नियंत्रित ऑपरेशन पर आधारित है इसके अलावा वेंटिलेटर सांस नाली के विस्तृत प्रकार के अवरोधों में उपयोगी और सभी आयु वर्ग के रोगियों विशेष रूप से बुजुर्गों के लिए खास लाभदायक है।

आइआइटी रुड़की के निदेशक अजीत कुमार चतुर्वेदी का कहना है कि कोरोना विषाणु के मरीजों को जब अस्पताल में भर्ती किया जाता है तो उनको सांस लेने में काफी दिक्कत होती है मरीज को अगर साथ में किसी प्रकार की दिक्कत ना आए तो मरीज का इलाज अच्छे तरीके से किया जा सकता है और इसके उपचार के लिए वेंटिलेटर की सबसे ज्यादा जरूरत पड़ती है मगर इस वक्त देश भर के तमाम अस्पतालों में वेंटिलेटर की कमी है और अगर मरीजों की संख्या बढ़ती है तो ज्यादा वेंटिलेटर की व्यवस्था नहीं की जा सकती है।

इमर्जेंट ग्लोबल एडू एण्ड सर्विसेज लिमिटेड
(पूर्व का इमर्जेंट एनर्जी एण्ड सर्विसेज लिमिटेड)
सीआईएन : L80902DL1983PLC209722
पंजीकृत कार्यालय : 8-बी, 'सागर', 6, तिलक मार्ग, नई दिल्ली-110001; दूरभाष : (91) (11) 2378 2022, 2338 2592
फैक्स : (91) (11) 2378 2806, 23381914 ; ई-मेल : sotl@somanigroup.com; वेबसाइट : www.eesl.in

सूचना

कम्पनी (प्रबन्धन एवं प्रशासन) नियम, 2014 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 110 एवं कम्पनी अधिनियम, 2013 के अन्य प्रयोज्य प्रावधानों के अनुसार एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कम्पनी के नाम के परिवर्तन तथा पोस्टल बैलट के माध्यम से कम्पनी के ज्ञापन-पत्र एवं संघ के अन्तर्नियम में अनुगामी संशोधन तथा पोस्टल बैलट सूचना दिनांक 24 फरवरी, 2020 के सन्दर्भ में ई-वोटिंग हेतु कम्पनी के सदस्यों का अनुमोदन प्राप्त करने का विचार किया गया।
कम्पनी ने पोस्टल बैलट एवं ई-वोटिंग प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संचालन हेतु मैसर्स नवीन गुप्ता एण्ड एसोसिएट्स के कार्यकारी कम्पनी सचिव श्री नवीन गुप्ता को संवीक्षक के रूप में नियुक्त किया था। संवीक्षक ने प्राप्त बैलट प्रपत्रों तथा ई-वोटिंग के माध्यम से मतों की संवीक्षा की। संवीक्षक के प्रतिवेदन के आधार पर परिणामों की घोषणा 31 मार्च, 2020 को निम्नवत की गयी :

क्र. सं.	Particulars	मतदाताओं की सं.	वैध मतों की कुल सं.	पक्ष में डाले गये कुल मत	विरोध में डाले गये कुल मत
1	कम्पनी के नाम में परिवर्तन तथा कम्पनी के ज्ञापन-पत्र एवं संघ के अन्तर्नियमों में संशोधन।	17	3376867	3376867	कोई नहीं

तदनुसार, अपेक्षित बहुमत द्वारा कम्पनी के सदस्यों द्वारा उपर्युक्त विशेष प्रस्ताव पारित किया गया।

कृते मैसर्स इमर्जेंट ग्लोबल एडू एण्ड सर्विसेज लिमिटेड
ह./-
सबीना नागपाल
कम्पनी सचिव एवं अनुपालन अधिकारी

दिनांक : 1 अप्रैल, 2020
स्थान : नई दिल्ली

संकट का सामना कर रहे मुर्गी पालन उद्योग ने की केंद्र से दखल की मांग

हैदराबाद, 3 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना विषाणु के संक्रमण और देशव्यापी बंदी ने पोल्ट्री सेक्टर (कुक्कुटपालन क्षेत्र) को संकट में डाल दिया है और इस साल फरवरी से अब तक इस क्षेत्र में 22,500 करोड़ रुपए का घाटा हुआ।

कुक्कुटपालन क्षेत्र की शीर्ष इकाई अखिल भारतीय कुक्कुट पालक संघ (एआइपीबीए) ने इस उद्योग को संकट से बाहर निकालने के लिए नरेंद्र मोदी नीत केंद्र सरकार से ऋण और ब्याज को लेकर सहायता करने के साथ ही राहत पैकेज की मांग की है।

संगठन के उपाध्यक्ष सुरेश चित्तूरी ने कहा कि मुर्गे और अंडा खाने से कोरोना विषाणु के संक्रमण जैसी गलत जानकारियों से इस उद्योग को फरवरी से काफी नुकसान उठाना पड़ा और इसके बाद बंद की वजह से लाने-ले-जाने में दिक्कतें आईं।

मुर्गे और अंडे खाने से विषाणु की चपेट में आने जैसी गलत धारणाएं बनने से इस उद्योग को फरवरी से भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

> *संगठन* के उपाध्यक्ष सुरेश चित्तूरी ने कहा कि मुर्गे और अंडा खाने से कोरोना विषाणु के संक्रमण जैसी गलत जानकारियों से इस उद्योग को फरवरी से काफी नुकसान उठाना पड़ा और इसके बाद बंद की वजह से लाने-ले-जाने में दिक्कतें आईं।

साथ ही चित्तूरी ने कहा, 'फरवरी के पहले सप्ताह से ही अफवाहों का दौर शुरू हो गया जिससे इस उद्योग को काफी नुकसान पहुंचा। कुछ लोगों ने गलत जानकारियां फैलाईं कि मुर्गे और अंडे नहीं खाना चाहिए। इस उद्योग पर पिछले छह सप्ताह से विपरीत प्रभाव पड़ा है।'

उन्होंने दावा कि उनकी तरफ से मुर्गे और अंडे खाने के बारे में स्पष्टीकरण के बाद चीजें ठीक हुईं लेकिन अंतर-राज्य में अंडे और मुर्गे ले जाने में दिक्कतों ने इस क्षेत्र को फिर नुकसान पहुंचाया।

संगठन के अनुसार इस उद्योग में 10 लाख से ज्यादा पोल्ट्री किसान काम करते हैं। यह देश की जीपीडी में 1.3 लाख करोड़ रुपए का योगदान देता है।

एआइपीबीए ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 30 मार्च को एक ज्ञापन सौंपकर तत्काल वित्तीय सहायता और राहत पैकेज की मांग की है।

पुलिस ले रही है भूतों का सहारा

इंदौर (मध्य प्रदेश), 3 अप्रैल (भाषा)।

देश में कोविड-19 के प्रकोप से सबसे ज्यादा प्रभावित शहरों में शामिल इंदौर में इस महामारी के खतरों के प्रति लोगों को आगाह करने के लिए पुलिस 'भूतों' की मदद भी ले रही है।

दरअसल, विजय नगर पुलिस ने स्वयंसेवकों का दल तैयार किया है जो भूत के हुलिए में खासकर झुग्गी बस्तियों में पहुंचते हैं और लोगों को इस महामारी के खिलाफ जागरूक करते हैं। पुलिस की इस अनोखी मुहिम के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। डरावने मुखौटों वाले ये भूत अस्थि पिंजर के चित्र वाली खास पोशाक पहने नजर आते हैं।

विजय नगर पुलिस थाने के प्रभारी तहजीब काजी ने शुक्रवार को बताया, 'हमने छह स्वयंसेवकों का खास दल तैयार किया है जो तीन अलग-अलग पालियों में भूत के हुलिए में खासकर उन झुग्गी बस्तियो में पहुंचते हैं जहां लोगों में कोविड-19 के खिलाफ जागरूकता की कमी है।' उन्होंने बताया, 'जो लोग शहर में कर्फ्यू लगा होने के बावजूद घर से बाहर देखे जाते हैं, उन्हें भूत के हुलिए वाले हमारे स्वयंसेवक अपने डरावने अभिनय से आगाह करते हैं कि अगर वे बगैर किसी वजह के बाहर घूमेंगे तो कोरोना का भूत उन्हें अपनी गिरफ्त में ले लेगा। ए स्वयंसेवक लोगों को बताते हैं कि कोविड-19 से बचने के लिए सामाजिक दूरी बनाना कितना जरूरी है।'

ताजा आंकड़ों के मुताबिक शहर में कोरोना विषाणु संक्रमण की जद में आए मरीजों की तादाद बढ़कर 89 पर पहुंच गई है। इनमें से पांच लोगों की इलाज के दौरान मौत हो चुकी है। इस महामारी के मरीज मिलने के बाद से प्रशासन ने 25 मार्च से शहरी सीमा में कर्फ्यू लगा रखा है।

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया
Central Bank of India
1911 से आपके लिए "केन्द्रित" "CENTRAL" TO YOU SINCE 1911

प्रतिभूतिकरण अधिनियम, 2002 की मांग सूचना 13(2)

शाखा कार्यालयः गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली

यह मांग सूचना वित्तीय परिसम्पत्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 (2002 का 54) के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के अंतर्गत एतदद्वारा कर्जदारों/गारंटरों को उनकी गारंटी में दी गई ऋण सुविधा की बकाया राशि का भुगतान इस सूचना की तिथि से 60 दिनों के भीतर करने के लिए जारी की गई है। यदि आप अधिनियम की धारा 13(2) के अंतर्गत इस सूचना के संदर्भ में नीचे वर्णित राशि और उस पर आगे ब्याज और प्रासंगिक व्यय, लागत आदि का भुगतान करने में असफल रहते हैं तो बैंक कथित अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) और अन्य लागू प्रावधान के अंतर्गत उसे प्राप्त सभी या किसी अधिकार का प्रयोग करेगा। आपको यह भी सूचना दी जाती है कि आप बिना बैंक की लिखित अनुमति लिये इस सूचना में नीचे वर्णित प्रतिभूत परिसम्पत्तियों की बिक्री, पट्टे पर देने या अन्य लेनदेन नही कर सकते है। **बकाया राशि के साथ खाता और प्रतिभूत परिसम्पत्तियों का विवरण नीचे दिया गया है:**

अचल सम्पत्ति की अनुसूची एवं अन्य विवरण

कर्जदार/गारंटर का नाम	प्रतिभूत परिसम्पत्ति का विवरण	13(2) सूचना की तिथि एवं राशि
कर्जदारः (1) श्रीमती सिगी चरिवुपरम्पिल मैथ्यू (2) श्री सुनील थोमस लोन खाता नं.3938779012 दोनों का पताः आरजेड 20/26, अपर भूतल (पीछे की तरफ) तुगलकाबाद एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110019	साम्यिक बंधक सम्पत्ति जो स्थित हैः- आर जेड 20/26, अपर भूतल (पीछे की तरफ) तुगलकाबाद एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110019	28.02.2020 को एनपीए 12.03.2020 को बकाया रू.20,74,531/- (जो इस सूचना की तिथि को बकाया मूलधन प्लस ब्याज को दर्शाता है)

आपका ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को छुड़ाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम के अनुच्छेद (13) के उप-अनुच्छेद (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

सरफेसी अधिनियम 2002 के अन्तर्गत पूर्व की सभी सूचनाएँ अमान्य हैं।

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 12.03.2020
प्राधिकृत अधिकारी,
सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली

www.readwhere.com

जुलाई अगस्त में प्रो लीग के मैच करा सकता है एफआइएच

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (भाषा)।

अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ ने एफआइएच प्रो लीग के दूसरे सत्र को कोरोना वायरस महामारी के कारण और आगे बढा दिया है और अब मैच जुलाई अगस्त में कराए जा सकते हैं।

एफआइएच कोरोना महामारी के कारण पहले भी प्रो लीग दो बार निलंबित हो चुकी है। एफआइएच ने 15 अप्रैल से पहले होने वाले सारे मैच स्थगित कर दिए थे और बाद में निलंबन 17 मई तक बढ़ा दिया।

एफआइएच सीईओ थियरे वेल ने कहा, कोरोना वायरस महामारी के कारण उत्पन्न स्थिति को देखते हुए एफआइएच और सभी प्रतिभागी राष्ट्रीय संघों ने एफआइएच प्रो लीग के बाकी मैच जुलाई अगस्त में कराने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, इस समय वर्तमान शेड्यूल के सारे मैच आगामी सूचना तक रोक दिए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के संशोधित कार्यक्रम के अनुसार अब तोक्यो ओलंपिक 23 जुलाई से आठ अगस्त 2021 के बीच होंगे। दुनिया भर में खेल ठप्प होने के कारण इसके गंभीर आर्थिक परिणाम भी होंगे। वेल ने कहा, दुनिया भी की अर्थव्यवस्था पर इस महामारी का असर पड़ेगा। हम भी वित्त प्रबंधन और बजट नियोजन के दौरान इसे ध्यान में रखेंगे।

कोरोना के खिलाफ लड़ाई में खिलाड़ियों से बोले प्रधानमंत्री मोदी

टीम इंडिया के रूप में भारत को बनाना है विजयी

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोराना विषाणु से पार पाने में विराट कोहली, पीवी सिंधू, सचिन तेंदुलकर समेत शीर्ष 40 से अधिक खिलाड़ियों से लोगों को जागरूक करने का आग्रह करते हुए शुक्रवार को यहां कहा कि इस महामारी के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में 'टीम इंडिया' के रूप में भारत को विजयी बनाना है ।

प्रधानमंत्री ने तेजी से फैल रही कोविड-19 महामारी को फैलने से रोकने के लिए राष्ट्रीय पूर्णबंदी के बीच खेल मंत्री कीरेन रिजीजू और देश के 40 से अधिक खिलाड़ियों से वीडियो कॉल के जरिए एक घंटे तक बात की जिनमें बीसीसीआइ अध्यक्ष सौरव गांगुली, दिग्गज सचिन तेंदुलकर और वर्तमान कप्तान विराट कोहली जैसे शीर्ष क्रिकेटर भी शामिल थे। इनमें से कुछ खिलाड़ियों ने अपने सुझाव भी रखे और मोदी ने कहा कि उन पर पूरा ध्यान दिया जाएगा।

तेंदुलकर ने 14 अप्रैल के बाद भी एहतियात बरतने पर जोर दिया जबकि फर्राटा धाविका हिमा दास ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई में जुटे स्वास्थ्यकर्मियों और पुलिस पर हमले पर दुख जताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने 40 से अधिक खिलाड़ियों से वीडियो कॉल के जरिए एक घंटे तक बात की

हिमा दास ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई में जुटे स्वास्थ्यकर्मियों और पुलिस पर हमले पर दुख जताया

विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता बैडमिंटन स्टार बी साइ प्रणीत ने भी इस कॉल में हिस्सा लिया और उसकी एक क्लिप ट्विटर पर डाली। इसमें मोदी ने कहा, आपके सुझावों पर भी सरकार द्वारा पूरा ध्यान दिया जाएगा। कोरोना के खिलाफ इस वैश्विक लड़ाई में हमें टीम इंडिया के रूप में भारत को विजयी बनाना है। मुझे विश्वास है कि हम सभी के सामूहिक प्रयासों से देश में नयी ऊर्जा का संचार होता है। प्रधानमंत्री ने 'संकल्प, संयम, सकारात्मकता, सम्मान और सहयोग' का पांच सूत्री मंत्र देते हुए कहा कि लोगों का मनोबल बढ़ाने में खिलाड़ी अहम भूमिका निभा सकते हैं।

खेल मंत्रालय के सूत्रों ने एजंसी से कहा, बातचीत एक घंटे तक चली जिसमें खिलाड़ियों ने अपने सुझाव रखे और प्रधानमंत्री ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई में उनके योगदान की सराहना की। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान योगेश्वर दत्त ने ट्वीट किया, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने खिलाड़ियों से बात करके उनसे अपने सोशल मीडिया द्वारा सामाजिक दूरी बनाए रखने का ज्यादा से ज्यादा प्रचार करने और कोरोना विषाणु के खिलाफ लोगों को जागरूक करने की अपील की। महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल ने बंगलुरु के भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) शिविर में कोरोना विषाणु को लेकर बरती जा रही सावधानियों को लेकर बात की। भाग लेने वाले खिलाड़ियों की सूची में कई प्रमुख क्रिकेटर शामिल हैं। इनमें तेंदुलकर, गांगुली और कोहली के अलावा पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान, युवराज सिंह ने भी हिस्सा लिया। विश्व कप विजेता पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और केएल राहुल के नाम भी सूची में थे लेकिन वे इसमें भाग नहीं ले सके। क्रिकेटरों के अलावा ओलंपिक रजत पदक विजेता पीवी सिंधू, भाला फेंक के एथलीट नीरज चोपड़ा, दिग्गज शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद, धाविका हिमा दास, मुक्केबाज एमसी मैरी काम और अमित पंघाल, पहलवान विनेश फोगाट और युवा निशानेबाज मनु भाकर भी उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने वीडियो कॉल में हिस्सा लिया।

मंत्रालय के सूत्रों ने कहा, इनमें से 12 खिलाड़ियों को अपनी बात रखने के लिए तीन-तीन मिनट का समय दिया गया। पता चला कि तेंदुलकर, गांगुली, एमसी मैरी काम और कोहली उन खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्होंने इस दौरान अपनी बात रखनी थी लेकिन छह बार की विश्व चैंपियन मैरी काम से नेटवर्क के कारण संपर्क नहीं हो पाया था।

तेंदुलकर ने बाद में एक बयान में कहा, मैंने सुझाव दिया कि महामारी से उबरने के बाद भी हाथ मिलाने की बजाय हाथ जोड़का नमस्ते करूंगा जो हमारा तरीका है। असम पुलिस में डीएसपी के पद पर कार्यरत एशियाई खेलों की पदक विजेता हिमा ने कहा, मैंने उनसे कहा कि स्वास्थ्यकर्मियों और पुलिस पर हमले दुखद है। छह बार की विश्व चैंपियन मुक्केबाज मैरी काम नेटवर्क समस्या के कारण कॉल में शामिल नहीं हो सकी।

पूर्व विश्व भारोत्तोलन चैंपियन मीराबाई चानू ने कहा, उन्होंने हमसे सामाजिक दूरी और स्वच्छता को लेकर जागरूकता जगाने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि इस लड़ाई को जीतने के लिए हमें विराट (कोहली) के जुझारूपन की जरूरत है। विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता निशानेबाज अभिषेक वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों से सकारात्मक बने रहने और सकारात्मकता फैलाने का आग्रह किया।

कोविड-19 महामारी के कारण विश्व भर में खेल गतिविधियां ठप्प पड़ी हुई हैं जबकि तोक्यो ओलंपिक को एक साल के लिए टाल दिया गया है।

फिटनेस

देशबंदी के दौरान शुक्रवार को नई दिल्ली में अपने छत पर शारीरिक प्रशिक्षण करते युवा।

एआइएफएफ ने शुरू किया फिटनेस अभियान

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (भाषा)।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआइएफएफ) ने पूर्व और वर्तमान खिलाड़ियों के साथ मिलकर लोगों को पूर्ण बंदी में फिट रहने की जरूरत पर जागरूकता फैलाने का अभियान शुरू किया है।

इस वीडियो अभियान 'फिटविदइंडियनफुटबॉल' में राष्ट्रीय सीनियर पुरुष और महिला टीम के खिलाड़ी शामिल हैं। साथ ही इंडियन एरोज और भारतीय अंडर-17 महिला विश्व कप टीम की खिलाड़ियों के अलावा राष्ट्रीय टीम के सभी उम्र के खिलाड़ी शामिल इस अभियान का हिस्सा हैं। वे प्रशंसकों को फुटबॉल का इस्तेमाल कर ट्रेनिंग के कई तरीके बताएंगे। खतरनाक कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए देश में 21 दिन का लॉकडाउन है। इस बीमारी से अभी तक 2,000 से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं और 50 से ज्यादा की मौत हो चुकी है। वीडियो अभियान के पहले एपिसोड में पूर्व भारतीय कप्तान बाईचुंग भूटिया ने सभी खेल प्रेमियों को सरकारी दिशानिर्देशों का पालन करने और घर में रहने का अनुरोध किया।

भूटिया ने कहा कि पूरे फुटबॉल जगत और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की ओर से मैं आप सभी से घर में रहने का आग्रह करूंगा। सुरक्षित रहिए, स्वस्थ रहिए और सकारात्मक रहिए।' वीडियो में सुनील छेत्री, दांगमेई ग्रेस और भारतीय अंडर-17 महिला कप विश्व कप की संभावित अवेका सिंह भी शामिल हैं।

सीनियर पुरुष टीम के स्ट्राइकर जेजे लालपेखलुआ ने कहा कि उनके लिए प्रशंसकों से इस तरह की बात करना काफी अच्छा रहा। उन्होंने कहा कि फिटनेस हम सभी की जिंदगी का हिस्सा है। लेकिन प्रशंसकों के लिए भी फिट रहना काफी अहम है और इस समय घर में रहना भी। संदेश झिंगन, आशालता देवी, अमरजीत सिंह और अदिति चौहान भी इस अभियान में दिखाई देंगे।

एजबेस्टन स्टेडियम बनेगा कोविड-19 परीक्षण केंद्र

लंदन, 3 अप्रैल (भाषा)।

वारविकशर काउंटी क्रिकेट क्लब ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह एजबेस्टन स्टेडियम को सरकार को सौंप रहा है ताकि इसे कोविड-19 परीक्षण के लिए जांच केंद्र बनाया जा सके। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) इस महामारी से लड़ने में जुटा हुआ है, इसे देखते हुए क्लब ने यह फैसला किया।

क्लब की वेबसाइट के अनुसार स्टेडियम की मुख्य कार पार्किंग को एनएचएस के बर्मिंघम में काम कर रहे मेडिकल स्टाफ के परीक्षण के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। क्लब के मुख्य कार्यकारी नील स्नोबॉल ने कहा कि हमारे काउंटी क्रिकेट कार्यक्रम, कॉन्फ्रेंस और प्रतियोगिताएं 29 मई तक बंद हैं। हमारा स्टाफ इस मुश्किल घड़ी में अपने स्थानीय समुदाय की मदद के विभिन्न तरीके ढूंढ रहा है। इसमें वृद्ध सदस्यों और पूर्व खिलाड़ियों को कॉल करना हो या फिर एजबेस्टन स्टेडियम को इस्तेमाल के लिए पेश करना हो। ब्रिटेन में प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और प्रिंस चार्ल्स सहित करीब 33,000 लोग इस वायरस से संक्रमित हैं।

कोई नहीं जानता फुटबॉल प्रतियोगिताएं कब से शुरू होंगी : फीफा प्रमुख

एसनसियोन, 3 अप्रैल (एएफपी)।

फीफा प्रमुख जियानी इनफैनटिनो ने स्वीकार किया कि कोई नहीं जानता कि पूरी दुनिया में फुटबॉल की प्रतियोगिताएं कब से शुरू होंगी। उन्होंने साथ ही कहा कि जब फुटबॉल खेल शुरू होगा और हालात सामान्य होंगे तो यह अलग होगा। इनफैनटिनो ने कहा कि खतरनाक कोरोना वायरस महामारी के चलते फुटबॉल इतनी अहम नहीं रह गई है।

उन्होंने वीडियो लिंक के जरिए दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल प्रमुखों से बातचीत में कहा कि हम सभी चाहते हैं कि कल ही फुटबॉल का मैच हो पाता लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह संभव नहीं है और आज दुनिया में कोई भी नहीं जानता कि हम पहले की तरह कब से खेलना शुरू करेंगे। इनफैनटिनो ने कहा कि जब हम सामान्य माहौल में लौटेंगे तो हमारी दुनिया और हमारा खेल काफी अलग होगा। हमें सुनिश्चित करना होगा कि फुटबॉल बना रहे और यह फिर से आगे बढ़ सके। उन्होंने कहा कि पहली बार फुटबॉल सबसे अहम चीज नहीं है।

'अभी जिंदगी ज्यादा अहम'

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (भाषा)।

भारत के अनुभवी बल्लेबाज सुरेश रैना ने कहा कि इस कोविड-19 महामारी संकट के समय में जिंदगी ज्यादा अहम है, आइपीएल इंतजार कर सकता है। रैना ने इस खतरनाक वायरस के खिलाफ लड़ाई के लिए 52 लाख रुपए का दान दिया है।

देश में चल रहे 21 दिन की पूर्ण बंदी के दौरान वह सोशल मीडिया पर घर में रहने के महत्व पर जागरूकता फैला रहे हैं। साथ ही अपनी पत्नी की मदद भी कर रहे हैं जिन्होंने पिछले हफ्ते दूसरे बेटे रियो को जन्म दिया है। अगर हालात सामान्य होते तो वह आइपीएल में खेल रहे होते लेकिन अभी वह अपने परिवार के लिए खाना पकाने का लुत्फ उठा रहे हैं और साथ ही घर के काम में हाथ बंटा रहे हैं।

भारत के लिए अंतिम बार 2018 में खेलने वाले रैना से जब आइपीएल के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इस समय जिंदगी ज्यादा अहम है। उन्होंने कहा कि इस समय जिंदगी ज्यादा अहम है। आइपीएल निश्चित रूप से इंतजार कर सकता है। हमें लॉकडाउन पर सरकारी दिशानिर्देशों का पालन करना होगा, वर्ना हम सभी को परिणाम भुगतने होंगे। जब जिंदगी बेहतर हो जाएगी तो हम आइपीएल के बारे में सोच सकते हैं। इतने सारे लोगों की इस समय जान जा रही है, हमें जिंदगियां बचाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मैं लॉकडान में रिलैक्स कर रहा हूं, खाना पका रहा हूं, बच्चों के साथ समय बिता रहा हूं। क्रिकेट के अलावा भी जिंदगी में इतना कुछ करने को है, इस तरह के क्षण आपको यह महसूस कराते हैं। इस लॉकडाउन से लोगों को जमीन से जुड़ने की महत्ता को महसूस करना चाहिए। रैना ने कहा कि इस समय आपके घर और कार के आकार और आप क्या पहनते हो, इसकी तुलना में एक दिन में तीन वक्त का खाना ज्यादा अहमियत रखता है। मैं होस्टल के दिनों से ही खाना पकाता था, मुझे यह अच्छा लगता है। पत्नी ने पिछले हफ्ते बेटे को जन्म दिया है इसलिए घर के काम में हाथ बंटाकर खुश हूं।

खिलाड़ियों को वित्तीय बोझ साझा करना चाहिए : पीएफए

लंदन, 3 अप्रैल (एएफपी)।

इंग्लिश प्रीमियर लीग के स्टार खिलाड़ियों के वेतन और भत्तों में कटौती के बढ़ते विवाद के बीच इंग्लैंड के पेशेवर फुटबॉलर्स संघ (पीएफए) ने कहा कि खिलाड़ियों को वित्तीय बोझ साझा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह इस स्थिति से अच्छी तरह से वाकिफ हैं।

ब्रिटिश सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मैट हैनकॉक ने शीर्ष फुटबॉलरों से वेतन में कटौती स्वीकार करने की अपील की है। कई क्लबों के अपने गैर खिलाड़ी कर्मचारियों को लंबे अवकाश पर भेजने के बाद उन्होंने यह कदम उठाया। हैनकॉक ने कहा कि प्रीमियर लीग के खिलाड़ियों को वेतन में कटौती स्वीकार करके अपना योगदान देना चाहिए। इंग्लिश प्रीमियर लीग का सत्र कोरोना वायरस महामारी के कारण कम से कम 30 अप्रैल तक निलंबित कर दिया गया है और इसके बाद भी कुछ समय तक इसकी वापसी की संभावना नहीं है। खिलाड़ियों पर वेतन में कटौती स्वीकार करने का दबाव बढ़ रहा है।

न्यूजीलैंड ने भारत दौरे का विकल्प खुला रखा

ऑकलैंड, 3 अप्रैल (भाषा)।

न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने कोविड-19 महामारी के बावजूद अपनी 'ए' टीम के अगस्त में भारत दौरे का विकल्प खुला रखा है। उसने कहा कि इस पर फैसला करना अभी जल्दबाजी होगा। न्यूजीलैंड ने हालांकि स्वीकार किया कि उनकी टीम का जून और जुलाई में नीदरलैंड, स्कॉटलैंड, आयरलैंड और वेस्ट इंडीज का दौरा संदिग्ध लग रहा है हालांकि उसने यह भी कहा कि अभी इनको लेकर पूरी तरह से इनकार नहीं किया जा सकता है।

एनजेडसी के मुख्य कार्यकारी डेविड वाइट ने महिला टीम के श्रीलंका दौरे के स्थगित होने की पुष्टि की। यह दौरा इस महीने के आखिर में शुरू होना था। वाइट ने कहा कि खेल से जुड़े हर व्यक्ति के लिए यह स्थिति बेहद निराशाजनक है लेकिन व्यापक रूप से सोचें और विश्व भर में कोविड-19 से बनी भयावह स्थिति को देखें तो अभी हमें न केवल अपने लोगों बल्कि विश्व समुदाय की परवाह करने की जरूरत है। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि न्यूजीलैंड टीम के अगस्त में बांग्लादेश दौरे पर भी संदेह के बादल मंडरा रहे हैं। वाइट ने कहा कि न्यूजीलैंड में क्रिकेट इस मामले में भाग्यशाली रहा कि इस संकट के पैदा होने तक हमारा घरेलू ग्रीष्मकालीन सत्र लगभग समाप्ति पर था। लेकिन अब जबकि लॉकडाउन पूरी तरह से लागू है तब हम अपने क्रिकेट समुदाय की परेशानियों को समझ सकते हैं। उन्होंने कहा कि एनजेडसी अगले 12 सप्ताह तक संचालन में मदद के लिए सरकारी वेतन सब्सिडी योजना लागू कर रहा है। वाइट ने कहा कि यह योजना कोविड-19 से प्रभावित नियोक्ताओं के सहयोग के लिए है ताकि वे लॉकडाउन के दौरान अपने कर्मचारियों को भुगतान करना जारी रख सकें।

आइपीएल को लेकर कमिंस की उम्मीदें बरकरार

सिडनी, 3 अप्रैल (भाषा)।

इंडियन प्रीमयर लीग (आइपीएल) के सबसे महंगे खिलाड़ियों में से एक आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने इस टी-20 लीग के आयोजन को लेकर उम्मीद नहीं छोड़ी है। लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि कोविड-19 के कारण लॉकडाउन से टूर्नामेंट के इस महीने शुरू होने की संभावना कम है।

कमिंस को कोलकाता नाइटराइडर्स ने इस साल के शुरू में हुई नीलामी में 15.50 करोड़ रुपए की मोटी धनराशि देकर खरीदा था। वह आइपीएल में सबसे बड़ी कीमत पर बिकने वाले विदेशी खिलाड़ी बने थे और वह अब भी टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर आशान्वित हैं।

कमिंस ने कहा कि उन्होंने आइपीएल को अभी रद्द नहीं किया है या इस तरह का कोई फैसला नहीं किया है। उसकी स्थिति अभी जस की तस है। उन्होंने कहा कि हम लगातार अपनी टीमों के संपर्क में हैं। निश्चित तौर पर अब भी हर कोई चाहता है कि इस टूर्नामेंट का आयोजन हो, लेकिन सभी जानते हैं कि अभी प्राथमिकता कोरोना वायरस को फैलने से बचाना है।

आइपीएल को अभी 15 अप्रैल तक स्थगित किया गया है। इसी दिन भारत में तीन सप्ताह का लॉकडाउन समाप्त होगा। कमिंस ने हालांकि स्वीकार किया कि इस टूर्नामेंट के अभी शुरू होने की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि यह जल्द शुरू हो पाएगा। मेरे कहने का मतलब है कि निश्चित तौर पर हमारी प्राथमिकता वहां खेलने की होगी लेकिन इस बीच अच्छी बात यह है कि हमें विश्राम का समय मिला है। आइपीएल पहले 29 मार्च से शुरू होना था लेकिन भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने कोरोना वायरस महामारी के कारण इसे 15 अप्रैल तक स्थगित कर दिया था।

भारत से लौटे दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों में कोरोना के लक्षण नहीं

जोहानिसबर्ग, 3 अप्रैल (भाषा)।

भारत के एकदिवसीय दौरा बीच में रद्द होने के बाद स्वदेश लौटने वाले सभी दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटरों में कोरोना वायरस का कोई लक्षण नहीं पाया गया है। इनमें से जिनका परीक्षण किया गया वह भी नेगेटिव रहा। टीम के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. शुएब मांजरा ने यह जानकारी दी।

दक्षिण अफ्रीकी टीम 18 मार्च को स्वदेश लौट गई थी और इसके बाद उन्हें अलग थलग रहने के लिए कहा गया था। उन्होंने गुरुवार को यह अवधि पूरी कर ली लेकिन वे अपने अन्य देशवासियों की तरह अगले दो सप्ताह तक लॉकडाउन में रहेंगे। मांजरा ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा कि किसी भी खिलाड़ी में कोई लक्षण नहीं पाया गया और जिन खिलाड़ियों ने परीक्षण करवाया था उसका परिणाम भी 'नेगेटिव' आया।

शटलरों को ऑनलाइन गुर बता रहे हैं गोपीचंद

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (भाषा)।

कोविड-19 महामारी के चलते खेल गतिविधियां ठप होने के कारण भारतीय बैडमिंटन टीम के मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद देश के चोटी के शटलर को वीडियो के जरिए गुर सिखा रहे हैं। भारत में कोरोना वायरस को रोकने के लिए अभी 21 दिन का लॉकडाउन चल रहा है। इस वायरस से देश में 2000 से अधिक लोग संक्रमित हैं। विश्व भर में ऐसे लोगों की संख्या दस लाख से ऊपर पहुंच गई है।

खेल से दूर रहने से खिलाड़ियों की फिटनेस प्रभावित हो सकती है। इसलिए गोपीचंद ने शटलरों के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया है और वह अपने वाट्सऐप ग्रुप में खिलाड़ियों को सलाह दे रहे हैं। गोपीचंद ने कहा कि हम केवल फिटनेस संबंधी अभ्यास ही कर सकते हैं क्योंकि कोई भी कोर्ट तक नहीं जा सकता है। इसलिए हम वह कर रहे हैं जो कर सकते हैं। मैं अपने वाट्सऐप ग्रुप में खिलाड़ियों को वीडियो भेजकर बता रहा हूं कि क्या करना है।

उन्होंने कहा कि यह सामान्य कार्यक्रम है लेकिन इसे इस तरह से तैयार किया जाता है ताकि इससे ओलंपिक की तैयारियों में लगे खिलाड़ियों को फायदा पहुंचे। गोपीचंद के अलावा जमशेदपुर में जन्में ट्रेनर डिनाज वरवतवाला भी जूम एप्प के जरिए खिलाड़ियों की फिटनेस कक्षाएं ले रहे हैं। चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की जोड़ी ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर पुरुष युगल जोड़ी भी इस ग्रुप की सदस्य है और वे टिप्स पर पूरा अमल कर रहे हैं।

चिराग ने कहा कि गोपी सर हर दिन वाट्सऐप पर हमें दिन का कार्यक्रम भेज देते हैं। इसमें ध्यान लगाने से लेकर दीवार पर अभ्यास करना भी शामिल हैं। वह बताते हैं कि हमें दीवार पर कहां शटल को हिट करना है। हम शाम को ट्रेनर के साथ भी एक घंटा बिताते हैं।

सात्विक ने कहा कि गोपी सर के कार्यक्रम में दीवार पर अभ्यास, रस्सी कूद, हल्की कसरतें जैसी कई चीजें शामिल होती हैं। डिनाज एक दिन छोड़कर हमारी कक्षा लेते हैं। इसमें सिक्की (रेड्डी), अश्विनी (पोनप्पा), साई (बी साई प्रणीत), गुरु (आर गुरुसाईदत्त), कश्यप (पारूपल्ली) और (एचएस) प्रणय सभी उपस्थित रहते हैं।

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 37, अंक 138 *हवाई शुल्क :* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

www.readwhere.com